क्रिकेट के नियम
THE LAWS OF CRICKET

2017 संग्रह (दूसरा संस्करण–2019)
2017 Code (Second Edition-2019)

मेरीलेबॉन क्रिकेट क्लब
Marylebone Cricket Club

– अनुवाद –
राजीव रिसोड़कर
पूर्व अंपायर, बीसीसीआई

Translated into Hindi Language

© सर्वाधिकार सुरक्षित

विषय सूची

आमुख			3
प्रस्तावना	–	क्रिकेट की भावना (The Preamble – The Spirit of Cricket)	5
नियम 1	–	खिलाड़ी (The Players)	6
नियम 2	–	द अंपायर्स (The Umpires)	7
नियम 3	–	द स्कोरर्स (The Scorers)	11
नियम 4	–	द बॉल (The Ball)	12
नियम 5	–	द बैट (The Bat)	13
नियम 6	–	द पिच (The Pitch)	15
नियम 7	–	द क्रीज़ेस (The Creases)	16
नियम 8	–	द विकेट्स (The Wickets)	17
नियम 9	–	खेल क्षेत्र की निर्मिति और रख रखाव (Preparation and maintenance of playing area)	18
नियम 10	–	कवरिंग द पिच (Covering the Pitch)	20
नियम 11	–	अंतराल (Intervals)	21
नियम 12	–	खेल की शुरुआत; खेल का अंत (Start of Play; Cessation of Play)	24
नियम 13	–	पारी (Innings)	27
नियम 14	–	द फॉलो–ऑन (The Follow-On)	28
नियम 15	–	पारी घोषित करना और छोड़ना (Declaration and Forfeiture)	29
नियम 16	–	द रिज़ल्ट (The Result)	30
नियम 17	–	द ओवर (The Over)	32
नियम 18	–	रन बनाना (Scoring Runs)	34
नियम 19	–	बाउंड्रीज़ (Boundaries)	38
नियम 20	–	डेड बॉल (Dead Ball)	41
नियम 21	–	नो बॉल (No Ball)	43
नियम 22	–	वाइड बॉल (Wide Ball)	46
नियम 23	–	बाय और लेग बाय (Bye and Leg bye)	47
नियम 24	–	क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति; स्थानापन्न (Fielder's Absence; Substitutes)	48
नियम 25	–	बल्लेबाज की पारी; रनर्स (Batsman’s Innings; Runners)	50
नियम 26	–	मैदान पर अभ्यास (Practice on the field)	53
नियम 27	–	द विकेट–कीपर (The Wicket-keeper)	54
नियम 28	–	द फील्डर (The Fielder)	56
नियम 29	–	द विकेट इज़ डाउन (The wicket is down)	58
नियम 30	–	बल्लेबाज का उसके मैदान से बाहर होना (Batsman Out Of His/Her Ground)	59
नियम 31	–	अपील्स (Appeals)	60
नियम 32	–	बोल्ड (Bowled)	61
नियम 33	–	कॉट (Caught)	62
नियम 34	–	हिट द बॉल ट्वाइस (Hit the ball twice)	63
नियम 35	–	हिट विकेट (Hit Wicket)	64
नियम 36	–	पगबाधा (Leg Before Wicket)	65
नियम 37	–	आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड (Obstructing the field)	66
नियम 38	–	रन आउट (Run Out)	67
नियम 39	–	स्टंप्ड (Stumped)	68
नियम 40	–	टाइम्ड आउट (Timed Out)	69
नियम 41	–	अनुचित खेल (Unfair Play)	70
नियम 42	–	खिलाड़ियों का आचरण (Players' Conduct)	81
परिशिष्ट A	:	पाठ में अपरिभाषित शब्द या वाक्यांश की परिभाषाएँ और व्याख्या (Definitions and explanations of words and phrases not defined in the text)	86
परिशिष्ट B	:	बल्ला (The bat) (नियम 5)	91
परिशिष्ट C	:	नियम 6 (The pitch) और 7 (The creases)	94
परिशिष्ट D	:	नियम 8 (The wickets)	95
परिशिष्ट E	:	विकेट–कीपर के दस्ताने (Wicket-keeping gloves)	96

इन नियमों के अनुवाद में इस बात की सावधानी बरती गई है कि अँग्रेजी के मूल पाठ कि शुद्धता बनाई रखी जाए, फिर भी कुछ मामलों में थोड़ी रियायतें ली गई है. कई बार नियमों का वास्तविक अर्थ अनुवाद में खो जाता है. किसी भी तरह कि स्पष्टता के लिए अँग्रेजी के मूल पाठ को देखें.

अनुवाद में किसी त्रुटि या उसे बेहतर बनाने के लिए umpireraj@gmail.com पर अपने सुझाव भेजें या मोबाईल +91 98260 12859 पर संपर्क करें.

आमुख

क्रिकेट का खेल 270 वर्षों से नियम संग्रहों की श्रृंखला से संचालित हुआ है. इन नियम संग्रहों में समय समय पर कई फेरबदल, संचालक प्राधिकारियों की अनुशंसा पर किए गए. अपने गठन के बाद 1787 से मेरीलेबॉन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) को नियमावली बनाने और उसमें बाद में किए गए सभी संशोधनों को करने के लिए एकमात्र प्राधिकरण के रूप में मान्यता मिली है. क्लब के पास इनके विश्वव्यापी सर्वाधिकार भी हैं.

क्रिकेट के मूल नियम समय की परीक्षा में हमेशा खरे उतरे हैं. इसका वास्तविक कारण यह रहा है कि क्रिकेट खिलाड़ी इस खेल को परंपरागत रूप से खेल भावना के साथ – जिसे वर्ष 2000 से 'प्रस्तावना' में मान्यता प्राप्त है और नियमों के अंतर्गत खेलने को तैयार रहे हैं.

इस 2017 के नियम संग्रह (code) में जो परिवर्तन किए गए हैं वे विश्व भर में हर स्तर पर खिलाड़ियों, अंपायरों, प्रशासकों और खेल की संचालक संस्था – इंटरनेशनल क्रिकेट कौंसिल (आईसीसी) के साथ गहन विचार विमर्श के बाद किए गए हैं. खेल बहुत जल्दी जल्दी विकसित हुआ है जिसके कारण सिर्फ पंद्रह वर्षों में 2000 के नियम संग्रह के छह संस्करण प्रकाशित करना पड़े. इन परिवर्तनों को तर्कसंगत बनाने के लिए और नियमों को तार्किक प्रारूप और क्रम देने के लिए नए नियम संग्रह की आवश्यकता थी. विचार विमर्श के बाद यह उभर के आया कि परिवर्तनों के पीछे मार्गदर्शक सिद्धान्त यह होना चाहिए कि बल्ले और गेंद के बीच एक उचित संतुलन बना रहे, नियमों को समझने के लिए आसान बनाया जाए, खिलाड़ियों के हितों की रक्षा हो, और खिलाड़ियों द्वारा खराब व्यवहार से निपटने के लिए अंपायरों के पास और अधिक तंत्र (mechanism) हों. इसके अलावा पहली बार नियमों को तटस्थ लिंग (gender neutral) प्रारूप में लिखा गया है, जो महिलाओं और लड़कियों में इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का परिणाम है.

एमसीसी के क्रिकेट के नियम वह ढांचा प्रदान करते हैं जिसके अंतर्गत सारे क्रिकेट के मैच आयोजित किए जाते हैं. अलग अलग लीग और संचालक संस्थाएं अपनी भिन्न भिन्न आवश्यकताओं के अनुसार उसमें अपने अलग नियम और शर्तें जोड़ देते हैं. जैसे जूनियर क्रिकेट, टी–20 या टेस्ट मैच के नियमों में कुछ कुछ भिन्नताएँ रहती है. लेकिन सभी में, मूलभूत नियम – जैसे रन बनाना और विकेट लेना अपरिवर्तित रहते हैं.

इस पुस्तक में जो नियम है वो छपते वक्त तक सही है लेकिन समय–समय पर जो छोटे परिवर्तन होते हैं, आवश्यक हुआ तो एमसीसी की वेबसाइट (www.lords.org) और क्रिकेट के नियम की डिजिटल ऐप पर कर दिये जाते हैं.

नियमों के इतिहास में महत्वपूर्ण तिथियाँ इस प्रकार हैं :

1700 इस समय क्रिकेट को मान्यता मिली.

1744 किसी 'नोबलमैन और जेंटलमेन', जो लंदन का आर्टिलरी मैदान इस्तेमाल करते थे, ने एक नियम संग्रह बनाया जिसे ऐसा सबसे पुराना संग्रह माना जाता है.

1755 कई क्रिकेट क्लबों ने, विशेषरूप से स्टार और गार्टर ने नियमों को 'पाल मॉल' में संशोधित किया.

1774 एक और संशोधन केंट, हैम्पशायर, सरे, ससेक्स, मिडिलसेक्स, और लंदन के 'नोबलमैन और जेंटलमेन' की एक समिति ने स्टार और गार्टर में किया.

1786 एक और संशोधन केंट, हैम्पशायर, सरे, ससेक्स, मिडिलसेक्स, और लंदन के 'नोबलमैन और जेंटलमेन' की एक समिति ने किया.

1788 एमसीसी का पहला नियम संग्रह 30 मई को स्वीकारा गया.

1835 एमसीसी की समिति ने नया नियम संग्रह 19 मई को स्वीकार किया.

1884 विश्वभर के क्रिकेट क्लबों से विचार विमर्श के बाद नए संस्करण में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए जिन्हें एमसीसी की 21 अप्रैल को आयोजित विशेष साधारण सभा में पारित किया गया.

1947 नियमों का नया संग्रह 7 मई को एमसीसी की विशेष साधारण सभा में पारित किया गया. मुख्य परिवर्तनों का उद्देश्य यह था कि नियमों में स्पष्टता लाई जा सके और बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सके.

1979 1947 के संग्रह के पाँच संस्करणों के बाद 1974 में नियमों का पुनरीक्षण शुरू हुआ ताकि कुछ विरोधाभास दूर किए जा सके, परिवर्तनों को एकत्रित किया जा सके और ज्यादा स्पष्टता और सरलता हासिल की जा सके. नया संग्रह, 21 नवंबर को एमसीसी की विशेष साधारण सभा में पारित किया गया और 1980 से लागू हो गया.

1992 1980 के संग्रह का दूसरा संस्करण प्रस्तुत किया गया. इसमें बीच के बारह वर्षों में मंजूर किए गए सारे संशोधनों को समाविष्ट किया गया.

2000 नियमों का नया संग्रह जिसमें क्रिकेट की भावना को परिभाषित करने वाली 'प्रस्तावना' शामिल थी, को 3 मई 2000 को स्वीकृत किया गया.

2007 एमसीसी ने नियमों के लिए नई उप समिति का गठन किया जिसने पूर्व के कार्य समूह का स्थान लिया.

2010 2000 के संग्रह का चौथा संस्करण प्रकाशित हुआ. 5 मई को आयोजित विशेष साधारण सभा में सदस्यों ने मान लिया कि भविष्य में एमसीसी की समिति, सदस्यों से स्वीकृति हासिल किए बगैर क्रिकेट के नियमों में परिवर्तन कर सकती है.

2017 2000 के संग्रह के छह संस्करणों के बाद, नया 2017 का संग्रह 1 अक्टूबर 2017 से लागू किया गया.

नियमों से संबंधित कई प्रश्न हर वर्ष एमसीसी के पास फैसले के लिए भेजे जाते हैं. नियमों के अधिरक्षक होने के नाते एमसीसी हमेशा प्रश्नों के उत्तर देने के लिए और स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार रहती है. लेकिन जो प्रश्न हल्के हैं या किसी तरह से शर्त या बाज़ी से संबंधित हैं, उनके उत्तर न देने का अधिकार एमसीसी सुरक्षित रखता है.

लार्ड्स क्रिकेट ग्राउंड
लंदन NW8 8QN
1 अक्टूबर 2017

जी. डब्ल्यू. लैवेंडर
मुख्य कार्यकारी और सचिव, एमसीसी

प्रस्तावना – क्रिकेट की भावना

क्रिकेट का आकर्षण और आनंद इस बात में निहित है कि इसे न केवल नियमों के अंतर्गत बल्कि क्रिकेट की भावना के अनुसार खेला जाना चाहिए.

खेल भावना के अनुपालन की प्रमुख जिम्मेदारी कप्तानों में निहित रहती है लेकिन सभी खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और विशेषकर कनिष्ठ (junior) क्रिकेट में शिक्षकों, प्रशिक्षकों, और पालकों की अहम् भूमिका होती है.

आदर खेल भावना का केंद्र बिंदु है.

- अपने कप्तान, टीम के साथियों, प्रतिद्वंद्वियों का और अंपायर के प्रभुत्व का आदर करें.
- कड़ा मुकाबला करें और उचित भावना से खेलें.
- अंपायर के निर्णय को स्वीकार करें.
- अपने आचरण से सकारात्मक माहौल पैदा करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें.
- स्व–अनुशासन का पालन करें तब भी जब परिस्थितियाँ आपके विरुद्ध जा रही हो.
- अपने प्रतिद्वंद्वियों को उनकी सफलता पर बधाई दें और अपनी टीम की सफलता पर ख़ुशी मनाएं.
- मैच की समाप्ति के बाद अधिकारियों और अपने प्रतिद्वंद्वियों को धन्यवाद दें, भले ही परिणाम कुछ भी आया हो.

क्रिकेट एक रोमांचक खेल है जो नेतृत्व, मित्रता, और टीम भावना को प्रोत्साहित करता है जिससे अलग–अलग राष्ट्रीयता, संस्कृति, और धर्म के लोग एक साथ आते हैं विशेष रुप से तब जब उसे खेल भावना के अंतर्गत खेला जाए.

क्रिकेट के खेल में खिलाड़ी, अंपायर और स्कोरर किसी भी लिंग के हो सकते है और नियम सब पर बराबरी से लागू होते हैं. हालांकि इन नियमों के पाठ में प्रयास किया गया है कि लिंग को लेकर नियमों की स्पष्टता बनी रहे फिर भी जब तक अलग से न कहा गया हो सारे नियम सभी खिलाड़ियों पर लागू होंगे भले ही वह किसी भी लिंग के हों.

नियम 1 – खिलाड़ी (The Players)

1.1 खिलाड़ियों की संख्या

मैच दो टीमों के बीच खेला जाता है. हर टीम में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं, जिसमें से एक कप्तान होता है.

आपसी सहमति से कोई मैच ग्यारह से कम या ग्यारह से ज्यादा खिलाड़ियों की टीमों के बीच खेला जा सकता है लेकिन कभी भी एक समय ग्यारह से ज्यादा खिलाड़ी क्षेत्ररक्षण नहीं करेंगे.

अगर मैच के दौरान किसी भी वजह से किसी टीम के खिलाड़ियों की संख्या पूर्व निर्धारित संख्या से कम हो जाए तो भी मैच तब तक जारी रहेगा जब तक कि नियमों के अंतर्गत या टॉस के पूर्व किसी सहमति के तहत ऐसा संभव हो सके.

1.2 खिलाड़ियों का नामांकन और बदलाव

हर कप्तान अपने टीम के खिलाड़ियों का नामांकन लिखित में, टॉस के पूर्व किसी एक अंपायर को देगा. नामांकन के बाद किसी खिलाड़ी का बदलाव विपक्षी टीम के कप्तान की सहमति के बगैर नहीं किया जा सकेगा.

1.3 कप्तान

1.3.1 अगर किसी भी समय कप्तान उपलब्ध नहीं है तो एक सहायक उसके स्थान पर कार्य करेगा.

1.3.2 अगर नामांकन के लिए कप्तान उपलब्ध नहीं है तो टीम से सम्बद्ध कोई भी खिलाड़ी नामांकन के लिए उसके सहायक की भूमिका निभा सकता है. देखें 1.2

1.3.3 खिलाड़ियों के नामांकन के बाद केवल एक नामित खिलाड़ी ही नियमों के अनुसार कप्तान के सारे दायित्व (टॉस करने सहित) निभाने के लिए उसके सहायक की भूमिका अदा कर सकता है. देखें नियम 13.4 (द टॉस).

1.4 कप्तानों की जिम्मेदारी

कप्तानों की जिम्मेदारी रहेगी कि वे सुनिश्चित करें कि खेल का संचालन खेल भावना से और खेल के नियमों के अधीन हो. देखें – प्रस्तावना – क्रिकेट की भावना और नियम 41.1 (उचित और अनुचित खेल – कप्तानों की जिम्मेदारी).

नियम 2 – द अंपायर्स (The Umpires)

2.1 नियुक्ति और उपस्थिति

मैच के पूर्व, दो अंपायर नियुक्त किए जाएंगे जो एक–एक छोर (end) से नियमों के अनुसार और पूर्ण निष्पक्षता से मैच का नियंत्रण करेंगे. अंपायर हर दिन खेल शुरू होने के निर्धारित समय से कम से कम 45 मिनट पूर्व मैदान पर उपस्थित होंगे और मैदान के कार्यकारी अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे.

2.2 अंपायर का बदलना

किसी असाधारण परिस्थिति, बीमारी या चोट की स्थिति को छोड़ किसी अंपायर को मैच के दौरान नहीं बदला जाएगा. अगर अंपायर को बदलना आवश्यक हुआ तो बदली अंपायर केवल स्ट्राइकर छोर पर ही दायित्व निभाएगा जब तक कि दोनों कप्तान इस बात के लिए सहमत न हो जाये कि स्थानापन्न अंपायर, मैच अंपायर के रूप में पूर्ण जिम्मेदारियाँ वहन करे.

2.3 कप्तानों के साथ परामर्श

टॉस के पूर्व दोनों अंपायर–

2.3.1 कप्तानों के साथ मिलेंगे, अंपायर निर्धारित करेंगे कि

2.3.1.1 मैच में कौन सी गेंदें प्रयोग में लाई जाएगी. देखें नियम 4 (द बॉल).

2.3.1.2 खेल का नियत समय, खाने के अंतराल और ड्रिंक्स के अंतराल का समय और अवधि. एक दिन के मैच में चाय के अंतराल के लिए कोई निश्चित समय तय नहीं होगा. इसके स्थान पर यह अंतराल पारियों के बीच के अंतराल के साथ लिया जाएगा. देखें नियम 11 (अंतराल).

2.3.1.3 मैच के दौरान कौन सी घड़ी को आधार माना जाये और उसके खराब होने की स्थिति में किस घड़ी को माना जाए.

2.3.1.4 खेल के मैदान की सीमा और गेंद के सीमा पार जाने पर मिलने वाले रन. साथ ही यह भी कि क्या मैदान के अन्दर किसी अवरोध को बाउंड्री माना जाये. देखें नियम 19 (बाउंड्रीज़).

2.3.1.5 कवर्स का प्रयोग. देखें नियम 10 (पिच को कवर करना).

2.3.1.6 मैच के संचालन को प्रभावित करने वाले कोई विशेष नियम या शर्तें.

2.3.2 स्कोरर्स को नियम 2.3.1.2, 2.3.1.3, 2.3.1.4, और 2.3.1.6 के अनुसार हुई सहमति की सूचना देंगे.

2.4 विकेट्स, क्रीज़ेस और बाउंड्रीज़

टॉस के पूर्व और मैच के दौरान, अंपायर खुद को संतुष्ट करेंगे कि

2.4.1 विकेटों को उचित ढंग से लगाया (पिच) गया है. देखें नियम 8 (द विकेट्स).

2.4.2 क्रीज़ की मार्किंग सही ढंग से की गई है. देखें नियम 7 (द क्रीज़ेस).

2.4.3 खेल के मैदान की सीमा नियम 19.1 (खेल के मैदान की सीमा (बाउंड्री) निश्चित करना), 19.2 (बाउंड्री को पहचानना और चिन्हित करना), 19.3 (बाउंड्री को अपने स्थान पर लौटाना) की आवश्यकताओं को पूरा करती है.

2.5 मैच का संचालन, सामग्री और उपकरण

टॉस के पूर्व और मैच के दौरान अंपायर अपने आप को संतुष्ट करेंगे कि

2.5.1 मैच का संचालन पूरी तरह से नियमों के अनुसार हो रहा है.

2.5.2 मैच में प्रयोग में लाई जा रही सामग्री निम्नानुरूप हो–

2.5.2.1 नियम 4 (द बॉल).

2.5.2.2 नियम 5 (द बैट) और परिशिष्ट B की बाहर से दृष्टिगत आवश्यकताएँ.

2.5.2.3 नियम 8.2 (स्टंप्स का माप) और 8.3 (द बेल्स) या यदि लागू हुआ तो नियम 8.4 (जूनियर क्रिकेट).

2.5.3 कोई खिलाड़ी स्वीकृत उपकरणों के अलावा कोई अन्य उपकरण प्रयोग नहीं कर रहा. देखें परिशिष्ट A.2. इसमें विशेष रूप से सुरक्षात्मक हेलमेट की व्याख्या को नोट करें.

2.5.4 विकेट–कीपर के दस्ताने नियम 27.2 (दस्ताने) की आवश्यकताओं को पूर्ण करते हैं.

2.6 उचित और अनुचित खेल

उचित और अनुचित खेल के मामले में अंपायर एकमात्र निर्णायक होंगे.

2.7 खेल के लिए अनुकूलता

2.7.1 केवल अंपायर ही एक साथ तय करेंगे कि या तो मैदान, मौसम या रोशनी की स्थितियाँ या किसी प्रकार की असाधारण परिस्थितियाँ खेल के जारी रहने को खतरनाक (dangerous) या अतर्कसंगत (unreasonable) बनाती है.

परिस्थिति को खतरनाक या अतर्कसंगत केवल इसलिए नहीं माना जाएगा क्योंकि वह आदर्श नहीं हैं.

यह तथ्य कि घास या गेंद गीले हैं, मैदानी परिस्थितियों को खतरनाक या अतर्कसंगत नहीं बनाती.

2.7.2 परिस्थितियों को खतरनाक माना जाएगा यदि किसी खिलाड़ी या अंपायर की सुरक्षा को वास्तविक या अनुमानित खतरा है.

2.7.3 परिस्थितियों को अतर्कसंगत माना जाएगा यदि उन स्थितियों में भले ही सुरक्षा को कोई खतरा न हो, लेकिन खेल को जारी रखना विवेकपूर्ण नहीं होगा.

2.7.4 यदि अंपायर मैदान को इतना गीला या फिसलन भरा मानते हैं कि गेंदबाज को पैर जमा के रख पाने की सहूलियत (reasonable foothold) न मिले, या क्षेत्ररक्षकों को मुक्त रूप से हलचल करने की आज़ादी न मिले, या बल्लेबाजों की मुक्त रूप से अपने स्ट्रोक खेलने या विकेट के बीच दौड़ने की क्षमता प्रभावित हो, तो इन परिस्थितियों को खेल के शुरू होने या जारी रहने के लिए खतरनाक और अतर्कसंगत माना जाएगा.

2.8 खतरनाक और अतर्कसंगत परिस्थितियों में खेल को स्थगित करना

2.8.1 मैदान को लेकर सारे उल्लेखों में पिच शामिल रहती है. देखें नियम 6.1 (पिच का क्षेत्र).

2.8.2 यदि किसी भी समय दोनों में से कोई भी एक अंपायर यह मानता है कि मैदान, मौसम या रोशनी की स्थितियाँ या कोई अन्य परिस्थितियाँ खतरनाक और अतर्कसंगत है तो अंपायर तुरंत खेल को स्थगित कर देंगे या खेल को शुरू या फिर से शुरू नहीं करेंगे.

2.8.3 जब खेल स्थगित हो तब यह अंपायरों की जिम्मेदारी होगी कि वे परिस्थितियों पर निगाह रखें. वे जितनी बार उचित समझें निरीक्षण करेंगे, लेकिन उस समय उनके साथ कोई खिलाड़ी या अन्य अधिकारी नहीं होगा. जैसे ही वे दोनों इस बात से सहमत हो जाते हैं की स्थितियाँ अब खतरनाक या अतर्कसंगत नहीं है वे खिलाड़ियों से खेल जारी रखने को कहेंगे.

2.9 अंपायरों का स्थान

अंपायर ऐसे स्थान पर खड़े होंगे जहां से वे ऐसे किसी भी कृत्य को यथासंभव अच्छे से देख सकें जिस पर उन्हें अपना निर्णय देना पड़ सकता है.

इस महत्त्वपूर्ण विवेचना को ध्यान में रखते हुए गेंदबाज छोर का अंपायर ऐसे स्थान पर खड़ा होगा जहां से वह न तो गेंदबाज के रन–अप को या स्ट्राइकर के दृश्य को बाधित करे.

स्ट्राइकर छोर का अंपायर अगर चाहे तो पिच के ऑन साइड की जगह ऑफ साइड पर खड़ा हो सकता है बशर्ते वह क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान, स्ट्राइकर और साथी अंपायर को इसकी सूचना दे.

2.10 अंपायरों द्वारा छोर बदलना

जब दोनों टीमों की एक–एक पारी पूरी हो जाए तो अंपायर अपना छोर बदल लेंगे. देखें नियम 13.3 (पूर्ण पारी).

2.11 मतभेद और विवाद

जब किसी भी मामले में मतभेद या विवाद हो तो अंपायर साथ मिलकर अंतिम निर्णय देंगे. देखें नियम 31.6 (अंपायरों के बीच परामर्श).

2.12 अंपायर का निर्णय

अंपायर अपना कोई भी निर्णय बदल सकता है बशर्ते ऐसा बदलाव तुरंत किया जाए. इस स्थिति को छोड़ अंपायर द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम होगा.

2.13 संकेत

2.13.1 अंपायरों द्वारा निम्न संकेतावली प्रयुक्त की जाएगी.

2.13.1.1 गेंद के प्ले में रहते हुए दिये जाने वाले संकेत–

डेड बॉल – कमर के नीचे अपनी कलाइयों को कई बार आर पार करना (cross and recross).

नो बॉल – एक बाज़ू को आड़ा (horizontally) उठा के.

आउट – अपनी तर्जनी को अपने सिर के ऊपर उठाना. (यदि नॉट आउट हो तो अंपायर नॉट आउट की पुकार लगाएगा).

वाइड – अपने दोनों बाजुओं को आड़ा (horizontally) उठा के.

2.13.1.2 जब गेंद डेड हो जाए, तब गेंदबाज छोर का अंपायर 2.13.1.1 के संकेत (आउट छोड़ के) स्कोरर्स के लिए दोहराएगा.

2.13.1.3 निम्न संकेत गेंद के डेड होने के बाद ही स्कोरर्स को किए जाएंगे.

बाउंड्री 4 – अपने एक बाजू को एक ओर से दूसरी ओर हिलाते हुए अपने छाती पर समाप्त करना.

बाउंड्री 6 – अपने दोनों बाजुओं को सिर के ऊपर उठाना.

बाय – खुली हुई बाजू को सिर के ऊपर उठाना.

आखिरी घंटे की शुरुआत – अपनी कलाई को ऊँचा उठाकर दूसरे हाथ से उस कलाई की ओर इशारा करना.

बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करना – एक कंधे को विपरीत हाथ से बार–बार छूना.

क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करना – एक हाथ को विपरीत कंधे पर रखना.

लेग बाय – उठे हुए घुटने को हाथ से छूना.

नई गेंद – गेंद को अपने सिर के ऊपर पकड़ के रखना.

पिछले संकेत को रद्द करना – अपने दोनों कंधो को विपरीत हाथों से छूना.

शॉर्ट रन – एक बाजू को ऊपर की ओर मोड़ कर उसी कंधे को उँगलियों से छूना.

निम्न संकेत खिलाड़ी आचरण उल्लंघन (player conduct offences) के लेवल 3 और लेवल 4 के हैं.

हर संकेत के दो भाग है जिसमें प्रत्येक के लिए स्कोरर्स को अलग से स्वीकृति देनी होगी.

लेवल 3 उल्लंघन भाग 1 – अपने एक बाजू को शरीर के उसी ओर बाहर की ओर उठाकर बार बार ऊपर नीचे करना.

भाग 2 – अपने दोनों हाथों की हथेलियाँ खोलकर कंधे की ऊंचाई तक उठाना और स्कोरर्स को दिखाना.

लेवल 4 उल्लंघन भाग 1 – अपने एक बाजू को शरीर के उसी ओर बाहर की ओर उठाकर बार बार ऊपर नीचे करना.

भाग 2 – अपनी तर्जनी को उसी बाजू की ओर कंधे की ऊंचाई तक उठा कर रखना.

2.13.1.4 नियम 2.13.1.3 में उल्लेखित सभी संकेतों में से शॉर्ट रन का संकेत छोड़कर सभी संकेत गेंदबाज छोर के अंपायर द्वारा किए जाएंगे. शॉर्ट रन का संकेत पहले उस छोर के अंपायर द्वारा किया जाएगा जिस छोर पर शॉर्ट रन हुआ हो. लेकिन गेंदबाज छोर के अंपायर की जिम्मेदारी होगी कि वह स्कोरर्स को शॉर्ट रन का अंतिम संकेत दे, साथ ही यह भी सूचित करे कि कितने रन दर्ज़ किए जाने है.

2.13.2 किसी संकेत के बाद खेल फिर से शुरू होने देने के पूर्व अंपायर स्कोरर द्वारा हर संकेत को अलग अलग स्वीकार करने का इंतज़ार करेगा.

अगर एक से अधिक संकेत दिये जाने है तो वे उसी क्रम में दिये जाएंगे जिस क्रम में घटनाएं घटी हो.

2.14 अंपायरों को सूचित करना

सारे नियमों में, जब भी अंपायरों को कप्तानों या अन्य खिलाड़ियों से कोई सूचना मिलनी हो, तो एक अंपायर को सूचित किया जाना काफी होगा और वह अंपायर अपने साथी अंपायर को वह सूचना दे सकता है.

2.15 स्कोरर्स का सही होना

संशय के मुद्दों पर अंपायरों और स्कोरर्स के बीच परामर्श (consultation) आवश्यक है. संपूर्ण मैच के दौरान अंपायर अपने आप को संतुष्ट करेंगे कि बनाये गए रन, गिरे हुए विकेट और जब उचित हो फेंके गए ओवर्स की संख्या सही दर्ज़ की गई है. वे स्कोरर्स से इन सबके बारे में, कम से कम ड्रिंक्स अंतराल को छोड़ हर अंतराल में, और मैच की समाप्ति पर सहमत होंगे. देखें नियम 3.2 (स्कोर्स का सही होना), 16.8 (परिणाम का सही होना) और 16.10 (परिणाम का बदला नहीं जाना).

नियम 3 – द स्कोरर्स (The Scorers)

3.1 स्कोरर्स की नियुक्ति

स्कोर किए गए सारे रन, लिए गए विकेट और जब उचित हो फेंके गए ओवर्स की संख्या दर्ज़ करने के लिए दो स्कोरर्स की नियुक्ति की जाएगी.

3.2 स्कोर्स का सही होना

स्कोरर्स बार बार आपस में अपना रिकॉर्ड मिलाएंगे. वे ड्रिंक्स के अंतराल को छोड़ कम से कम हर अंतराल में और मैच समाप्ति पर अंपायरों से, बनाए गए रन, गिरे हुए विकेट और जब उचित हो फेंके गए ओवर्स की संख्या पर सहमति हासिल करेंगें. देखें नियम 2.15 (स्कोर्स का सही होना).

3.3 संकेतों को स्वीकार करना

अंपायरों द्वारा दिये गए प्रत्येक निर्देश और संकेतों को स्कोरर्स स्वीकार करेंगे और हर संकेत पर अलग से स्वीकृति (acknowledge) देंगें.

नियम 4 – द बॉल (The Ball)

4.1 वज़न और माप

गेंद जब नई हो तब उसका वज़न (weight) 5.5 आउंस/ 155.9 ग्राम से कम और 5.75 आउंस/ 163 ग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए. साथ ही उसकी परिधि (circumference) 8.81 इंच/22.4 से.मी. से कम और 9 इंच/22.9 से.मी. से ज्यादा नहीं होना चाहिए.

4.2 गेंदों का अनुमोदन (approval) और नियंत्रण

4.2.1 मैच में प्रयोग की जाने वाली सभी गेंदें अंपायरों द्वारा अनुमोदित होने के बाद, टॉस के पूर्व अंपायरों के आधिपत्य में रहेगी और संपूर्ण मैच के दौरान उनके नियंत्रण में रहेगी.

4.2.2 हर विकेट के गिरने पर, हर अंतराल के शुरू होने पर और खेल के दौरान किसी व्यवधान के समय अंपायर मैच में इस्तेमाल की जाने वाली गेंद अपने कब्ज़े में लेगा.

4.3 नई गेंद

जब तक कि मैच के पूर्व कोई अन्य समझौता न किया गया हो, कोई भी कप्तान हर पारी के शुरू में नई गेंद मांग सकता है.

4.4 एक दिन से अधिक अवधि के मैच में नई गेंद

एक दिन से अधिक अवधि के मैच में क्षेत्ररक्षण कर रही टीम का कप्तान नई गेंद की मांग कर सकता है जब पुरानी गेंद से फेंकें गए ओवर्स की संख्या, (जिसमें किसी ओवर का कोई भाग शामिल न हो), 80 या उससे अधिक हो जाए. जब भी नई गेंद खेल में ली गई हो तब अंपायर अपने साथी अंपायर को इसकी सूचना देगा और बल्लेबाजों तथा स्कोरर्स को संकेत देगा.

4.5 गेंद का गुम हो जाना या खेल के लिए अनुपयुक्त हो जाना

अगर खेल के दौरान गेंद गुम हो जाती है या वापिस पाई नहीं जा सकती है या दोनों अंपायर सहमत हो जाएं कि गेंद सामान्य प्रयोग से खेल के लिए अनुपयुक्त हो गई हो, तो अंपायर उस गेंद को ऐसी गेंद से बदलेंगे जिसमें उतना ही घिसाव हुआ हो जितना कि पिछली गेंद में, उसके बदले जाने की आवश्यकता महसूस किए जाने के पूर्व हुआ था. जब गेंद बदली जाएगी तो अंपायर बल्लेबाजों और क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को इसकी सूचना देंगें.

4.6 विनिर्देश (Specifications)

4.1 में दिये गए विनिर्देश (वज़न और माप) केवल पुरुष क्रिकेट के लिए होंगे.

अन्य तरह के क्रिकेट के लिए निम्न विनिर्देश लागू होंगे–

4.6.1 महिला क्रिकेट

वज़न 4.94 आउंस/ 140 ग्राम से 5.31 आउंस/ 151 ग्राम

परिधि 8.25 इंच/21.0 से.मी. से 8.88 इंच/22.5 से.मी.

4.6.2 जूनियर क्रिकेट – 13 वर्ष से कम

वज़न 4.69 आउंस/ 133 ग्राम से 5.06 आउंस/ 144 ग्राम

परिधि 8.06 इंच/20.5 से.मी. से 8.69 इंच/22.0 से.मी.

नियम 5 – द बैट (The Bat)

5.1 द बैट

5.1.1 बैट के दो भाग होते है एक हैंडल और एक ब्लेड.

5.1.2 बैट की मूल आवश्यकतायें और माप इस नियम में वर्णित है. विस्तृत विनिर्देश (specifications) परिशिष्ट B में दिये गए हैं.

5.2 द हैंडल

5.2.1 हैंडल मुख्यतः बेंत और/या लकड़ी का बना होना चाहिए.

5.2.2 हैंडल का वह भाग जो ब्लेड से पूर्णतः अलग हो, हैंडल का ऊपरी भाग कहलाएगा. वह बल्ले को पकड़ने के लिए मुठ (shaft) के तौर पर होगा.

5.2.3 हैंडल के ऊपरी भाग को परिशिष्ट B.2.2 में परिभाषित पकड़ (Grip) से ढंका जा सकता है.

5.3 द ब्लेड

5.3.1 5.2 और परिशिष्ट B.3. में परिभाषित हैंडल को छोड़ बल्ले का अन्य भाग ब्लेड में सम्मिलित होगा.

5.3.2 ब्लेड पूर्णतः केवल लकड़ी का बना होगा.

5.3.3 सारे बल्लों में ब्लेड पर व्यावसायिक पहचान के चिन्ह (commercial identifications) हो सकते हैं जिनके माप परिशिष्ट B.6. में दिये गए विनिर्देशों (specifications) से मिलना चाहिए.

5.4 बचाव और मरम्मत (Protection and repair)

इस शर्त पर कि परिशिष्ट B.4 में दिये गए विनिर्देशों (specifications) का पालन हो और 5.5 का उल्लंघन न हो –

5.4.1 केवल

या तो ब्लेड के अग्र भाग, सिरे, और ऊपरी भाग (face, sides and shoulders) के बचाव के लिए

या ब्लेड की सतह को हुए नुकसान की मरम्मत के लिए

कोई ऐसा पदार्थ जो ब्लेड पर लगाते समय या बाद में, कड़क न हो, ब्लेड पर लगाया जा सकता है.

5.4.2 सतह को हुई क्षति के अलावा ब्लेड को हुई किसी अन्य क्षति की मरम्मत के लिए–

5.4.2.1 ब्लेड में ठोस पदार्थ डाला जा सकता है.

5.4.2.2 लकड़ी ही एकमात्र पदार्थ है जो ब्लेड में डालने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है, केवल न्यूनतम जरूरी गोंद के साथ.

5.4.3 ब्लेड के निचले भाग (toe) को नुकसान से बचाने के लिए, वहाँ कोई पदार्थ लगाया जा सकता है लेकिन उस पदार्थ का कोई हिस्सा ब्लेड के अन्य भाग – सतह, सिरे, या पिछले भाग पर नहीं आना चाहिए.

5.5 गेंद को नुकसान

5.5.1 बल्ले के किसी भी भाग – ढंके हुए या खुले हुए, में शामिल किसी भी पदार्थ का कड़ापन या सतही बनावट इस प्रकार की नहीं होगी कि दोनों से या दोनों में से एक से गेंद को अस्वीकार्य क्षति पहुंचे.

5.5.2 इसी प्रकार बल्ले के किसी भी भाग पर, किसी भी उद्देश्य से रखा गया कोई भी पदार्थ ऐसा नहीं होगा, जिससे गेंद को अस्वीकार्य क्षति पहुंचे.

5.5.3 इस नियम के प्रयोजन के लिए अस्वीकार्य क्षति वह क्षति होगी जो बल्ले की खुली हुई सतह से गेंद को लगने वाले प्रहार के बाद सामान्य घिस–पिस (wear and tear) से ज्यादा हो.

5.6 गेंद से संपर्क

इन नियमों में

5.6.1 बल्ले के सन्दर्भ में समस्त उल्लेखों में यह माना जाएगा की बल्ले को बल्लेबाज ने हाथ में या दस्ताने पहने हुए हाथ में पकड़ रखा है जब तक अन्यथा न कहा गया हो.

5.6.2 गेंद और 5.6.2.1 से 5.6.2.4 में से किसी एक का संपर्क –

5.6.2.1 बल्ले से

5.6.2.2 बल्ला पकड़े हुए बल्लेबाज के हाथ से

5.6.2.3 बल्ला पकड़े हुए बल्लेबाज के हाथ में पहना हुए दस्तानों (gloves) के किसी भी भाग से

5.6.2.4 5.4 के अनुसार स्वीकार्य किसी अतिरिक्त पदार्थ से होगा

तो यह माना जाएगा कि गेंद ने बल्ले को छुआ है या बल्ले से गेंद पर प्रहार हुआ है.

5.7 बल्ले के माप की सीमा (limits)

5.7.1 हैंडल का निचला भाग ब्लेड में जुड़ने के बाद, बल्ले की कुल लम्बाई 38 इंच/96.52 से.मी. से ज्यादा नहीं होगी.

5.7.2 बल्ले का ब्लेड निम्न परिमाण (dimensions) से अधिक नहीं होगा:

चौड़ाई	:	4.25 इंच/10.8 से.मी.
गहराई	:	2.64 इंच/6.7 से.मी.
सिरे (edges)	:	1.56 इंच/4.0 से.मी.

इसके अलावा बल्ला, परिशिष्ट B.8. में दर्शाए गए बल्ले के पैमाने (gauge) में से गुज़रना चाहिए.

5.7.3 साइज़ 6 या उससे कम के बल्ले को छोड़ किसी भी बल्ले का हैंडल बल्ले की कुल लम्बाई के 52 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिये.

5.7.4 5.4.1 में उल्लेखित बल्ले को ढंकने (covering) के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थ की मोटाई 0.04 इंच/0.1 से.मी. से अधिक नहीं होना चाहिए.

5.7.5 बल्ले के तले (toe) में लगाए गए किसी भी सुरक्षा पदार्थ की अधिकतम स्वीकार्य मोटाई 0.12 इंच/0.3 से.मी. होगी.

5.8 बल्लों के वर्ग (categories)

5.8.1 5.1 से 5.7 के अनुरूप बने बल्ले टाइप A, B और C के होंगे.

5.8.2 टाइप A के बल्ले किसी भी वर्ग के क्रिकेट में प्रयोग किए जा सकेंगे.

5.8.3 टाइप D के बल्लों के विनिर्देश (specifications), परिशिष्ट B.7. में दिये गए हैं और वे जूनियर खिलाड़ियों द्वारा, जूनियर क्रिकेट में इस्तेमाल के लिए ही हैं.

5.8.4 टाइप B, टाइप C, टाइप D या अन्य किसी भी तरह के बल्लों का उपयोग केवल उन स्तरों या उससे निचले स्तरों पर किया जा सकेगा जैसा उस देश में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था तय करेगी.

5.8.5 जो बल्ले A से D किसी भी वर्ग में पात्र नहीं होते उन्हें नियमों से कोई मान्यता प्राप्त नहीं है.

नियम 6 – द पिच (The Pitch)

6.1 पिच का क्षेत्र

मैदान के अन्दर 22 गज/20.12 मीटर लम्बाई और 10 फीट/3.05 मीटर का आयताकार क्षेत्र (rectangular area) पिच कहलाता है. उसके दो सिरों पर बॉलिंग क्रीज़ होती है और दोनों ओर एक एक काल्पनिक रेखा होती है जो दो मिडिल स्टंप को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के समानांतर और मिडिल स्टंप के दोनों ओर 5 फीट/ 1.52 मीटर दूरी पर काल्पनिक बिन्दुओं से जुडी होती हैं. अगर पिच के किसी तरफ कोई कृत्रिम पिच है जो मिडिल स्टंप से 5 फीट/ 1.52 मीटर से कम दूरी पर है तो पिच का उस ओर का क्षेत्र दोनों पिचों को जोड़ने वाले बिंदुओं तक ही माना जाएगा. देखें नियम 8.1 (विवरण, चौडाई और पिचिंग) और 8.4 (जूनियर क्रिकेट) और 7.2 (द बॉलिंग क्रीज़).

The pitch is a rectangular area of the ground 22 yards/20.12 m in length and 10 ft/3.05 m in width. It is bounded at either end by the bowling creases and on either side by imaginary lines, one each side of the imaginary line joining the centres of the two middle stumps, each parallel to it and 5 ft/1.52 m from it. If the pitch is next to an artificial pitch which is closer than 5 ft/1.52 m from the middle stumps, the pitch on that side will extend only to the junction of the two surfaces. See Laws 8.1 (Description, width and pitching), 8.4 (Junior cricket) and 7.2 (The bowling crease).

6.2 खेल के लिए पिच की अनुकूलता (Fitness)

खेल के लिए पिच की अनुकूलता के मामले में अंपायर एकमात्र निर्णायक होंगे. देखें नियम 2.7 (खेल के लिए अनुकूलता) और 2.8 (खतरनाक और अतर्कसंगत परिस्थितियों में खेल को स्थगित करना).

6.3 चयन और निर्मिति

मैच के पूर्व पिच के चयन और उसे तैयार करने की जिम्मेदारी मैदान के प्राधिकारी की होगी. मैच के दौरान उसके उपयोग और रख रखाव पर अंपायरों का नियंत्रण होगा.

6.4 पिच को बदलना

जब तक दोनों अंपायर यह तय नहीं कर लेते कि पिच पर खेल जारी रखना खतरनाक और अतर्कसंगत होगा और दोनों कप्तान उनके इस निर्णय से सहमत नहीं हो जाते तब तक मैच के दौरान पिच को बदला नहीं जाएगा.

6.5 घास रहित (non turf) पिच

जब घास रहित पिच प्रयोग में लाई जानी है तो कृत्रिम सतह का माप इस प्रकार होना चाहिए.

लम्बाई – न्यूनतम 58 फीट/ 17.68 मीटर

चौड़ाई – न्यूनतम 6 फीट/ 1.83 मीटर

देखें नियम 9.8 (घास रहित पिच).

नियम 7 – द क्रीज़ेस (The Creases)

7.1 द क्रीज़ेस

पिच के दोनों ओर एक बॉलिंग क्रीज़, एक पॉपिंग क्रीज़ और दो रिटर्न क्रीज़ को उनके नियत स्थानों पर सफ़ेद लकीरों से 7.2, 7.3, और 7.4 के अनुसार चिन्हित किया जाएगा. देखें परिशिष्ट C.

7.2 द बॉलिंग क्रीज़

क्रीज़ मार्किंग का पिछला हिस्सा बॉलिंग क्रीज़ वह लकीर है जो पिच का अंतिम सिरा दर्शाती है. जैसा नियम 6.1 (पिच का क्षेत्र) में बताया गया है. यह लम्बाई में 8 फीट 8 इंच/2.64 मीटर होगी.

7.3 द पॉपिंग क्रीज़

क्रीज़ मार्किंग का पिछला हिस्सा पॉपिंग क्रीज़, बॉलिंग क्रीज़ के सामने और समानांतर, 4 फीट/1.22 मीटर की दूरी पर होगी. दोनों छोर के मिडिल स्टंप्स को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के दोनों ओर पॉपिंग क्रीज़ को कम से कम 6 फीट/1.83 मीटर तक चिन्हित किया जाता है, और लम्बाई में उसे असीमित माना जाता है.

7.4 द रिटर्न क्रीज़

क्रीज़ मार्किंग का अंदरूनी हिस्सा रिटर्न क्रीज़, पॉपिंग क्रीज़ से समकोण (right angle) पर और दोनों छोर के मिडिल स्टंप को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा से 4 फीट 4 इंच/1.32 मीटर दूरी पर, दोनों ओर होगी. दोनों रिटर्न क्रीज़, पॉपिंग क्रीज़ से 8 फीट/2.44 मीटर तक पीछे की ओर चिन्हित की जाएगी और उन्हें लम्बाई में असीमित माना जाएगा.

नियम 8 – द विकेट्स (The Wickets)

8.1 विवरण, चौड़ाई और पिचिंग

बॉलिंग क्रीज़ के मध्य, आमने सामने और एक दूसरे के समानांतर विकेट के दो सेट पिच किए जाएँगे. हर सेट 9 इंच/22.86 से.मी. चौड़ा रहेगा और उसमें तीन लकड़ी के स्टंप शामिल होंगे जिनके ऊपर दो लकड़ी के बेल्स रखे होंगे. देखें परिशिष्ट D.

8.2 स्टंप्स का माप

स्टंप्स का ऊपरी हिस्सा खेल की सतह से 28 इंच/71.12 से.मी. ऊंचाई पर रहेगा और आकार में गुम्बद (dome) जैसा होगा – केवल बेल्स के खाँचो को छोड़कर. खेल की सतह से ऊपर वाला स्टंप का हिस्सा गुम्बद जैसे ऊपरी हिस्से को छोड़ कर बेलनाकार (cylindrical) रहेगा, स्टंप के बेलनाकार हिस्से का व्यास 1.38 इंच/3.50 से.मी. से अधिक और 1.5 इंच/3.81 से.मी. से कम नहीं होगा. देखें परिशिष्ट D.

8.3 द बेल्स

8.3.1 बेल्स जब स्टंप के ऊपर अपने स्थान पर रखे होंगे,

- उसका बाहर निकला हुआ हिस्सा 0.5 इंच/1.27 से.मी. से अधिक ऊपर नहीं होगा.
- स्टंप्स के बीच इस तरह फिट होंगे कि स्टंप का सीधा रूप (vertical) प्रभावित न हो.

8.3.2 हर बेल निम्न विनिर्देश (specifications) के अनुसार होनी चाहिए. (देखें परिशिष्ट D)

कुल लम्बाई	4.31 इंच/10.95 से.मी.
धड़ (barrel) की लम्बाई	2.13 इंच/5.40 से.मी.
लम्बी डंडी (spigot)	1.38 इंच/3.50 से.मी.
छोटी डंडी (spigot)	0.81 इंच/2.06 से.मी.

8.3.3 दोनों डंडियों (spigots) और धड़ (barrel) की मध्य रेखा एक जैसी होगी.

8.3.4 खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बेल्स पर ऐसे उपकरण लगाए जा सकते है जिससे ये सीमित किया जा सके कि बेल्स स्टंप से अलग होने के बाद कितनी दूर जा सकते हैं. लेकिन इसके लिए मैदान प्राधिकारी और मैच संचालित करने वाली संस्था की मंज़ूरी ज़रूरी होगी.

8.4 जूनियर क्रिकेट

हर देश में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था जूनियर क्रिकेट में स्टंप्स और बेल्स के नाप और विकेटों के बीच दूरी तय करेगी.

8.5 बेल्स के बगैर खेलना

यदि आवश्यक हुआ तो अंपायर बेल्स के बगैर खेलने का निर्णय ले सकते हैं. अगर वे ऐसा करने के लिए सहमत हैं तो दोनों छोर पर बेल्स का उपयोग नहीँ होगा. जैसे ही परिस्थितियाँ सुधर जाती है तो बेल्स का उपयोग फिर से शुरू किया जाएगा. देखें नियम 29.4 (बेल्स के बगैर खेलना).

नियम 9 – खेल क्षेत्र की निर्मिति और रख रखाव
(Preparation and Maintenance of playing area)

9.1 रोलिंग

नियम 9.1.1 और 9.1.2 में स्वीकृति के अलावा मैच के दौरान पिच को रोल नहीं किया जाएगा.

9.1.1 रोलिंग की बारंबारता (frequency) और अवधि (duration)

मैच के दौरान, मैच की पहली पारी को छोड़ हर पारी के शुरू होने के पूर्व, और हर आगामी दिन का खेल शुरू होने के पहले, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान के अनुरोध पर पिच को अधिकतम सात मिनिट तक रोल किया जा सकता है. देखें 9.1.4.

9.1.2 विलंबित शुरुआत के बाद रोलिंग

ऊपर दिये गए अवसरों के अलावा टॉस के बाद और मैच की पहली पारी शुरू होने के पूर्व यदि कोई देरी होती है तो बल्लेबाजी कर रही टीम का कप्तान पिच को अधिकतम 7 मिनिट रोल किए जाने की मांग कर सकता है. लेकिन अगर दोनों ही अंपायर यह सोचते हैं कि देरी की वजह से पिच पर कुछ विशेष फर्क नहीं पड़ा है तो वे इस अनुरोध को अस्वीकार कर देंगे.

9.1.3 रोलर्स का विकल्प

यदि एक से अधिक रोलर उपलब्ध है तो बल्लेबाजी कर रही टीम का कप्तान अपना विकल्प चुन सकता है.

9.1.4 स्वीकृत रोलिंग का समय

हर दिन खेल शुरू होने से पूर्व की स्वीकृत रोलिंग (अधिकतम 7 मिनिट) खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय के 30 मिनिट से अधिक पहले शुरू नहीं होगी. बल्लेबाजी कर रही टीम का कप्तान इस रोलिंग की शुरुआत को खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय के 10 मिनिट पूर्व तक विलम्बित कर सकता है.

9.2 पिच के ऊपर के मलबे (debris) को हटाना

9.2.1 पिच के ऊपर किसी भी मलबे को हटाया जाएगा

9.2.1.1 हर दिन के खेल के शुरू होने के पूर्व. ऐसा किसी भी तरह की मोइंग के बाद और रोलिंग के पहले किया जाएगा. यह खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय के 30 मिनिट से 10 मिनिट पूर्व की अवधि में पूरा कर लिया जाएगा.

9.2.1.2 पारियों के बीच में. यह किसी रोलिंग के पहले कर लिया जाएगा.

9.2.1.3 खाने के सारे अंतरालों में.

9.2.2 9.2.1 के अनुसार मलबे को हटाने का काम झाड़ू से किया जाएगा जब तक कि अंपायर यह न माने कि ऐसा करना पिच की सतह के लिए हानिकारक होगा. इस स्थिति में मलबे को उस क्षेत्र को हटाने का काम झाड़ू लगाए बगैर, हाथों से किया जाएगा.

9.2.3 9.2.1 के अतिरिक्त, मोइंग से पहले या जब भी कोई अंपायर आवश्यक समझे, पिच के मलबे को बगैर झाड़ू के, हाथों से हटाया जा सकता है.

9.3 मोइंग (घास की कटाई)

9.3.1 मोइंग की जिम्मेदारी

9.3.1.1 मैच के पूर्व होने वाली समस्त मोइंग की एकमात्र जिम्मेदारी मैदान प्राधिकारी की होगी.

9.3.1.2 मैच शुरू के पश्चात समस्त मोइंग अंपायर की निगरानी में होगी.

9.3.2 पिच और आउटफील्ड

दोनों टीमों को मैच के दौरान एक जैसी मैदानी परिस्थितियाँ देने के लिए,पिच और आउटफील्ड की मोइंग मैच के हर उस दिन जब खेल संभावित हो, की जाएगी यदि मैदान और मौसम की स्थितियाँ इसकी इजाजत दें.

यदि मैदान और मौसम की स्थितियों के अलावा किन्हीं कारणों से आउटफील्ड की संपूर्ण मोइंग संभव नहीँ है तो मैदान प्राधिकारी, कप्तानों और अंपायरों को इस तरह की मोइंग की वैकल्पिक प्रक्रिया के बारे में सूचित करेंगे.

9.3.3 मोइंग का समय

9.3.3.1 किसी भी दिन पिच की मोइंग उस दिन का खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय के 30 मिनिट पहले, रोलिंग के पहले होने वाली किसी तरह की स्वीपिंग के पहले पूरी कर ली जाएगी. यदि आवश्यक हुआ तो पिच के ऊपर के मलबे को मोइंग के पहले ही हाथों से स्वीपिंग के बगैर हटाया जाएगा. देखें 9.2.3

9.3.3.2 किसी भी दिन आउटफील्ड की मोइंग, उस दिन का खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय के 15 मिनिट पूर्व पूरी कर ली जाएगी.

9.4 पिच पर पानी डालना (watering)

मैच के दौरान पिच पर पानी नहीं डाला जाएगा.

9.5 क्रीज़ की रिमार्किंग

जब भी अंपायर आवश्यक समझें, क्रीज़ को फिर से चिन्हित किया जाएगा.

9.6 पैरों से बने गड्ढों (footholes) का रखरखाव

अंपायर यह सुनिश्चित करेंगे कि गेंदबाजों और बल्लेबाजों के पैरों से बने गड्ढें जब भी ज़रूरी हो साफ़ किए जाएँ और सुखाएं जाएँ ताकि खेल सुविधाजनक हो.

एक दिन से अधिक अवधि के मैचों में अंपायर यदि आवश्यक समझें तो गेंदबाज के रन–अप के अंतिम कदमों (delivery stride) से बने गड्ढों को फिर से भरे जाने (re-turfing) या ऐसा करने के लिए जल्दी सूखने वाले पदार्थ के उपयोग की इजाजत देंगे.

9.7 पैर रखने की जगह (footholds) को सुधारना और पिच का रखरखाव

खेल के दौरान, अंपायर खिलाड़ियों को अपने पैर रखने की जगह को मजबूत करने के लिए लकड़ी के बुरादे (sawdust) का प्रयोग करने देंगें बशर्ते इससे पिच को कोई नुकसान न पहुँचे और नियम 41 (अनुचित खेल) का उल्लंघन न हो.

9.8 घास रहित (non turf) पिच

जब भी उचित हो, 9.1 से 9.7 के प्रावधान लागू होंगे.

नियम 10 – कवरिंग द पिच (Covering The Pitch)

10.1 मैच के पूर्व

मैच के पूर्व कवर्स का उपयोग मैदान प्राधिकारी की जिम्मेदारी होगी और यदि आवश्यक हुआ तो उसमें सम्पूर्ण कवरिंग शामिल होगी.

लेकिन खिलाड़ियों के नामांकन के पूर्व, कप्तानों को पिच के निरीक्षण की सुविधा और अंपायरों को नियम 2 (द अंपायर्स), 6 (द पिच), 7 (द क्रीज़ेस), 8 (द विकेट्स), और 9 (खेल क्षेत्र की निर्मिति और रख रखाव) के अनुसार अपने कर्तव्यों के उचित निर्वहन की सुविधा, मैदान प्राधिकारी द्वारा प्रदान की जाना होगी.

10.2 मैच के दौरान

जब तक कि टॉस के पूर्व कुछ और निर्धारित नहीं किया गया हो, पिच को मैच के दौरान हर रात और मैच के दौरान खराब मौसम की स्थिति में किसी भी समय –

10.2.1 संपूर्ण पिच और उसके दोनों छोर पर कम से कम 4 फीट/ 1.22 मीटर पीछे तक कवर किया जाएगा.

10.2.2 जहाँ संभव हो, गेंदबाज के रन–अप को कवर किया जाएगा.

10.3 कवर को हटाना

10.3.1 यदि टॉस के बाद पिच को रात भर कवर किया गया है, तो कवर को जिस भी दिन खेल संभावित हो, जल्दी से जल्दी हटाया जाएगा.

10.3.2 यदि खराब मौसम से सुरक्षा के लिए, दिन में कवर लगाए गए हैं या खराब मौसम की वजह से रात में लगे कवर हटाए नहीं गए हों, तो ये कवर, जब भी स्थितियाँ इज़ाज़त दे, जल्दी से जल्दी हटाए जाएँगे.

नियम 11 – अंतराल (Intervals)

11.1 अंतराल

11.1.1 निम्न को अंतराल में वर्गीकृत किया जाएगा

- एक दिन का खेल समाप्त होने से लेकर अगले दिन का खेल शुरू होने की अवधि को.
- दो पारियों के बीच का अंतराल.
- भोजन का अंतराल.
- ड्रिंक्स का अंतराल.
- सहमति के अनुसार तय, कोई अन्य अंतराल.

11.1.2 केवल यही अंतराल नियम 24.2.6 के प्रयोजन से निर्धारित अंतराल माने जाएँगे.

11.2 अंतराल की अवधि

11.2.1 भोजन (lunch) और चाय (tea) के अंतराल की अवधि नियम 2.3 (कप्तानों के साथ परामर्श) के अनुसार निश्चित की जाएगी और इसका समय अंतराल से पूर्व टाइम की पुकार से लेकर अंतराल के बाद प्ले की पुकार तक लिया जाएगा.

11.2.2 पारियों के बीच का अंतराल 10 मिनिट का होगा. यह समय एक पारी की समाप्ति के समय से अगली पारी की शुरुआत के पहले प्ले की घोषणा के बीच का होगा. लेकिन 11.3, 11.5 और 11.6 देखें.

11.3 पारी के बीच के अंतराल के लिए अनुमतियाँ (allowances)

11.5 और 11.6 के प्रावधानों के अतिरिक्त

11.3.1 किसी दिन का खेल समाप्त होने के निर्धारित समय में दस मिनिट या कम का खेल बचा हो और कोई पारी समाप्त हो जाती है तो उस दिन आगे कोई खेल नहीं होगा. अगले दिन के खेल शुरू होने के समय में पारी के अंतराल की वजह से कोई परिवर्तन नहीं होगा.

11.3.2 यदि कोई कप्तान खेल में किसी व्यवधान के दौरान पारी समाप्त घोषित करता है और अगर व्यवधान के ख़त्म होने में कम से कम दस मिनिट बचे हैं, तो खेल शुरू होने के समय में, पारी के बीच के अंतराल के 10 मिनिटों के समय का कोई समायोजन नहीं किया जाएगा और उस समय को व्यवधान में शामिल समझा जाएगा. अगर कप्तान द्वारा पारी घोषित करने (declare) या पारी छोड़ने (forfeit) के समय, व्यवधान समाप्त होने में 10 मिनिट से कम समय बचा है, तो अगली पारी, पारी समाप्ति (declare) या छोड़ने (forfeit) के 10 मिनिट बाद शुरू होगी.

11.3.3 यदि कोई कप्तान ड्रिंक्स के अंतराल को छोड़ अन्य अंतराल के खत्म होने के कम से कम 10 मिनिट पूर्व कोई पारी घोषित करता है तो वह अंतराल पूर्व निश्चित अवधि का ही होगा और पारियों के बीच का 10 मिनिट का अंतराल उसमें शामिल माना जाएगा. यदि अंतराल ख़त्म होने में 10 मिनिट से कम समय बचा है और कोई कप्तान पारी समाप्ति (declare) या छोड़ने (forfeit) की घोषणा करता है तो अंतराल को आवश्यकतानुसार बढ़ा दिया जाएगा और अगली पारी, पारी समाप्ति (declare) या छोड़ने (forfeit) की घोषणा के 10 मिनिट बाद शुरू होगी.

11.4 अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

अगर मैच के दौरान कभी भी,

मैदान, मौसम या रोशनी की विपरीत परिस्थितियों या किसी असाधारण परिस्थिति के कारण खेल का समय नष्ट हुआ हो,

या

पूर्व निश्चित अंतराल के अलावा खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने का अवसर आया हो.

तो भोजन और चाय के अंतराल का समय दोनों अंपायर और कप्तानों की सहमति से बदला जा सकता है बशर्ते 11.2 और 11.5, 11.6, 11.7, और 11.8.3 की आवश्यकताओं की अवहेलना नहीं हुई हो.

11.5 भोजन के अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

11.5.1 भोजन अंतराल के सहमत समय के 10 मिनिट या उससे कम समय पहले यदि कोई पारी ख़त्म होती है तो यह अंतराल तुरंत ले लिए जाएगा. यह पूर्व निश्चित अवधि का ही होगा और पारियों के बीच का 10 मिनिट का अंतराल इसमें शामिल समझा जाएगा.

11.5.2 यदि मैदान, मौसम या रोशनी की विपरीत परिस्थितियों या किसी असाधारण परिस्थिति के कारण खेल में व्यवधान होता है और उस समय भोजन अंतराल के सहमत समय में दस मिनिट या उससे कम समय बचा है, तो भले ही 11.4 के अनुसार कोई सहमति नहीं हुई हो, भोजन अंतराल को तुरंत ले लिया जाएगा. यह पूर्व सहमत अवधि का ही होगा. इस अंतराल की समाप्ति पर या परिस्थितियाँ जब इज़ाज़त दें, खेल फिर से शुरू किया जाएगा.

11.5.3 यदि खिलाड़ियों को किसी कारणवश मैदान छोड़ने का अवसर आता है और उस समय भोजन अंतराल के सहमत समय में 10 मिनिट से अधिक समय बचा हो, तो जब तक अंपायर और दोनों कप्तान उसे बदलने के लिए एक साथ सहमत नहीं हो जाते, भोजन का अंतराल पूर्व सहमत समय पर ही लिया जाएगा.

11.6 चाय के अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

11.6.1 चाय के अंतराल के सहमत समय के 30 मिनिट या उससे कम समय से पहले यदि कोई पारी ख़त्म होती है तो यह अंतराल तुरंत ले लिए जाएगा. यह पूर्व निश्चित अवधि का ही होगा और पारियों के बीच का 10 मिनिट का अंतराल इसमें शामिल समझा जाएगा.

11.6.2 यदि चाय के अंतराल के सहमत समय के 30 मिनिट पूर्व कोई पारी का अंतराल चल रहा हो तो खेल इस 10 मिनिट के अंतराल के बाद शुरू हो जाएगा, यदि स्थितियाँ उसकी इज़ाज़त दे.

11.6.3 यदि मैदान, मौसम या रोशनी की विपरीत परिस्थितियों या किसी असाधारण परिस्थिति के कारण खेल निलंबित होता है और उस समय चाय के अंतराल के सहमत समय में 30 मिनिट या उससे कम समय बचा है. तो जब तक कि

या तो 11.4 के अनुसार चाय का समय बदलने पर सहमति नहीं हुई हो

या 11.9 के अनुसार दोनों कप्तान चाय के अंतराल को त्यागने के लिए सहमत नहीं हो जाते,

चाय के अंतराल को तुरंत ले लिया जाएगा. यह पूर्व सहमत अवधि का ही होगा. इस अंतराल की समाप्ति पर या परिस्थितियाँ जब इज़ाज़त दें, खेल फिर से शुरू किया जाएगा.

11.6.4 जब चाय के सहमत समय में 30 मिनिट बचे हों और कोई व्यवधान चल रहा हो तो 11.4 लागू होगा.

11.7 भोजन या चाय का अंतराल – 9 विकेट गिरे होना

भोजन और चाय के अंतराल के लिए

या तो अंतराल के पूर्व सहमत समय के 3 मिनिट बचे होने के समय 9 विकेट गिरे हुए हों,

या इन तीन मिनिटों में या अंतराल के सहमत समय पर चल रहे ओवर की अंतिम गेद तक नौवाँ विकेट गिर जाता है,

तो नियम 12.5.2 के प्रावधान लागू नहीं होंगे और अंतराल उस समय तक नहीं लिया जाएगा जब तक कि अंतराल के पूर्व सहमत समय के बाद 30 मिनिट के समय पर चल रहा ओवर पूरा नहीं हो जाए या खिलाड़ियों को इसके पहले मैदान छोड़ने का अवसर न आए या पारी की समाप्ति पहले ही न हो जाए.

नियमों के इस अंश के लिए बल्लेबाज के रिटायर होने को विकेट का गिरना नहीं माना जाएगा.

11.8 ड्रिंक्स का अंतराल

11.8.1 अगर किसी भी दिन अंपायर तय करते हैं कि ड्रिंक्स का अंतराल होगा, तो इस अंतराल को लेने का विकल्प दोनों टीमों को उपलब्ध होगा. हर अंतराल को कम से कम समय का रखने का प्रयास किया जाएगा और किसी भी स्थिति में यह 5 मिनिट से अधिक नहीं होगा.

11.8.2 जब तक कि 11.9 के अनुसार कप्तान इसे रद्द करने के लिए सहमत नहीं हो जाते, ड्रिंक्स अंतराल सहमत समय पर चल रहे ओवर की समाप्ति के बाद लिया जाएगा. लेकिन अगर ड्रिंक्स के सहमत समय के 5 मिनिट के अन्दर कोई विकेट गिरता है, या बल्लेबाज रिटायर होता है तो यह अंतराल तुरंत लिया जाएगा.

ड्रिंक्स अंतराल के समय में कोई अन्य बदलाव स्वीकृत नहीं होगा, केवल 11.8.3 के प्रावधान को छोड़ कर.

11.8.3 यदि ड्रिंक्स के सहमत समय के 30 मिनिट के अन्दर कोई पारी समाप्त होती है या खिलाड़ियों को किसी वजह से मैदान छोड़ना पड़ता है, तो अंपायर और कप्तान मिलकर उस सत्र में ड्रिंक्स का समय बदल सकते हैं.

11.8.4 नियम 12.6 (मैच का अंतिम घंटा – ओवर्स की संख्या) में परिभाषित मैच के अंतिम घंटे में ड्रिंक्स का अंतराल नहीं लिया जाएगा. इस सीमितता (limitation) के अलावा, कप्तान और अंपायर टॉस के पूर्व और बाकी दिनों में खेल शुरू होने के 10 मिनिट पहले तक ड्रिंक्स के अंतराल के निर्धारित समय पर सहमति हासिल कर लेंगे.

11.9 अंतराल रद्द करने के लिए सहमति

मैच के दौरान कभी भी, कप्तान, चाय या किसी ड्रिंक्स अंतराल को रद्द करने के लिए सहमत हो सकते हैं. अंपायरों को इसकी सूचना दी जाएगी.

जब खेल चल रहा है तो विकेट पर बल्लेबाजी कर रहे खिलाड़ी ड्रिंक्स रद्द करने के मामले में अपने कप्तान का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं.

11.10 स्कोरर्स को सूचना देना

अंपायर यह सुनिश्चित करेंगे कि खेल के और अंतराल के समय के सम्बन्ध में हुई सहमतियों और उसमें किसी नियम स्वीकृत परिवर्तनों की सूचना स्कोरर्स को दी जाएगी.

नियम 12 – खेल की शुरुआत; खेल का अंत
(Start of Play; Cessation of Play)

12.1 प्ले की पुकार

मैच के शुरू में और किसी भी अंतराल या व्यवधान के बाद खेल के पुनः शुरू होने पर गेंदबाज छोर का अंपायर प्ले की पुकार लगाएगा.

12.2 टाइम की पुकार

किसी खेल के सत्र की समाप्ति पर जब गेंद डेड हो जाए या जब नियमों के अनुसार आवश्यक हो, गेंदबाजी छोर का अंपायर टाइम की पुकार लगाएगा. नियम 20.3 (ओवर या टाइम की पुकार) भी देखें.

12.3 बेल्स को हटाना

टाइम की पुकार के बाद, दोनों विकेटों के ऊपर की बेल्स हटाई जाएँगी.

12.4 नए ओवर की शुरुआत

जब तक 12.5.2 में बताई गई परिस्थितियों के अनुसार कोई अंतराल न लेना हो, मैच में किसी भी समय नया ओवर शुरू किया जाएगा यदि अंपायर अपनी सामान्य गति से चलता हुआ गेंदबाज छोर पर अपने स्थान पर पहुँच जाए और अगले अंतराल या खेल समाप्ति का सहमत (agreed) समय न हुआ हो.

12.5 किसी ओवर को पूरा करना

मैच की समाप्ति को छोड़कर–

12.5.1 अगर ओवर के दौरान किसी अंतराल का नियत समय हो चुका हो, तो अंतराल लेने से पहले उस ओवर को पूरा किया जाएगा केवल 12.5.2 की स्थितियों के अलावा.

12.5.2 जब किसी अंतराल का नियत समय होने में 3 मिनिट बचे हों तो वह अंतराल तुरंत ले लिया जाएगा यदि:

या तो कोई बल्लेबाज रिटायर हो या आउट हो जाए

या खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने का अवसर आ जाए

भले ही ऐसा किसी ओवर के दौरान हो या ओवर की समाप्ति पर. पारी की समाप्ति के अलावा यदि इस तरह कोई ओवर अधूरा छूटा हो तो उसे अंतराल के बाद, खेल शुरू होने पर पूरा किया जाएगा.

12.6 मैच का आखिरी घंटा – ओवर्स की संख्या

जब मैच के पूर्व निश्चित समय के अनुसार मैच की समाप्ति में एक घंटे का समय बचे तो अपूर्ण ओवर को पूरा किया जाएगा. अगला ओवर उन न्यूनतम 20 ओवर में से पहला होगा जिन्हें पूरा किया जाना अनिवार्य होगा जब तक कि परिणाम पहले न आ जाए या कोई अंतराल या व्यवधान न हो जाए.

गेंदबाजी छोर का अंपायर, खिलाड़ियों और स्कोरर्स को इन 20 ओवर के शुरू होने का संकेत करेगा. इसके बाद के खेल को आखिरी घंटा कहा जाएगा भले ही इसकी वास्तविक अवधि कुछ भी हो.

जब आखिरी घंटे के न्यूनतम ओवर फेंके जा चुके हो, तो आगे और ओवर फेंके जा सकते हैं बशर्ते मैच समाप्ति का पूर्व निश्चित समय न हो गया हो. देखें 12.7 और 12.8.

12.7 मैच का आखिरी घंटा – खेल में व्यवधान

यदि मैच के आखिरी घंटे के दौरान खेल में कोई व्यवधान हो तो फेंके जाने वाले न्यूनतम ओवरों को 20 में से इस तरह घटाया जाएगा:

12.7.1 व्यवधान से नष्ट हुए समय की गणना, टाइम की पुकार से अंपायरों द्वारा खेल को फिर से शुरू करने के निर्धारित समय तक की जाएगी.

12.7.2 नष्ट हुए समय के हर 3 मिनट के लिए एक ओवर कम किया जाएगा.

12.7.3 अगर इस तरह के एक से अधिक व्यवधान हों तो नष्ट हुए मिनिटों को जोड़ा नहीं जाएगा. हर व्यवधान के लिए अलग से गणना की जाएगी.

12.7.4 यदि, जब खेल का एक घंटा बचा हो और कोई व्यवधान चल रहा हो,

12.7.4.1 केवल इस क्षण के बाद के समय को गणना में लिया जाएगा.

12.7.4.2 व्यवधान के समय यदि कोई ओवर चल रहा हो, तो उसे खेल शुरू होने के बाद पूरा किया जाएगा और वह न्यूनतम फेंके जाने वाले ओवरों में नहीं गिना जाएगा.

12.7.5 यदि आखिरी घंटे के शुरू होने के बाद, किसी ओवर के बीच में कोई व्यवधान होता है तो खेल के फिर शुरू होने के बाद उस ओवर को पूरा किया जाएगा. इन दो अधूरे ओवरों को न्यूनतम ओवर की गणना में एक ही गिना जाएगा.

12.8 मैच का आखिरी घंटा – पारियों के बीच का अंतराल

अगर मैच के आखिरी घंटे में कोई पारी समाप्त होती है ताकि आखिरी घंटे में नई पारी शुरू हो सके तो अंतराल को पारी के समाप्त होते ही शुरू माना जाएगा और 10 मिनिट बाद ख़त्म माना जाएगा.

12.8.1 यदि यह अंतराल आखिरी घंटे के शुरू होने के समय चल रहा है तो नई पारी में फेंके जाने वाले ओवरों की गणना 12.7 के अनुसार की जाएगी.

12.8.2 यदि आखिरी घंटे के शुरू होने के बाद पारी समाप्त होती है तो दो तरह की गणना की जाएगी जैसा 12.8.3 और 12.8.4 में दर्शाया गया है. दोनों गणनाओं में से जिसमें ज्यादा ओवर आए वह गणना आखिरी घंटे में फेंके जाने वाले न्यूनतम ओवर होंगे.

12.8.3 बचे हुए ओवरों पर आधारित गणना :

- पारी समाप्ति पर आखिरी घंटे के न्यूनतम ओवर में से जितने ओवर फेंके जाना बचे हैं उन्हें नोट करना.
- अगर यह पूर्णांक (whole number) नहीं है तो उससे अगले पूर्णांक पर ले जाना.
- अंतराल के तीन ओवर घटा के जो संख्या आए वह फेंके जाने वाले ओवर माने जाएँगे.

12.8.4 बचे हुए समय के आधार पर गणना :

- पारी की समाप्ति पर यह नोट करना कि खेल के समाप्ति के सहमत समय के लिए कितना समय शेष है.
- इस समय में से अंतराल के लिए 10 मिनिट घटाकर खेल के लिए बचा हुआ समय निकालना.
- खेल के लिए बचे हुए समय में से हर 3 पूर्ण मिनिट के लिए एक ओवर और बचे हुए 3 मिनिट के किसी अंश के लिए भी एक संपूर्ण ओवर देकर कुल ओवरों की संख्या निकाली जाएगी.

12.9 मैच की समाप्ति

12.9.1 मैच समाप्त समझा जाएगा

12.9.1.1 जैसे ही नियम 16.1 से 16.4 और 16.5.1 (द रिज़ल्ट) में परिभाषित परिणाम आ जाए.

12.9.1.2 जैसे ही दोनों

- आखिरी घंटे के न्यूनतम ओवर पूर्ण हो जाए.
- और खेल समाप्त होने का सहमत समय हो जाए.

जब तक कि इसके पहले परिणाम न आ गया हो.

12.9.1.3 नियम 13.1.2 के अनुसार किसी सहमति की स्थिति में जैसे ही मैच की अंतिम पारी पूर्ण हो जाए, जैसा कि नियम 13.3.5 में परिभाषित किया गया है.

12.9.2 मैच को समाप्त माना जाएगा यदि भले ही वह 12.9.1 के अनुसार समाप्त न हुआ हो, लेकिन खिलाड़ी मैदान, मौसम या रोशनी की विषम परिस्थिति में या असाधारण स्थितियों में मैदान छोड़कर जाते हैं और फिर आगे कोई खेल संभव न हो पाए.

12.10 मैच का आखिरी ओवर पूर्ण करना

मैच के आखिरी दिन खेल समाप्ति के समय चल रहा आखिरी ओवर पूरा किया जाएगा जब तक कि

या तो परिणाम न आ जाए

या खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने का अवसर न आए. इस मामले में केवल नियम 16.9 (स्कोरिंग में गलतियाँ) की स्थितियों के अलावा खेल फिर से शुरू नहीं किया जाएगा और मैच को समाप्त माना जाएगा.

12.11 मैच के आखिरी घंटे में किसी गेंदबाज द्वारा ओवर पूरा नहीं कर पाना

मैच के आखिरी घंटे के दौरान यदि किसी भी कारण से कोई गेंदबाज अपना ओवर पूरा न कर पाए तो नियम 17.8 (ओवर के दौरान गेंदबाज का असमर्थ (incapacitated) या निलंबित होना) लागू होगा. ओवर के दो भागों को न्यूनतम ओवर में से एक ओवर समझा जाएगा.

नियम 13 – पारी (Innings)

13.1 पारियों की संख्या

13.1.1 मैच के पूर्व हुई सहमति के अनुसार, मैच हर टीम के लिए एक या दो पारियों का होगा.

13.1.2 किसी पारी को सहमति द्वारा ओवर्स की संख्या या समय से सीमित किया जा सकता है. अगर इस तरह की कोई सहमति होती है तो

13.1.2.1 एक पारी के मैच में यह सहमति दोनों पारियों में लागू होगी.

13.1.2.2 दो पारियों के मैच में एक जैसी सहमतियाँ लागू होंगी –

- दोनों टीमों की पहली पारी में
- या दोनों टीमों की दूसरी पारी में
- या दोनों टीमों की दोनों पारियों में

एक या दो पारी के मैचों में, इस तरह की सहमति में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अगर नियम 16.1 (जीत – दो पारी का मैच) या 16.2 (जीत – एक पारी का मैच) लागू न हो पाए तो मैच का परिणाम किस तरह निकाला जाएगा.

13.2 बारी–बारी से पारी लेना

दो पारी के मैच में दोनों टीमें अपनी पारी बारी–बारी (alternately) से लेंगी जब तक कि नियम 14 (द फॉलो–ऑन) या नियम 15.2 (पारी को छोड़ना) न लागू हो.

13.3 पूर्ण पारी

एक टीम की पारी को पूरा माना जाएगा यदि निम्न से कोई एक लागू हो:

13.3.1 टीम के सभी ख़िलाड़ी आउट हो जाएं.

13.3.2 किसी विकेट के गिरने या बल्लेबाज के रिटायर होने पर, गेंदे तो शेष है लेकिन कोई बल्लेबाज आने के लिए उपलब्ध नहीं है.

13.3.3 कप्तान अपनी पारी घोषित (declare) कर देता है.

13.3.4 कप्तान अपनी पारी छोड़ (forfeit) देता है.

13.3.5 13.1.2 के अनुसार किसी सहमति की स्थिति में–

या निर्धारित किए गए ओवर फेंक दिए जाए

या निर्धारित किया गया समय पूरा हो जाए

जैसा भी उपयुक्त हो.

13.4 द टॉस

कप्तान पारी के चयन के लिए, खेल के मैदान में, खेल शुरू होने के निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय से 30 मिनिट से 15 मिनिट पूर्व की अवधि में (not earlier than 30 minutes, nor later than 15 minutes), एक या दोनों अंपायर की उपस्थिति में टॉस करेंगे. लेकिन नियम 1.3 (कप्तान) के प्रावधानों को नोट करें.

13.5 निर्णय की सूचना देना

जैसे ही टॉस पूरा होता है, टॉस जीतने वाला कप्तान निश्चित करेगा कि उसे बल्लेबाजी करना है कि गेंदबाजी, और विपक्षी टीम के कप्तान और अंपायरों को इसकी सूचना देगा. एक बार सूचना देने के बाद यह निर्णय बदला नहीं जा सकता.

नियम 14 – द फॉलो–ऑन (The Follow-on)

14.1 पहली पारी की बढ़त

14.1.1 दो पारियों के मैच में, जिसकी अवधि पांच दिन या उससे अधिक की हो, जो टीम पहले बल्लेबाजी करती है और दूसरी टीम पर 200 रन या उससे अधिक की बढ़त हासिल करती है, के पास दूसरी टीम को उसकी पारी फिर खिलवाने (फॉलो– ऑन) का विकल्प होगा.

14.1.2 यही विकल्प कम दिनों वाले दो पारी के मैचों में निम्न न्यूनतम बढ़त के साथ उपलब्ध होगा:

- 3 और 4 दिन के मैच में 150 रन;
- 2 दिन के मैच में 100 रन;
- 1 दिन के मैच में 75 रन.

14.2 सूचित करना

कप्तान को यदि फॉलो–ऑन देने का विकल्प लेना हो तो उसे उसकी सूचना विपक्षी कप्तान और अंपायरों को देनी होगी. एक बार सूचना देने के बाद यह निर्णय बदला नहीं जा सकता.

14.3 पहले दिन का खेल नहीं हो पाना

यदि एक दिन से अधिक के मैच में पहले दिन का खेल नहीं होता है, तो 14.1 को लागू करने के लिए यह देखा जाएगा कि खेल के शुरू होने के बाद कितने दिन बचे हैं. जिस दिन पहली बार खेल शुरू होता है उस दिन को इस नियम के लिहाज़ से पूरा दिन माना जाएगा भले ही खेल किसी भी वक्त शुरू हुआ हो.

खेल होना तब माना जाएगा जब प्ले की पुकार के बाद पहला ओवर शुरू हो जाए. देखें नियम 17.2 (ओवर की शुरुआत)

नियम 15 – पारी घोषित करना और छोड़ना
(Declaration and Forfeiture)

15.1 पारी घोषित करने का समय

बल्लेबाजी कर रही टीम का कप्तान अपनी पारी को, पारी के चलते कभी भी घोषित कर सकता है जब गेंद डेड हो. घोषित पारी को पूर्ण पारी माना जाएगा.

15.2 पारी को छोड़ना

कप्तान अपनी टीम की किसी भी पारी को उस पारी के शुरू होने के पहले छोड़ सकता है. छोड़ी गई पारी को पूर्ण पारी माना जाएगा.

15.3 सूचित करना

कप्तान को यदि पारी छोड़ना हो तो उसे उसकी सूचना विपक्षी कप्तान और अंपायरों को देनी होगी. एक बार सूचना देने के बाद यह निर्णय बदला नहीं जा सकता है.

नियम 16 – द रिज़ल्ट (The Result)

16.1 जीत – दो पारी का मैच

उस टीम को, जिसकी दोनों पूर्ण पारियों का कुल योग विपक्षी टीम की दोनों पूर्ण पारियों के योग से ज्यादा हो, मैच में जीत मिलेगी. देखें नियम 13.3 (पूर्ण पारी). 16.6 को भी नोट करें.

16.2 जीत – एक पारी का मैच

टीम जिसने अपनी एक पूर्ण पारी में विपक्षी टीम की एक पूर्ण पारी से ज्यादा रन बनाए हों, को मैच में जीत मिलेगी. देखें नियम 13.3 (पूर्ण पारी). 16.6 को भी नोट करें.

16.3 अंपायरों द्वारा मैच प्रदान (award) करना

नियम 13.1.2 (पारियों के संख्या) के तहत किसी भी सहमति को नज़रंदाज़ करते हुए,

16.3.1 मैच उस टीम द्वारा हारा जाएगा जो

16.3.1.1 हार मान ले

16.3.1.2 अंपायरों के मतानुसार खेलने से इंकार कर दे. ऐसा होने पर अंपायर दूसरी टीम को मैच प्रदान (award) करेंगे.

16.3.2 अगर कोई अंपायर यह मानता है कि किसी खिलाड़ी या खिलाड़ियों की कोई हरकत उसकी टीम द्वारा मैच खेलने से इंकार का इशारा है तो दोनों अंपायर मिलकर उस हरकत का कारण पूछेंगे. उसके बाद अगर वे इस नतीजे पर पहुँचते है कि वह हरकत वाकई उस टीम द्वारा मैच खेलने से इंकार है तो वे उस टीम के कप्तान को ऐसा सूचित करेंगे. अगर कप्तान अपनी इस हरकत पर अड़िग रहता है, तो वे 16.3.1 के अनुसार मैच प्रदान कर देंगे. नियम 42.6.1 (कप्तान द्वारा किसी खिलाड़ी को मैदान से हटाने से इंकार करना) भी देखें.

16.3.3 अगर खेल शुरू होने के बाद अंपायर 16.3.2 के अनुसार कोई पूछताछ करते हैं लेकिन मानते हैं कि टीम ने खेलने से इंकार नहीं किया है तो,

- नष्ट हुए खेल के समय की गणना अंपायर द्वारा टाइम की पुकार से प्ले की पुकार तक की जाएगी. इसमें अंतराल (नियम 11) और खेल के व्यवधान (नियम 2.8) का समय नहीं गिना जाएगा.
- उस दिन के खेल खत्म होने का समय नष्ट हुए समय से बढ़ा दिया जाएगा.
- अगर लागू हुआ, तो मैच के आखिरी घंटे में इस वजह से नष्ट समय के लिए कोई ओवर नहीं घटाए जाएँगे.

16.4 मैच जिनमें नियम 13.1.2 के तहत कोई समझौता हुआ है

जिन मैचों में नियम 13.1.2 (पारियों की संख्या) के तहत समझौता हुआ हो, अगर मैच का परिणाम 16.1, 16.2, या 16.3 के अनुसार न आ सके, तो परिणाम उस समझौते की शर्तों के अनुसार निकाला जाएगा.

16.5 सभी अन्य मैच – टाई या ड्रॉ

16.5.1 टाई

मैच का परिणाम टाई होगा यदि सभी पारियाँ पूर्ण हो जाए और स्कोर बराबर हो.

16.5.2 ड्रॉ

मैच का परिणाम ड्रॉ होगा यदि नियम 16.1, 16.2, 16.3, 16.4 या 16.5.1 में से किसी भी तरह से परिणाम निकाला न जा सके.

16.6 जीत दिलाने वाली हिट या अतिरिक्त रन (Extras)

16.6.1 जैसे ही नियम 16.1, 16.2, 16.3, 16.4 या 16.5.1 में परिभाषित परिणाम आ जाए, मैच को समाप्त माना

जाएगा. उसके बाद केवल नियम 41.18.2 (पेनल्टी रन) को छोड़कर, जो भी हो, मैच का हिस्सा नहीं माना जाएगा. 16.9 को भी नोट करें.

16.6.2 यह माना जाएगा कि मैच में आखिर में बल्लेबाजी कर रही टीम ने जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया है, यदि किसी कैच के पूरे किए जाने, या कैच के लिए बाधा पहुँचाने से पहले, जिसमें स्ट्राइकर आउट हो सकता है, के पहले बल्लेबाजों द्वारा पूरे किए गए रनों को जोड़े बगैर, उनका स्कोर जीतने के लिए काफी हो.

16.6.3 यदि बल्लेबाजों द्वारा जीत के लिए आवश्यक रन पूरे करने के पहले बाउंड्री हो गई हो तो बाउंड्री के सारे रन टीम के स्कोर में और यदि हिट बल्ले से लगी है तो स्ट्राइकर के स्कोर में भी जुड़ेंगे.

16.7 परिणाम का उल्लेख (Statement of Result)

यदि आखिर में बल्लेबाजी कर रही टीम अपने सारे विकेट खोए बगैर जीत हासिल कर ले, तो उस टीम को उतने विकेट से जीता हुआ माना जाएगा जितने विकेट उस समय आउट होना शेष हो.

यदि विपक्षी टीम से अधिक रन बनाने के पहले ही आखिर में बल्लेबाजी कर रही टीम के सभी विकेट गिर जाएँ लेकिन 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाने के कारण उनका स्कोर जीत के लिए काफी हो जाए, तो उस टीम को पेनल्टी रन से जीता हुआ माना जाएगा.

यदि आखिर में गेंदबाजी कर रही टीम मैच जीत जाए तो उसे रन से जीता हुआ माना जाएगा.

यदि मैच का परिणाम एक टीम द्वारा हार मानने से या खेलने से इंकार किए जाने के कारण आया हो तो उसे हार स्वीकार करना (match conceded) या मैच प्रदान किया गया (match awarded) लिखा जाएगा.

16.8 परिणाम का सही होना

स्कोर के सही होने को लेकर कोई भी निर्णय अंपायरों की जिम्मेदारी होगी. देखें नियम 2.15 (स्कोर्स का सही होना)

16.9 स्कोरिंग में गलतियाँ

यदि, यह मानकर कि मैच में परिणाम आ गया है, खिलाड़ी और अंपायर मैदान छोड़कर बाहर आ जाते हैं और अंपायर पाते हैं कि स्कोरिंग में कोई ऐसी गलती हुई है जिससे मैच का परिणाम प्रभावित होगा तो 16.10 की शर्त पर (subject to) वे निम्न प्रक्रिया अपनाएंगे.

16.9.1 अगर जब खिलाड़ी मैदान छोड़कर गए हों, तब अंतिम बल्लेबाजी कर रही टीम की पारी पूरी न हुई हो और

या अंतिम घंटे में फेंके जाने वाले ओवर या उस पारी के निर्धारित ओवर पूरे न हुए हो

या खेल समाप्ति के लिए या पारी समाप्ति के लिए तय समय न हुआ हो

तो जब तक एक टीम हार न मान ले, अंपायर खेल को फिर शुरू करने का आदेश देंगे.

खेल तब तक जारी रहेगा अगर स्थितियाँ इज़ाजत दें – जब तक निश्चित ओवर न फ़ेंक दिये जाएँ, और या तो खेल समाप्ति का समय न हो जाए या पारी के लिए निर्धारित समय न हो जाए – जैसा भी उचित हो, जब तक कि पहले परिणाम न आ जाए. शेष समय या शेष ओवरों की संख्या उसी समय की ली जाएगी जब मैच पहले समाप्त माना गया था. उस क्षण से और खेल के फिर से शुरू होने के बीच के समय को किसी हिसाब में नहीं लिया जाएगा.

16.9.2 यदि टाइम की इस घोषणा के समय ओवर पूरे हो चुके हों और खेल का कोई समय न बचा हो या आखिर में बल्लेबाजी कर रही टीम अपनी पारी पूरी कर चुकी हो, अंपायर तुरंत दोनों कप्तानों को स्कोर और परिणाम में आवश्यक सुधार की जानकारी देंगे.

16.10 परिणाम का बदला नहीं जाना

एक बार जब अंपायरों ने मैच की समाप्ति पर स्कोर के सही होने के बारे में स्कोरर्स के साथ सहमति जता दी हो – देखें नियम 2.15 (स्कोर्स का सही होना) और 3.2 (स्कोर्स का सही होना), उसके बाद मैच का परिणाम नहीं बदला जा सकता.

नियम 17 – द ओवर (The Over)

17.1 गेंदों की संख्या

गेंदों को दोनों छोर से बारी–बारी से छह गेंदों के ओवर के रूप में फेंका जाएगा.

17.2 ओवर की शुरुआत

एक ओवर तब शुरू माना जाएगा जब गेंदबाज ओवर की पहली गेंद फेंकने के लिए अपना रन–अप शुरू करता/करती है या अगर रन–अप नहीं है तो अपना गेंदबाजी एक्शन शुरू करता/करती है.

17.3 गेंदों की वैधता

17.3.1 किसी गेंद को ओवर की छह गेंदों में से एक गिना नहीं जाएगा जब तक कि वह फेंकी (delivered) न गई हो, भले ही नियम 41.16 (नॉन–स्ट्राइकर द्वारा अपना मैदान समय से पूर्व छोड़ना) के अनुसार कोई बल्लेबाज विदा (dismiss) हो जाए या फिर गेंद के फेंके बिना ही कोई घटना घट जाए.

17.3.2 गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद ओवर के छह गेंदों में से एक गिनी नहीं जाएगी

17.3.2.1 यदि स्ट्राइकर द्वारा उसे खेलने का मौका मिलने से पहले, उसे डेड घोषित किया गया हो या डेड माना गया हो. देखें नियम 20.6 (डेड बॉल; गेंद का ओवर में गिना जाना).

17.3.2.2 यदि उसे नियम 20.4.2.6 की स्थितियों में डेड घोषित किया गया. नियम 20.4.2.5 (अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत) के विशेष प्रावधान भी नोट करें.

17.3.2.3 यदि वह नो बॉल है. देखें नियम 21 (नो बॉल)

17.3.2.4 यदि वह वाइड है. देखें नियम 22 (वाइड बॉल)

17.3.2.5 जब नियम 24.4 (खिलाड़ी का बगैर इज़ाज़त लौटना), 28.2 (फील्डिंग द बॉल), 41.4 (जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास), या 41.5 (जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना) लागू किया गया हो.

17.3.3 17.3.1 और 17.3.2 में सूचीबद्ध गेंदों के अलावा सभी अन्य गेंदों को वैध गेंदें माना जाएगा. केवल वैध गेंदें ही ओवर की छह गेंदों में गिनी जाएगी.

17.4 ओवर की पुकार

जब छह वैध गेंदें फेंकी जा चुकी हो और जब गेंद डेड हो जाए, अंपायर विकेट छोड़ने से पूर्व ओवर की पुकार लगाएगा. नियम 20.3 (ओवर या टाइम की पुकार) भी देखें.

17.5 अंपायर द्वारा गलत गणना

17.5.1 यदि अंपायर वैध गेंदों को गिनने में गलती कर दे, तो जैसा ओवर अंपायर ने गिना है वह सही माना जाएगा.

17.5.2 गलत गिनने के बाद, यदि अंपायर ने छह गेंदों के बाद भी ओवर चलने दिया तो वह अगली किसी भी गेंद के डेड होने के बाद ओवर की पुकार कर सकता है भले ही वह गेंद वैध गेंद न हो.

17.6 गेंदबाज द्वारा छोर बदलना

गेंदबाज को जितनी बार चाहे छोर बदलने की अनुमति होगी, बशर्ते वह एक ही पारी में लगातार दो ओवर या दो लगातार ओवरों के अंश नहीं फेंके.

17.7 ओवर को ख़त्म करना

17.7.1 पारी की समाप्ति को छोड़कर, गेंदबाज को अपने चालू ओवर को पूरा करना पड़ेगा जब तक कि वह किसी वजह से असमर्थ (incapacitated) या निलंबित न हो जाए.

17.7.2 पारी समाप्ति को छोड़कर, यदि किसी कारण से कोई ओवर अंतराल या व्यवधान के शुरू होते समय अपूर्ण रह गया हो तो उसे खेल के पुनः शुरू होने के बाद पूरा किया जाएगा.

17.8 ओवर के दौरान गेंदबाज का असमर्थ (incapacitated) या निलंबित (suspend) होना

यदि किसी वजह से कोई गेंदबाज ओवर की पहले गेंद फेंकने के लिए दौड़ते हुए चोटिल हो जाए या ओवर के दौरान चोटग्रस्त या निलंबित हो जाए तो अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. कोई अन्य गेंदबाज उस ओवर को पूरा करेगा/करेगी बशर्ते वह उसी पारी में लगातार दो ओवर न डाले, न ही दो लगातार ओवरों का कोई अंश डाले.

नियम 18 – रन बनाना (Scoring Runs)

18.1 रन

स्कोर को रनों से गिना जाएगा. रन तब बनेगा

18.1.1 जब भी गेंद प्ले में हो, जितनी ही बार बल्लेबाज एक दूसरे के पार जाते हुए एक छोर से दूसरे छोर पर अपने–अपने मैदान में पहुँच जाएँ.

18.1.2 जब बाउंड्री स्कोर की जाए. देखें नियम 19 (बाउंड्रीज़)

18.1.3 जब पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँ. देखें 18.6

18.2 रनों को अस्वीकार करना (disallowed)

इन नियमों में जहाँ भी रन स्कोर करने या पेनल्टी प्रदान करने का प्रावधान है वे रन या पेनल्टी उसी दशा में दिये जाएँगे यदि उन पर रनों को अस्वीकार करने का या पेनल्टी रन नहीं दिये जाने का प्रावधान न हो.

जब रन अस्वीकार किए जाते हैं, तब नो बॉल या वाइड की एक रन की पेनल्टी बनी रहेगी और 5 रन की पेनल्टी भी दी जाएंगी केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.

18.3 शॉर्ट रन

18.3.1 रन तब शॉर्ट माना जाएगा जब कोई बल्लेबाज अगले रन के लिए मुड़ने से पहले अपने मैदान में नहीं पहुँचा हो.

18.3.2 हालाँकि एक शॉर्ट रन, अगले रन को भी शॉर्ट (छोटा) करता है, लेकिन अगर बाद वाला रन पूरा हुआ तो उसे शॉर्ट नहीं माना जाएगा. स्ट्राइकर अगर पॉपिंग क्रीज़ के बाहर से पहले रन की शुरुआत करता है तो यह बगैर पेनल्टी स्वीकार्य है.

18.4 अनजाने में (unintentional) लिए गए शॉर्ट रन

18.5 की परिस्थितियों को छोड़कर,

18.4.1 अगर दोनों में से कोई भी बल्लेबाज शॉर्ट रन भागता है, तो अगर बाउंड्री न स्कोर हो, संबंधित अंपायर जैसे ही गेंद डेड होगी शॉर्ट रन की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और वह रन स्कोर नहीं होगा.

18.4.2 अगर दोनों में से एक या दोनों बल्लेबाज शॉर्ट रन भागते हैं और बाद में बाउंड्री बन जाती है तो संबंधित अंपायर शॉर्ट रन को नज़रअंदाज़ करेंगे और शॉर्ट रन की पुकार या संकेत नहीं देंगे.

18.4.3 अगर दोनों बल्लेबाज एक ही रन में शॉर्ट भागते हैं तो उसे एक ही शॉर्ट रन माना जाएगा.

18.4.4 अगर एक से ज्यादा रन शॉर्ट है तो 18.4.2 और 18.4.3 की शर्तों पर, जितने भी रन शॉर्ट है, स्कोर नहीं किए जाएँगे.

18.4.5 अगर एक से ज्यादा रन शॉर्ट है तो अंपायर स्कोरर को बताएगा कि कितने रन दर्ज किए जाने हैं.

18.5 जानबूझकर लिए गए शॉर्ट रन

18.5.1 अगर कोई भी अंपायर यह महसूस करता है कि एक या दोनों बल्लेबाजों ने जानबूझकर उस अंपायर के छोर पर शॉर्ट रन लिया है, तो संबंधित अंपायर जब गेंद डेड होगी तब शॉर्ट रन की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और अपने साथी अंपायर को बताएगा कि क्या हुआ है और 18.5.2 को लागू करेगा.

18.5.2 गेंदबाजी छोर का अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम द्वारा बनाए गए सभी रन अस्वीकार करेगा.
- किसी नॉट आउट बल्लेबाज को उसके मूल छोर पर भेजेगा.
- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड का संकेत देगा – यदि लागू हो तो

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 रन की पेनल्टी प्रदान करेगा.
- कोई अन्य 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा. केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.
- स्कोरर्स को यह बताएगा कि कितने रन दर्ज़ किए जाएँगे.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को सूचना देगा और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

18.5.3 दोनों अंपायर मिलकर, मैच समाप्त होने के बाद जितनी जल्दी हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

18.6 पेनल्टी के लिए प्रदान किए जाने वाले रन

18.5, नियम 21 (नो बॉल), 22 (वाइड बॉल) 24.4 (खिलाड़ी का बगैर इजाजत लौटना), 26.4 (अवेहलना की सजा), 28.2 (फील्डिंग द बॉल), 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट), 41 (अनुचित खेल) और 42 (खिलाड़ी का आचरण) के लिए पेनल्टी के रन प्रदान किए जाएँगे.

लेकिन नियम 18.5, 23.3 (लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना), 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)), 25.7 (स्ट्राइकर के रनर पर बंधन), 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट), 34 (हिट द बॉल ट्वाइस), 41.14 (बल्लेबाज द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना) और 41.15 (स्ट्राइकर का सुरक्षित क्षेत्र में आना) के तहत पेनल्टी रन देने के बंधनों को नोट करें.

18.7 बाउंड्री के लिए बने रन

नियम 19 (बाउंड्रीज़) के अनुसार, बाउंड्री के रन स्कोर किए जाएँगे.

18.8 बल्लेबाज के आउट होने पर बनने वाले रन

जब कोई बल्लेबाज विदा (dismiss) होता है तो दोनों टीमों को मिलने वाले पेनल्टी के रन कायम रहेंगे. बल्लेबाजी कर रही टीम को कोई अन्य रन नहीं मिलेंगे केवल निम्न के अलावा.

18.8.1 अगर बल्लेबाज ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड (क्षेत्ररक्षण को बाधा पहुँचाना) आउट होता है तो बल्लेबाजी कर रही टीम को गलती के पहले पूर्ण किए गए रन मिलेंगे.

लेकिन अगर बाधा (obstruction) कैच आउट होने से बचने के लिए हो तो पेनल्टी के अलावा कोई भी रन नहीं मिलेंगे.

18.8.2 अगर बल्लेबाज रन आउट होता है, तो बल्लेबाजी कर रही टीम को विकेट के गिरने से पहले पूर्ण किए गए सारे रन मिलेंगे.

लेकिन अगर रनर के साथ खेल रहा स्ट्राइकर नियम 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)) के अंतर्गत स्वयं रन आउट हो जाता है तो रनर और दूसरे बल्लेबाज द्वारा बनाए गए कोई भी रन अस्वीकार किए जाएँगे.

18.9 विकेट न गिरने पर भी गेंद के डेड होने पर बनने वाले रन

जब गेंद, विकेट गिरने के अलावा किसी अन्य कारण से डेड होती है, या अंपायर द्वारा डेड घोषित कर दी जाती है तो जब तक कि वैसी स्थिति के लिए नियमों में कोई अलग प्रावधान न हो, दोनों टीमों को मिलने वाली पेनल्टी के रन स्कोर किए जाएँगे. लेकिन नियम 23.3 (लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना) और 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के प्रावधानों को नोट करें.

इसके साथ ही बल्लेबाजी कर रही टीम को,

डेड बॉल की घोषणा या घटना के पूर्व बल्लेबाजों द्वारा पूरे किए गए सभी रन मिलेंगे.

और यदि बल्लेबाजों ने डेड बॉल की घोषणा या घटना के क्षण क्रॉस कर लिया हो तो प्रगति में चल रहा रन (run in progress) भी टीम को मिलेगा. लेकिन नियम 41.5.8 (जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना) के प्रावधान विशेष रूप से नोट करें.

18.10 स्कोर किए गए रन का श्रेय (credit)

जब तक कि किसी नियम में अन्यथा न कहा गया हो,

18.10.1 अगर गेंद पर बल्ले से प्रहार हुआ है तो बल्लेबाजी कर रही टीम द्वारा बनाए गए सभी रन स्ट्राइकर को मिलेंगे केवल निम्न को छोड़कर;

- प्रदान किए गए 5 पेनल्टी रन, जो पेनल्टी रन के खाते में जाएँगे.
- नो बॉल की 1 रन के पेनल्टी जो नो बॉल अतिरिक्त (extras) के रूप में स्कोर की जाएगी.

18.10.2 यदि गेंद बल्ले से नहीं लगी है तो बने हुए रन पेनल्टी रन, बाईज़, लेग बाईज़, नो बॉल अतिरिक्त (extras), या वाइड के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, स्कोर किए जाएँगे. अगर नो बॉल पर बाईज़ या लेग बाईज़ के रन बनते हैं तो नो बॉल की एक रन के पेनल्टी, नो बॉल के खाते में जाएगी और बाकी रन बाईज़ या लेग बाईज़ के खाते में, जैसी भी स्थिति हो, जाएँगे.

18.10.3 गेंदबाज के नामे निम्न रन जाएँगे :

- स्ट्राइकर द्वारा बनाए गए सभी रन
- नो बॉल अतिरिक्त (extras) के रूप में बने सभी रन
- वाइड के रूप में बने सभी रन.

18.11 बल्लेबाज का मूल छोर पर लौटना

18.11.1 जब भी स्ट्राइकर नियम 18.11.1.1 से 18.11.1.6 में से किसी भी स्थिति में विदा (dismiss) होता है, तो नाबाद बल्लेबाज अपने मूल छोर पर लौटेगा/लौटेगी.

18.11.1.1 नियम 25.6.4 या 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा होना (dismissal) और आचरण (conduct)) की स्थितियों में विदा (dismiss) होना.

18.11.1.2 बोल्ड

18.11.1.3 स्टंप्ड

18.11.1.4 हिट द बॉल ट्वाइस

18.11.1.5 पगबाधा (LBW)

18.11.1.6 हिट विकेट

18.11.2 नियम 18.11.2.1 से 18.11.2.3 में से किसी भी स्थिति में दोनों बल्लेबाज अपने मूल छोर पर लौटेंगे.

18.11.2.1 जब बाउंड्री स्कोर होगी.

18.11.2.2 किन्हीं कारणों से रन अस्वीकार किए गए हों.

18.11.2.3 नियम 41.5 (जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना) के अंतर्गत विकेट पर बल्लेबाजी कर रहे बल्लेबाजों द्वारा ऐसा करने का निर्णय लिया गया हो.

18.12 अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर बल्लेबाज का लौटना

18.12.1 अगर बल्लेबाज 18.12.1.1 से 18.12.1.3 के तरीकों से विदा (dismiss) होता है तो नाबाद बल्लेबाज अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर लौटेगा/लौटेगी लेकिन उसी स्थिति में जब बल्लेबाजों ने आउट होने वाली घटना के क्षण

(instant) क्रॉस न किया हो. अगर रन अस्वीकार होने है तो नाबाद बल्लेबाज अपने मूल छोर पर लौटेगा/लौटेगी.

18.12.1.1 कैच आउट (caught)

18.12.1.2 ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड

18.12.1.3 रन आउट, नियम 25.6.4 या 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा होना (dismissal) और आचरण (conduct)) को छोड़कर

18.12.2 यदि कोई रन प्रगति में है (run in progress) और गेंद किसी बल्लेबाज के विदा (dismiss) होने के अलावा किसी अन्य कारण से डेड हो जाती है तो बल्लेबाज अपने द्वारा छोड़े गए विकेटों पर लौटेंगे लेकिन उसी स्थिति में जब उन्होंने गेंद के डेड होने के क्षण क्रॉस नहीं किया हो. लेकिन यदि 18.11.2.1 से 18.11.2.3 में से कोई भी स्थिति लागू होती है तो बल्लेबाज अपने मूल छोर पर लौटेंगे.

नियम 19 – बाउंड्रीज़ (Boundaries)

19.1 खेल के मैदान की सीमा (बाउंड्री) निश्चित करना

19.1.1 टॉस के पूर्व, अंपायर खेल के मैदान की सीमा तय करेंगे जो मैच की पूरी अवधि तक स्थाई (fixed) रहेगी. देखें नियम 2.3.1.4 (कप्तानों के साथ परामर्श).

19.1.2 बाउंड्री इस तरह से तय की जाएगी कि साईट स्क्रीन का कोई भी हिस्सा, मैच के किसी भी समय मैदान के अन्दर नहीं रहेगा.

19.2 बाउंड्री को पहचानना और चिन्हित करना

19.2.1 जब भी व्यावहारिक हो, बाउंड्री को लगातार चल रही सफ़ेद रेखा से चिन्हित किया जाएगा या किसी ऐसी वस्तु से जो ज़मीन के संपर्क में हो.

19.2.2 यदि बाउंड्री को सफ़ेद रेखा से चिन्हित किया गया है

19.2.2.1 रेखा का वह सिरा (edge) जो पिच के सबसे पास हो, बाउंड्री माना जाएगा.

19.2.2.2 वस्तु (object) जैसे झंडा, खम्बा, या बोर्ड जिसे केवल बाउंड्री को चिन्हांकित (highlight) करने के लिए प्रयोग किया गया हो, को बाउंड्री के बाहर की ओर लगाया जाएगा और ऐसी वस्तु को बाउंड्री नहीं माना जाएगा.

19.2.3 यदि बाउंड्री को ऐसी वस्तु से दर्शाया गया है जो मैदान के संपर्क में हो तो उस वस्तु के ज़मीन से लगे हुए उस सिरे को, जो पिच के सबसे पास हो, बाउंड्री माना जाएगा.

19.2.4 यदि सफ़ेद रेखा या कोई वस्तु जिससे बाउंड्री को लगातार चिन्हित किया जा सके, की व्यवस्था न हो, तो झंडे, खम्बे, या बोर्ड जैसी वस्तुओं का उपयोग बाउंड्री पर थोड़ी थोड़ी दूरी पर रखकर किया जा सकता है. इस स्थिति में दो पास–पास के बिन्दुओं के बीच की काल्पनिक रेखा को बाउंड्री माना जाएगा.

19.2.5 अगर बाउंड्री की पहचान 19.2.2, 19.2.3 या 19.2.4 से न की जा सके, तो टॉस के पूर्व अंपायर द्वारा उसे नियत किया जाएगा.

19.2.6 खेल के मैदान के अन्दर किसी अवरोध को तब तक बाउंड्री नहीं माना जाएगा, जब तक अंपायर टॉस के पूर्व ऐसा निश्चित नहीं करते. केवल 19.2.7 की स्थिति को छोड़कर. देखें नियम 2.3.1.4 (कप्तानों के साथ परामर्श).

19.2.7 जब गेंद प्ले में हो और कोई व्यक्ति या जानवर खेल के मैदान में आ जाता है तो उसे बाउंड्री नहीं माना जाएगा जब तक कि अंपायर गेंद और ऐसे व्यक्ति या जानवर के बीच संपर्क की स्थिति को देखकर ऐसा फैसला न करे. हर अलग घटना के लिए अलग से निर्णय लिया जाएगा.

19.3 बाउंड्री को अपने स्थान पर लौटाना

अगर बाउंड्री को चिन्हित करने के लिए रखी गई ठोस वस्तु किसी वजह से अपने स्थान से हिल जाती है तो

19.3.1 मूल स्थान को ही बाउंड्री माना जाएगा.

19.3.2 जितनी जल्दी व्यावहारिक हो वस्तु को अपने नियत मूल स्थान पर फिर लौटा दिया जाएगा. अगर खेल चल रहा है तो गेंद के डेड होते ही ऐसा किया जाएगा.

19.3.3 अगर किसी बाड़ (fence) का कुछ भाग या कोई अन्य मार्कर खेल के मैदान में आ गया हो तो जितनी जल्दी व्यावहारिक हो उसे अपने नियत मूल स्थान पर फिर लौटा दिया जाएगा. अगर खेल चल रहा है तो गेंद के डेड होते ही ऐसा किया जाएगा.

19.4 गेंद का बाउंड्री के पार ज़मीनी सम्पर्क

19.4.1 प्ले में रही (ball in play) गेंद बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क में होगी यदि वह छूती है

- बाउंड्री को या किसी ऐसी वस्तु को जिसे बाउंड्री चिन्हित करने के लिए रखा गया है.
- बाउंड्री के बाहर ज़मीन को.
- किसी वस्तु (object) को जो बाउंड्री के बाहर हो.

19.4.2 प्ले में रही (ball in play) गेंद को बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क में माना जाएगा

- यदि बाउंड्री के बाहर जमीनी संपर्क में कोई क्षेत्ररक्षक गेंद को छू लेता है जैसा 19.5 में बताया गया है.
- बाउंड्री के अन्दर कैच पकड़ने के बाद कोई क्षेत्ररक्षक, कैच पूरा करने से पहले बाउंड्री के पार ज़मीन के संपर्क में आ जाए, जब गेंद के साथ उसका संपर्क बना हुआ हो.

19.5 क्षेत्ररक्षक का बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क

19.5.1 क्षेत्ररक्षक को बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क में माना जाएगा यदि उसके शरीर का कोई भाग (part of person), निम्न में से किसी को छू रहा हो

- बाउंड्री या बाउंड्री को चिन्हित करने वाली किसी वस्तु को.
- बाउंड्री के पार ज़मीन को.
- किसी ऐसी वस्तु को जो बाउंड्री के पार ज़मीन के संपर्क में हो.
- किसी अन्य क्षेत्ररक्षक को जो बाउंड्री के पार ज़मीन के संपर्क में हो. यदि अंपायर यह मानता है कि दोनों में से किसी क्षेत्ररक्षक का इरादा यह है कि इस संपर्क से गेंद को फील्ड करने में मदद मिलेगी.

19.5.2 क्षेत्ररक्षक जो ज़मीन के संपर्क में नहीं है, को बाउंड्री के बाहर ज़मीन के संपर्क में माना जाएगा यदि गेंदबाज द्वारा गेंद फेंके जाने के बाद और गेंद को पहली बार छूने से पहले उसी क्षेत्ररक्षक का ज़मीन से आखिरी संपर्क पूरी तरह से बाउंड्री के अन्दर न हुआ हो.

19.6 बाउंड्री के भत्ते (allowances)

19.6.1 टॉस के पूर्व अंपायर, दोनों कप्तानों के साथ बाउंड्री से मिलने वाले रनों पर सहमति हासिल करेंगे. यह तय करते समय अंपायर और कप्तान मैदान की प्रचलित परम्परा से मार्गदर्शित होंगे.

19.6.2 जब तक कि नियम 19.6.1 के अनुसार कुछ अलग सहमति न हुई, बाउंड्री 6 के लिए 6 रन और बाउंड्री 4 के लिए 4 रन मिलेंगे. 19.7 भी देखें.

19.7 बाउंड्री से बनने वाले रन

19.7.1 बाउंड्री 6 स्कोर होगी यदि और केवल यदि, गेंद बल्ले से लगने के बाद सीमा के अन्दर मैदान से संपर्क में आए बगैर, बाउंड्री के पार पहली बार ज़मीन को छुए. यह तब भी लागू होगा यदि गेंद ने पहले किसी क्षेत्ररक्षक को छुआ हो.

19.7.2 बाउंड्री 4 तब बनेगी जब गेंद बाउंड्री के बाहर, ज़मीन के संपर्क में आए और

- बल्ले से प्रहार किया गया हो या नहीं, गेंद का पहली बार ज़मीन से संपर्क बाउंड्री के अन्दर हुआ हो

या

- गेंद पर बल्ले से प्रहार नहीं हुआ हो

19.7.3 जब भी बाउंड्री स्कोर की जाएगी तब केवल नियम 19.8 की परिस्थितियों को छोड़कर बल्लेबाजी टीम को निम्न दोनों में से जो भी ज्यादा हो, रन मिलेंगे–

19.7.3.1 बाउंड्री का भत्ता (allowance)

19.7.3.2 बल्लेबाजों द्वारा पूरे किए गए और प्रगति में चल रहा रन यदि उस समय बल्लेबाजों ने क्रॉस कर लिया है, अगर ये रन बाउंड्री भत्ते से ज्यादा हो.

19.7.4 जब नियम 19.7.3.2 के रन बाउंड्री भत्ते से ज्यादा हो तो वे रन नियम 18.12.2 (अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर बल्लेबाज का लौटना) के प्रयोजन से बाउंड्री भत्ते का स्थान लेंगे.

19.7.5 दोनों में से किसी भी टीम को मिलने वाले पेनल्टी रन, बाउंड्री स्कोर होने से प्रभावित नहीं होंगे.

19.8 ओवरथ्रो या क्षेत्ररक्षक द्वारा स्वेच्छा से की गई करतूत

अगर क्षेत्ररक्षक द्वारा किए गए ओवरथ्रो या जानबूझकर की गई करतूत के कारण बाउंड्री बनती है, तो ये रन बनेंगे;

किसी भी टीम को मिलने वाली पेनल्टी

और बाउंड्री का भत्ता

और बल्लेबाज द्वारा पूरे किए गए रन, साथ ही प्रगति में चल रहा रन यदि थ्रो या करतूत के क्षण (instant) बल्लेबाजों ने क्रॉस कर लिया है.

नियम 18.12.2 (अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर बल्लेबाज का लौटना) थ्रो या करतूत के क्षण (instant) से लागू किया जाएगा.

नियम 20 – डेड बॉल (Dead Ball)

20.1 गेंद डेड (निश्चल) होगी

20.1.1 गेंद डेड (निश्चल) हो जाती है जब

20.1.1.1 वह विकेट–कीपर या गेंदबाज के हाथों में अंतिम रूप से स्थाई (finally settled) हो जाए.

20.1.1.2 जब बाउंड्री स्कोर की जाती है. देखें नियम 19.7 (बाउंड्री से बनने वाले रन).

20.1.1.3 बल्लेबाज विदा (dismiss) हो जाए. गेंद को उस क्षण से डेड माना जाएगा जब वह घटना घटी जो बल्लेबाज के आउट होने का कारण बनी.

20.1.1.4 भले ही वह खेली गई हो या नहीं, वह बल्लेबाज के बल्ले और शरीर के बीच फँस जाती है या उसके कपड़ों या उपकरण के अंशों (items) में फँस (trap) जाती है.

20.1.1.5 भले ही वह खेली गई हो या नहीं वह बल्लेबाज के कपड़ों या उपकरण में या अंपायर के कपड़ों में ठहर (lodge) जाती है.

20.1.1.6 नियम 24.4 (खिलाड़ी का बगैर इजाजत लौटना) या 28.2 (फील्डिंग द बॉल) के तहत कोई जुर्म (offence) हुआ हो जिसके फलस्वरूप पेनल्टी रन प्रदान किए गए हों. गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

20.1.1.7 नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) का उल्लंघन हुआ हो.

20.1.1.8 नियम 12.9 (मैच की समाप्ति) में दिये गए तरीकों में से किसी तरीके से मैच समाप्त हो गया हो.

20.1.2 गेंद को डेड माना जाएगा यदि गेंदबाजी छोर के अंपायर को यह स्पष्ट हो जाए कि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम और विकेट पर खेल रहे दोनों बल्लेबाज उसे प्ले में नहीं मान रहे.

20.2 गेंद का अंतिम रूप से स्थाई (settle) होना

गेंद अंतिम रूप से स्थाई हो गई या नहीं, का मामला केवल अंपायर ही अकेला तय करेगा.

20.3 ओवर या टाइम की पुकार

ओवर की पुकार (देखें नियम 17.4) या टाइम की पुकार (देखें नियम 12.2) तब तक नहीं होनी चाहिए जब तक गेंद 20.1 या 20.4 के अंतर्गत डेड न हो जाए.

20.4 अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत

20.4.1 जब 20.1 के अंतर्गत गेंद डेड हो जाती है तो गेंदबाजी छोर का अंपायर डेड बॉल की पुकार और संकेत दे सकता है यदि खिलाडियों को ऐसा बताना आवश्यक हो.

20.4.2 दोनों में से कोई भी अंपायर डेड बॉल की पुकार और संकेत देगा जब

20.4.2.1 उसे अनुचित खेल के मामले में हस्तक्षेप करना हो.

20.4.2.2 किसी ख़िलाड़ी या अंपायर को सम्भावित गंभीर चोट लगी हो.

20.4.2.3 वह परामर्श हेतु जाने के लिए अपना स्थान छोड़ रहा हो.

20.4.2.4 स्ट्राइकर छोर के विकेट के ऊपर की एक या दोनों बेल्स, स्ट्राइकर को गेंद खेलने का मौका मिलने के पहले ही गिर जाए.

20.4.2.5 स्ट्राइकर गेंद के लिए तैयार नहीं है और, यदि गेंद फेंकी जाती है तो उसे खेलने का कोई प्रयास नहीं करता बशर्ते अंपायर संतुष्ट है कि स्ट्राइकर के पास तैयार नहीं हो पाने का पर्याप्त कारण है. गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

20.4.2.6 गेंद खेलने के लिए तैयार होते समय या गेंद खेलते समय, किसी आवाज़ या हलचल की वजह से, स्ट्राइकर का ध्यान विचलित हो जाए. यह तब भी लागू होगा जब ध्यान विचलित होने का मूल कारण मैच के अन्दर से हो या बाहर से. 20.4.2.7 भी नोट करें. गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

20.4.2.7 नियम 41.4 (जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास), या 41.5 (जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना) के उल्लंघन की कोई घटना हुई हो. गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

20.4.2.8 गेंदबाज, गेंद फेंकने से पहले ही गेंद को गलती से गिरा दे.

20.4.2.9 नियम 41.16 (नॉन–स्ट्राइकर द्वारा अपना मैदान समय से पूर्व छोड़ना) के अंतर्गत गेंदबाज द्वारा नॉन–स्ट्राइकर को रन आउट करने के प्रयास के अलावा अगर किसी वजह से गेंदबाज के हाथ से गेंद न छूटी हो.

20.4.2.10 वह संतुष्ट है कि प्ले में रही गेंद बरामद नहीं की जा सकती.

20.4.2.11 किसी भी नियम – जो ऊपर सम्मिलित नहीं है, के अंतर्गत उसे ऐसा करना आवश्यक हो.

20.5 गेंद के डेड (निश्चल) होने की समाप्ति (ball ceases to be dead)

गेंद के डेड होने की समाप्ति, अर्थात गेंद का प्ले में आना तब होता है जब गेंदबाज अपना गेंदबाजी रन–अप शुरू करता/करती है. यदि उसका कोई रन–अप न हो तो जब वो अपना गेंदबाजी एक्शन शुरू करता/करती हो.

20.6 डेड बॉल; गेंद का ओवर में गिना जाना

20.6.1 जब कोई फेंकी हुई गेंद डेड घोषित की जाती है या डेड मान ली जाती है, तो 20.6.2 को छोड़कर

20.6.1.1 उसे ओवर में नहीं गिना जाएगा यदि स्ट्राइकर को उसे खेलने का मौका नहीं मिला हो.

20.6.1.2 उसे मान्य गेंद माना जाएगा यदि स्ट्राइकर को उसे खेलने का मौका मिला हो, जब तक कि उस गेंद को नो बॉल या वाइड बॉल घोषित न किया गया हो या 20.4.2.6 या नियम 24.4 (खिलाड़ी का बगैर इज़ाज़त लौटना), 28.2 (फील्डिंग द बॉल), 41.4 (जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास), या 41.5 (जानबूझकर बल्लेबाजों का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना) की परिस्थितियाँ लागू न हो.

20.6.2 20.4.2.5 में गेंद को ओवर में उसी स्थिति में नहीं गिना जाएगा यदि दोनों शर्तें – स्ट्राइकर द्वारा गेंद को नहीं खेलना और खेलने के लिए तैयार नहीं हो पाने का पर्याप्त कारण होना, संतुष्ट हो जाएँ. अन्यथा वह गेंद वैध गेंद मानी जाएगी.

नियम 21 – नो बॉल (No Ball)

21.1 गेंद फेंकने की शैली (Mode of Delivery)

21.1.1 अंपायर यह सुनिचित करेगा कि गेंदबाज दाएँ हाथ से गेंदबाजी करना चाहता है कि बाएँ हाथ से, ओवर द विकेट या राउंड द विकेट और वैसी ही सूचना स्ट्राइकर को देगा.

यह अनुचित माना जाएगा, अगर गेंदबाज अपनी शैली में बदलाव की सूचना अंपायर को न दे. ऐसी स्थिति में अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

21.1.2 अंडरआर्म गेंदबाजी की अनुमति नहीं होगी जब तक कि मैच के पूर्व इसके लिए विशेष सहमति नहीं हुई हो.

21.2 उचित गेंद – बाजू

बाजू के सन्दर्भ में गेंद उचित होने के लिए ज़रूरी है कि उसे 'थ्रो' न किया जाए.

गेंद को बाजू के सन्दर्भ में उचित ढंग से फेंका हुआ माना जाएगा यदि, एक बार जब गेंदबाज का गेंदबाजी करने वाला बाज़ू (bowling arm) गेंद फेंकने से ठीक पहले कंधे की ऊंचाई तक आ जाए, उसके बाद से और गेंद छूटने के पहले तक उसकी कोहनी का जोड़ आंशिक या पूर्ण रूप से सीधा नहीं होना चाहिए. इस परिभाषा में गेंदबाज को गेंद छोड़ते वक़्त अपना बाजू घुमाते हुए (delivery swing) कलाई को मोड़ने या घुमाने पर प्रतिबन्ध नहीं है.

A ball is fairly delivered in respect of the arm if, once the bowler's arm has reached the level of the shoulder in the delivery swing, the elbow joint is not straightened partially or completely from that instant until the ball has left the hand. This definition shall not debar a bowler from flexing or rotating the wrist in the delivery swing.

हालाँकि, बाज़ू के सन्दर्भ में गेंद के उचित होने का आकलन करने की मूल जिम्मेदारी स्ट्राइकर छोर के अंपायर की है लेकिन इस नियम में गेंदबाजी छोर के अंपायर द्वारा नो बॉल की पुकार लगाने और संकेत देने पर कोई रोक नहीं है यदि वह मानता/मानती है कि गेंद 'थ्रो' (throw) की गई है.

21.3 'थ्रो' की गई या अंडरआर्म फेंकी गई गेंद – अंपायर द्वारा कार्रवाई

21.3.1 गेंदबाज के अपने अंतिम कदम में आने के बाद, अगर किसी अंपायर के मतानुसार गेंद 'थ्रो' की गई है या 21.1.2 के तहत किसी समझौते के बगैर अंडरआर्म फेंकी गई है, तो वह नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और जैसे ही गेंद डेड होगी अपने साथी अंपायर को पुकार का कारण बताएगा.

गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- गेंदबाज को चेतावनी देगा और यह बताएगा कि यह पहली और अंतिम चेतावनी है. यह चेतावनी उस गेंदबाज के लिए पूरी पारी में लागू रहेगी.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- विकेट पर खेल रहे बल्लेबाजों को बताएगा कि क्या हुआ है.

21.3.2 यदि कोई भी अंपायर मानता है कि उसी पारी में उसी गेंदबाज द्वारा कोई और गेंद 'थ्रो' की गई या 21.1.2 के तहत किसी समझौते के बगैर अंडरआर्म फेंकी गई है, तो वह नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और जैसे ही गेंद डेड होगी अपने साथी अंपायर को अपनी पुकार का कारण बताएगा.

गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को यह निर्देश देगा कि उस गेंदबाज को तुरंत गेंदबाजी से निलंबित करे. अगर ज़रूरी हुआ तो वह ओवर किसी अन्य गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही अगला ओवर या उसका कोई अंश डाल सकेगा. इस प्रकार निलंबित किया गया गेंदबाज उस पारी में फिर गेंदबाजी नहीं करेगा.
- विकेट पर खेल रहे बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

21.3.3 दोनों अंपायर मिलकर, मैच समाप्त होने के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

21.4 गेंदबाज द्वारा गेंद फेंकने से पहले स्ट्राइकर की ओर 'थ्रो' करना

अगर गेंदबाज अपने गेंदबाजी की अंतिम छलांग (delivery stride) में पहुँचने से पहले स्ट्राइकर की ओर 'थ्रो' करता है तो कोई भी अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. देखें नियम 41.17 (बल्लेबाजों द्वारा रन चुराना). लेकिन 21.3 के अंतर्गत पहली और अंतिम चेतावनी, सूचना देना, गेंदबाज़ के विरुद्ध कार्रवाई और रिपोर्ट करने की प्रक्रिया लागू नहीं होगी.

21.5 उचित गेंदबाजी – पैर (Feet)

गेंद को पैर के मामले में उचित होने के लिए, अंतिम छलांग (delivery stride) में

21.5.1 गेंदबाज का पिछला पैर (back foot) उसकी घोषित गेंदबाजी शैली से संबंधित रिटर्न क्रीज़ के पूरी तरह से अन्दर गिरना चाहिए न कि उसे छूना चाहिए.

21.5.2 गेंदबाज का अगला पैर (front foot) जब ज़मीन पर गिरे (land) तो उसके उस पैर का कुछ हिस्सा भले ही हवा में या ज़मीन पर

- दोनों मिडिल स्टंप को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के उसी ओर होना चाहिए जैसा 21.5.1 में रिटर्न क्रीज़ के लिए बताया गया है.
- पॉपिंग क्रीज़ के पीछे होना चाहिये.

अगर गेंदबाजी छोर का अंपायर संतुष्ट नहीं है कि तीनों शर्तों की पूर्ति हुई है तो वह नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. देखें नियम 41.8 (जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकना).

21.6 गेंद फेंकते वक्त गेंदबाज द्वारा विकेट गिराना

यदि गेंद फेंकी गई है और नॉन–स्ट्राइकर नियम 41.16 (नॉन–स्ट्राइकर द्वारा अपना मैदान समय से पूर्व छोड़ना) के अंतर्गत विदा (dismiss) न हुआ हो तो दोनों में से कोई भी अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा, अगर गेंदबाज गेंद के प्ले में आने के बाद और अंतिम छलांग के बाद का कदम (stride after the delivery stride) गिरने से पहले विकेट को गिरा दे. यह तब भी लागू होगा जब कोई कपड़ा या वस्तु उसके शरीर से गिरे और विकेट को गिरा दे. देखें परिशिष्ट A.12. नियम 20.4.2.8, 20.4.2.9 (अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत) और 21.12 लागू होंगे.

21.7 गेंद का एक से ज्यादा बार टप्पा खाना, ज़मीन पर लुढ़कना या पिच के बाहर गिरना.

अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा यदि वह मानता/मानती हो कि गेंद जो फेंकी (delivered) गई है, स्ट्राइकर के शरीर या बल्ले को छुए बगैर,

- पॉपिंग क्रीज़ तक पहुँचने से पहले एक से ज्यादा बार टप्पा खाती है या ज़मीन पर लुढ़कती है.

या

- स्ट्राइकर के विकेट की लाइन में आने से पहले नियम 6.1 (पिच का क्षेत्र) में परिभाषित पिच से पूरी तरह या आंशिक रूप से बाहर गिरती है. जब घास रहित (non-turf) पिच का प्रयोग हो तो कृत्रिम सतह के बाहर गिरने वाली किसी भी गेंद पर यह लागू होगा.

21.8 स्ट्राइकर के विकेट के सामने आकर गेंद का स्थिर होना

यदि कोई फेंकी हुई गेंद, स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर को छुए बगैर, स्ट्राइकर के विकेट की लाइन में पहुँचने से पहले ही स्थिर (comes to rest) हो जाती है तो अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और तुरंत बाद डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

21.9 क्षेत्ररक्षक द्वारा गेंद को बीच में ही रोक देना

केवल नियम 27.3 (विकेट–कीपर का स्थान) की परिस्थितियों को छोडकर यदि कोई फेंकी हुई गेंद, स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर से संपर्क से पहले या स्ट्राइकर के विकेट के पार जाने से पहले ही, किसी क्षेत्ररक्षक के संपर्क में आती है तो अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और तुरन्त बाद डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

21.10 गेंद का स्ट्राइकर के सिर की ऊंचाई से ऊपर उछाल लेना

कोई गेंद यदि पिच होने के बाद, पॉपिंग क्रीज़ पर सीधे खड़े हुए (standing upright) स्ट्राइकर के सिर की ऊंचाई से ऊपर निकल जाए या निकल जाती, तो अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

21.11 अन्य नियमों के उल्लंघन के लिए नो बॉल की पुकार लगाना

ऊपर दिये गए अवसरों के अलावा निम्न नियमों के अंतर्गत भी नो बॉल की पुकार लगाने और संकेत देने की आवश्यकता है.

नियम 27.3 – विकेट–कीपर का स्थान

नियम 28.4 – ऑन साइड क्षेत्ररक्षकों की संख्या की सीमितता

नियम 28.5 – क्षेत्ररक्षकों द्वारा पिच पर अतिक्रमण नहीं करना

नियम 41.6 – खतरनाक और अनुचित शॉर्ट पिच गेंदें फेंकना

नियम 41.7 – खतरनाक और अनुचित पिच न होने वाली गेंदें फेंकना

नियम 41.8 – जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकना

21.12 नो बॉल की पुकार को वापिस लेना (revoke)

अंपायर अपने द्वारा दी गई नो बॉल की पुकार को वापिस लेगा यदि नियम 20.4.2.4, 20.4.2.5, 20.4.2.6, 20.4.2.8, या 20.4.2.9 (अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत) के अंतर्गत डेड बॉल पुकारी गई हो.

21.13 नो बॉल का वाइड से पहले गिना जाना (over-ride)

किसी भी समय नो बॉल की पुकार, वाइड बॉल की पुकार से पहले गिनी जाएगी. देखें नियम 22.1 (वाइड को परखना) और 22.2 (वाइड बॉल की पुकार और संकेत).

21.14 गेंद का डेड नहीं होना

नो बॉल की पुकार से गेंद डेड नहीं होती.

21.15 नो बॉल के लिए पेनल्टी

नो बॉल की पुकार के क्षण ही एक रन की पेनल्टी प्रदान की जाएगी. जब तक कि इस पुकार को वापस न लिया गया हो, यह पेनल्टी बल्लेबाज के विदा (dismiss) होने के बाद भी बनी रहेगी. यह पेनल्टी किसी भी तरह स्कोर किए गए अन्य रन, बाउंड्री भत्ते, और पेनल्टी के लिए प्रदान किए गए रनों के अलावा होगी.

21.16 नो बॉल के फलस्वरूप बने रन – कैसे स्कोर होंगे

एक रन की पेनल्टी नो बॉल एक्सट्रा के रूप में जुड़ेगी और गेंदबाज के नामे की जाएगी. अगर दोनों में से किसी भी टीम को कोई अन्य पेनल्टी प्रदान किए गए हों तो वे नियम 41.18 (पेनल्टी रन) के अनुसार स्कोर होंगे. अगर गेंद पर स्ट्राइकर के बल्ले से प्रहार किया गया हो तो बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए रन या कोई बाउंड्री भत्ता, स्ट्राइकर के खाते में जुड़ेगा अन्यथा बने रन बाय या लेग बाय, जैसा भी उचित हो, के रूप में स्कोर किए जाएँगे.

21.17 नो बॉल का नहीं गिना जाना

किसी नो बॉल को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा. देखें नियम 17.3 (गेंदों की वैधता)

21.18 नो बॉल पर आउट होना

जब नो बॉल पुकारी गई हो, दोनों में से कोई भी बल्लेबाज नियम 34 (हिट द बॉल ट्वाइस), 37 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड) या 38 (रन आउट) के अलावा किसी भी नियम के अंतर्गत आउट नहीं हो सकता.

नियम 22 – वाइड बॉल (Wide Ball)

22.1 वाइड को परखना

22.1.1 अगर कोई गेंदबाज ऐसी गेंद फेंकता है जो नो बॉल न हो, अंपायर उसे वाइड घोषित करेगा, यदि 22.1.2 की परिभाषा के अनुसार गेंद स्ट्राइकर जहाँ खड़ा है उससे दूर से निकल जाए और अगर स्ट्राइकर अपने सामान्य गार्ड की स्थिति में खड़ा होता, तो भी उससे दूर से निकल जाती.

22.1.2 गेंद को स्ट्राइकर के दूर से निकलता हुआ माना जाएगा यदि गेंद उसकी पहुँच से इतनी करीब न हो कि वह उस पर अपने बल्ले से एक सामान्य क्रिकेटीय स्ट्रोक खेल सके.

22.2 वाइड बॉल की पुकार और संकेत

अगर अंपायर किसी गेंद को वाइड घोषित करने का निर्णय लेता है तो वह गेंद के स्ट्राइकर के विकेट के पार होते ही वाइड की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. लेकिन गेंद को वाइड तब से माना जाएगा जब गेंदबाज ने गेंद फेंकने के लिए अपने अंतिम कदम (delivery stride) में प्रवेश किया हो भले ही उस गेंद पर वाइड की पुकार तब तक नहीं लगाई जा सकती जब तक गेंद स्ट्राइकर के विकेट को पार न हो जाए.

22.3 वाइड बॉल की पुकार को वापिस लेना (revoke)

22.3.1 अंपायर वाइड बॉल की पुकार को वापिस लेगा यदि किसी क्षेत्ररक्षक के संपर्क में आने से पहले, गेंद का स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर से संपर्क हो जाए.

22.3.2 अंपायर वाइड बॉल की पुकार को वापिस लेगा यदि गेंद नो बॉल है. देखें नियम 21.13 (नो बॉल का वाइड से पहले गिना जाना (over-ride)).

22.4 गेंद का वाइड न होना

22.4.1 अंपायर किसी गेंद को वाइड घोषित करने का निर्णय नहीं लेगा यदि स्ट्राइकर अपनी हलचल से,

या तो गेंद के अपने से दूर से निकलने, जैसा 22.1.2 में परिभाषित किया गया है, का कारण बनता है.

या अपने आप को गेंद के इतने करीब लेकर आता है कि वह उस पर एक सामान्य क्रिकेटीय स्ट्रोक खेल सके.

22.4.2 अंपायर किसी गेंद को वाइड घोषित नहीं करेगा अगर गेंद स्ट्राइकर के पार निकलते वक्त ही उसके बल्ले या शरीर को लगती है.

22.5 गेंद का डेड नहीं होना

वाइड बॉल की पुकार से गेंद डेड नहीं होती.

22.6 वाइड की पेनल्टी

वाइड बॉल के पुकार के क्षण से ही एक रन की पेनल्टी प्रदान की जाएगी. जब तक कि इस पुकार को वापस न लिया गया हो, देखें 22.3, यह पेनल्टी बल्लेबाज के विदा (dismiss) होने के बाद भी बनी रहेगी. यह पेनल्टी किसी भी तरह स्कोर किए गए अन्य रन, बाउंड्री भत्ते, और पेनल्टी के लिए प्रदान किए गए रनों के अलावा होगी.

22.7 वाइड के फलस्वरूप बने रन – कैसे स्कोर होंगे

बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए सभी रन या कोई बाउंड्री भत्ता, और वाइड की पेनल्टी, वाइड बॉल के रूप में स्कोर होंगे. 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाने के अवसर के अलावा वाइड के फलस्वरूप बने सभी रन गेंदबाज के खाते में नामे होंगे.

22.8 वाइड का नहीं गिना जाना

वाइड गेंद को ओवर की एक गेंद में नहीं गिना जाएगा. देखें नियम 17.3 (गेंदों की वैधता)

22.9 वाइड पर आउट होना

जब वाइड बॉल पुकारी गई हो, दोनों में से कोई भी बल्लेबाज नियम 35 (हिट विकेट), 37 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड), 38 (रन आउट) या 39 (स्टंप्ड) के अलावा किसी भी नियम के अंतर्गत आउट नहीं हो सकता.

नियम 23 – बाय और लेग बाय (Bye and Leg bye)

23.1 बाईज़

गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद यदि वाइड न हो, स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर को छुए बगैर निकल जाए तो उस गेंद पर बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए सभी रन या बाउंड्री भत्ता, बल्लेबाजी कर रही टीम को बाईज़ के रूप मिलेंगे. इसके अलावा यदि गेंद नो बॉल है तो ऐसी गेंद की एक रन की पेनल्टी भी जुड़ेगी.

23.2 लेग बाईज़

23.2.1 यदि गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद पहले स्ट्राइकर के शरीर को छूती है, रन उसी स्थिति में बनेंगे जब अंपायर संतुष्ट हो कि स्ट्राइकर ने

या तो गेंद को बल्ले से खेलने का प्रयास किया है

या फिर अपने आप को गेंद की चोट से बचाने का प्रयास किया है

23.2.2 यदि अंपायर संतुष्ट है कि दोनों में से कोई एक शर्त पूर्ण हुई है तो बने हुए रन ऐसे स्कोर किए जाएँगे

23.2.2.1 अगर

या इसके बाद गेंद का स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर से संपर्क न हुआ हो

या गेंद का स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर से केवल अनजाने में (inadvertent) संपर्क हुआ हो

बल्लेबाज द्वारा पूर्ण किए गए कोई भी रन या बाउंड्री भत्ता स्ट्राइकर के खाते में जाएँगे यदि गेंद का बाद में बल्ले से संपर्क हुआ हो अन्यथा ये रन बल्लेबाजी कर रही टीम को मिलेंगे जैसा 23.2.3 में है.

23.2.2.2 यदि स्ट्राइकर जानबूझकर वैधानिक दूसरा प्रहार करता है तो नियम 34.3 (गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना) और 34.4 (वैधानिक तरीके से एक से ज्यादा बार खेली गई गेंद पर स्वीकृत रन) लागू होंगे.

23.2.3 23.2.2.1 में बने रन यदि स्ट्राइकर के खाते में न जाएँ, तो लेग बाईज़ के रूप में स्कोर किए जाएँगे.

इसके अतिरिक्त, अगर वह गेंद नो बॉल है, तो नो बॉल की एक रन की पेनल्टी भी जुड़ेगी.

23.3 लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना

23.2.1 की परिस्थितियों में अंपायर यह मानता है कि उसमें दी गई कोई भी शर्त पूर्ण नहीं हुई है तो लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाएँगी.

अगर गेंद किसी अन्य कारण से डेड नहीं होती है, तो जैसे ही गेंद बाउंड्री पर पहुँचें, या पहले रन के पूरा होने पर, अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

अंपायर इसके बाद

- बल्लेबाजी टीम के सारे रन अस्वीकार करेगा;
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा;
- स्कोरर्स को नो बॉल का संकेत देगा, यदि आवश्यक हुआ तो;
- किसी भी तरह की 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा, केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.

नियम 24 – क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति; स्थानापन्न
Fielder's Absence; Substitutes

24.1 स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक

24.1.1 अंपायर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक की इजाजत देंगे

24.1.1.1 अगर वे संतुष्ट हो गए हों कि क्षेत्ररक्षक चोटिल हुआ है या बीमार हुआ है और ऐसा मैच के दौरान हुआ है या

24.1.1.2 किसी अन्य पूर्णतः स्वीकार योग्य कारण से.

किसी भी अन्य परिस्थिति में स्थानापन्न नहीं दिया जाएगा.

24.1.2 स्थानापन्न खिलाड़ी, गेंदबाजी नहीं कर पाएगा और न ही कप्तान की भूमिका निभा पाएगा लेकिन अंपायर की सहमति से विकेट–कीपर की भूमिका निभा सकता है. लेकिन 42.7.1 (लेवल 3 और लेवल 4 उल्लंघन से संबंधित अतिरिक्त बिन्दु) नोट करें.

24.1.3 नामित खिलाड़ी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कर पाएगा, भले ही किसी स्थानापन्न खिलाड़ी ने पूर्व में उसकी जगह भूमिका निभाई हो. 24.2, 24.3 और नियम 42.4 (लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई) की संतुष्टि पर.

24.2 क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति या मैदान छोड़ना

24.2.1 कोई खिलाड़ी अगर क्षेत्ररक्षक के रूप में अपना कर्तव्य निभाने के लिए कुछ क्षणों के लिए बाहर जाता है तो उसे मैदान से अनुपस्थिति नहीं माना जाएगा और न ही इस नियम के उद्देश्य से उसे मैदान को छोड़कर जाने वाला माना जाएगा.

24.2.2 यदि कोई क्षेत्ररक्षक खेल के शुरू में या कभी भी बाद में, मैदान पर नहीं आता या खेल के दौरान मैदान को छोड़ के जाता है.

24.2.2.1 किसी अंपायर को अनुपस्थिति के कारण की सूचना दी जाएगी.

24.2.2.2 वह खिलाड़ी इसके बाद खेल के किसी भी सत्र में अंपायर की सहमति के बगैर मैदान में नहीं आएगा. देखें 24.4. अंपायर ऐसी सहमति जितने जल्दी संभव हो सके देगा.

24.2.2.3 इस खिलाड़ी को गेंदबाजी करने के इजाजत तब तक नहीं होगी जब तक वह मैदान में उतने समय न रहे, जितने समय को 24.2.3 से 24.2.7 और 24.3 में पेनल्टी टाइम के रूप में वर्णित किया गया है.

24.2.3 किसी खिलाड़ी का असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम अधिकतम 90 मिनिट तक सीमित रहेगा.

24.2.4 कोई खिलाड़ी अपना पेनल्टी टाइम पूरा किए बगैर मैदान छोड़ के जाता है तो बचा हुआ समय, असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम के रूप में आगे ले जाया (carried forward) जाता है.

24.2.5 खिलाड़ी तब तक गेंदबाजी नहीं कर पाएगा जब तक कि उसका पूर्ण पेनल्टी टाइम खत्म न हो जाए. अनुपस्थिति के किसी भी अवसर पर खिलाड़ी जितने खेल के समय (playing time) मैदान से बाहर रहा, उतना समय उसके असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम में जुड़ जाएगा. 24.2.3 की शर्तों पर.

24.2.6 अगर खेल में कोई अघोषित व्यवधान होता है, तो ऐसे व्यवधान के समय को असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम में से कम किया जाएगा यदि,

24.2.6.1 क्षेत्ररक्षक, जो व्यवधान के शुरू होने के समय मैदान पर था, या तो व्यवधान के खत्म होते ही खेल के शुरू होने के समय मैदान में लौट आए या फिर उसकी टीम अब बल्लेबाजी कर रही हो.

24.2.6.2 क्षेत्ररक्षक जो व्यवधान के शुरू होने के समय मैदान से बाहर ही था स्वयं किसी अंपायर के समक्ष उपस्थित होकर बताए कि वह अब मैदान में जाने के योग्य है और व्यवधान के खत्म होते ही खेल के शुरू होने के समय मैदान में लौट आए या फिर अब उसकी टीम बल्लेबाजी कर रही हो. अंपायर को सूचित करने के पूर्व के व्यवधान के समय को असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम में से कम नहीं किया जाएगा.

24.2.7 किसी भी असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम का शेष, अगले दिन या दिनों या अगली पारी में, जैसे भी लागू हो, ले जाया जाएगा.

24.2.8 अगर क्षेत्ररक्षक द्वारा नियम 42.4 (लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई) के अंतर्गत लेवल 3 उल्लंघन किया जाता है तो उसके निलंबन की वजह से मैदान के बाहर बिताया गया समय उसके पेनल्टी टाइम के रूप में नहीं जोड़ा जाएगा अगर वो निलंबन समाप्ति के तुरंत बाद मैदान में लौट आता है.

24.2.9 अगर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक द्वारा नियम 42.4 (लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई) के अंतर्गत लेवल 3 उल्लंघन किया गया है तो निम्न लागू होगा

24.2.9.1 निलंबन के फलस्वरूप मैदान से बाहर बिताया गया समय पेनल्टी टाइम में नहीं जोड़ा जाएगा यदि निलंबन का समय खत्म होते ही नामित खिलाड़ी मैदान में लौट आए. लेकिन स्थानापन्न के निलंबन से पूर्व उसके द्वारा मैदान में बिताया गया समय नामित खिलाड़ी के असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम के रूप में बना रहेगा. 24.2.3 की शर्त पर

24.2.9.2 अगर नामित खिलाड़ी, स्थानापन्न के निलंबन का समय समाप्त होते ही मैदान में नहीं आता तो अनुपस्थिति का सारा समय पेनल्टी टाइम के रूप में जुड़ेगा. यह समय अधिकतम 90 मिनिट होगा.

24.3 पेनल्टी टाइम का न जुड़ना

नामित खिलाड़ी की अनुपस्थिति में पेनल्टी टाइम नहीं जुड़ेगा यदि,

24.3.1 उसे मैच के दौरान कोई बाहरी चोट लगी है जिसके परिणामस्वरूप वह न्यायसंगत रूप से मैदान छोड़ के गया हो या मैदान पर न आया हो.

24.3.2 अंपायरों के मतानुसार, वह खिलाड़ी पूरी तरह से स्वीकार योग्य कारणों से अनुपस्थित रहा है या मैदान छोड़ के गया है. इन कारणों में बीमारी या आंतरिक चोट शामिल नहीं रहेंगे.

24.4 खिलाड़ी का बगैर इजाजत लौटना

यदि खिलाड़ी 24.2.2 का उल्लंघन करते हुए मैदान में आ जाता है और प्ले में रही गेंद के संपर्क में आ जाता है तो गेंद तुरंत डेड हो जाएगी.

- अंपायर बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए रन और प्रगति में चल रहा रन यदि बल्लेबाजों ने उल्लंघन के क्षण (instant) क्रॉस कर लिया हो, स्कोर किए जाएँगे.
- गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.
- अंपायर अपने साथी अंपायर, क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को, बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- दोनों अंपायर मिलकर, मैच समाप्ति के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

नियम 25 – बल्लेबाज की पारी; रनर्स
(Batsman's Innings; Runners)

25.1 बल्लेबाज या रनर के रूप में भूमिका निभाने के लिए पात्रता

केवल एक नामित खिलाड़ी ही बल्लेबाजी करने के लिए या रनर की भूमिका निभाने के लिए पात्र होगा. वह ऐसा तब भी कर पाएगा – 25.3 और 25.5.2 की शर्तों पर, यदि किसी स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक ने उसके लिए पूर्व में भूमिका निभाई हो.

25.2 बल्लेबाज की पारी का शुरू होना

शुरुआती दो बल्लेबाजों की, और टाइम की पुकार के बाद खेल के पुनरारंभ (resumption) के समय किसी नए बल्लेबाज की पारी प्ले की पुकार से शुरू मानी जाएगी. किसी भी अन्य समय, बल्लेबाज की पारी तब से शुरू मानी जाएगी जब वह बल्लेबाज पहली बार खेल के मैदान में कदम रखे.

25.3 बल्लेबाज द्वारा पारी शुरू करने पर बंधन (restriction)

25.3.1 अगर बल्लेबाजी कर रही टीम के किसी सदस्य का कोई असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम बचा है, देखें नियम 24.2.7 (क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति या मैदान छोड़ना), तो वह खिलाड़ी तब तक बल्लेबाजी नहीं कर पाएगा या रनर की भूमिका नहीं निभा पाएगा जब तक कि उसका पेनल्टी टाइम खत्म न हो जाए. लेकिन अगर उसका पेनल्टी टाइम खत्म नहीं होता तो उसके टीम के पाँच विकेट गिरने के बाद वह बल्लेबाजी कर सकता है.

25.3.2 बल्लेबाजी कर रही टीम के खिलाड़ी का पेनल्टी टाइम खेल के समय (playing time) में खत्म होता रहता है – 25.3.2.1 और 25.3.2.2 की शर्तों पर

25.3.2.1 नियम 42.4 (लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई) के अंतर्गत लेवल 3 उल्लंघन के तहत निलंबन का समय, पेनल्टी टाइम में से कम नहीं होगा.

25.3.2.2 किसी अघोषित व्यवधान में, बल्लेबाज अगर स्वयं किसी अंपायर के समक्ष उपस्थित होकर बताए कि वह अब भाग लेने के योग्य है, तो उसके बाद का व्यवधान का समय, उसके पेनल्टी टाइम में से कम होता रहेगा.

25.3.3 अगर टीम की पारी समाप्त होने पर भी कोई पेनल्टी टाइम बचता है तो उसे, जैसे भी उचित होगा, अगली और बाद की पारियों में ले जाया जाएगा.

25.4 बल्लेबाज का रिटायर होना

25.4.1 बल्लेबाज अपनी पारी के दौरान, जब गेंद डेड हो, कभी भी रिटायर हो सकता है. अंपायरों को, उनके द्वारा खेल जारी रखने की अनुमति देने से पूर्व, बल्लेबाज के रिटायर होने का कारण बताया जाएगा.

25.4.2 यदि बल्लेबाज बीमारी, चोट, या किसी अन्य अपरिहार्य कारण की वजह से रिटायर होता है तो उसे अपनी पारी फिर से जारी रखने का अधिकार होगा. किसी वजह से ऐसा नहीं हुआ तो बल्लेबाज को 'रिटायर – नॉट आउट' के रूप में दर्ज किया जाएगा.

25.4.3 अगर बल्लेबाज 25.4.2 में दिये गए कारणों के अलावा किसी अन्य कारण से रिटायर होता है तो उसकी पारी केवल विपक्षी टीम के कप्तान की सहमति से ही फिर से जारी रह सकती है. किसी वजह से उसकी पारी फिर से जारी नहीं हो सकी तो बल्लेबाज को 'रिटायर आउट' के रूप में दर्ज किया जाएगा

25.4.4 अगर रिटायर होने के बाद बल्लेबाज अपनी पारी फिर से जारी रखना चाहता है, तो 25.4.2 और 25.4.3 की आवश्यकताओं की शर्तों पर, ऐसा केवल किसी विकेट के गिरने या किसी अन्य बल्लेबाज के रिटायर होने पर ही हो सकता है.

25.5 रनर्स

25.5.1 अंपायर, किसी बल्लेबाज के लिए रनर देंगे यदि वे संतुष्ट हैं

25.5.1.1 बल्लेबाज को ऐसी कोई चोट लगी है जिसकी वजह से उसकी दौड़ने की क्षमता प्रभावित हुई है.

25.5.1.2 ऐसा मैच के दौरान हुआ है.

किसी भी अन्य परिस्थिति में रनर नहीं दिया जाएगा.

25.5.2 रनर

25.5.2.1 बल्लेबाजी कर रही टीम का सदस्य होगा.

25.5.2.2 यदि संभव हुआ, तो पारी में पहले बल्लेबाजी कर चुका हो. जब यह संभव न हो, तो जब भी परिस्थितियों के बदलने से ऐसा संभव हो कि विदा (dismissed) हुआ बल्लेबाज अब रनर की भूमिका निभा पाए तो रनर को तुरंत बदला जाएगा.

25.5.2.3 को केवल अंपायर की सहमति से ही बदला जा सकता है.

25.5.2.4 को वही बाहरी सुरक्षा उपकरण पहनने होंगे जो उस बल्लेबाज ने पहने हों जिसके स्थान पर वह दौड़ रहा/रही है और अपने साथ बल्ला भी रखना होगा.

25.5.2.5 का किसी भी प्रकार का असेवित (unserved) पेनल्टी टाइम नहीं बचा हो, जैसा नियम 24.2.7 (क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति या मैदान छोड़ना) में बताया गया है.

25.5.3 बल्लेबाज के रनर पर भी नियम लागू होंगे और उसे बल्लेबाज ही माना जाएगा जब तक कि रनर के तौर पर उसकी भूमिका के लिए कोई विशेष प्रावधान न हो. देखें नियम 30.2 (बल्लेबाज का मैदान (ground) कौन सा है)

25.6 बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)

25.6.1 बल्लेबाज जिसके साथ रनर है, को रनर द्वारा नियमों के उल्लंघन का दण्ड भुगतना होगा, जैसे कि वह स्वयं ही उल्लंघन के लिए जिम्मेदार हो. विशेष रूप से वह आउट होगा/होगी, यदि रनर नियम 37 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड) या 38 (रन आउट) के अंतर्गत आउट हो जाए.

25.6.2 बल्लेबाज जिसके साथ रनर है, जब स्ट्राइकर हो, स्वयं नियमों के अधीन होगा/होगी, और उनके उल्लंघन के दण्ड उसे भुगतना होंगे. लेकिन रन आउट और स्टंप्ड के मामले में कुछ विशेष प्रावधान, जो 25.6.3, 25.6.4, और 25.6.5 में उल्लेखित है, उस पर रनर के साथ खेल रहे स्ट्राइकर के रूप में लागू होंगें.

25.6.3 बल्लेबाज जिसके साथ रनर है, जब स्ट्राइकर हो, उसका मैदान (ground) हमेशा विकेट–कीपर छोर पर होगा.

25.6.4 अगर स्ट्राइकर जिसके साथ रनर है, अपने मैदान (ground) में है, और जब उसके छोर का विकेट उचित तरीके से गिराया गया हो, उसका रनर, विकेट–कीपर छोर पर अपने मैदान (ground) से बाहर है तो नियम 38 (रन आउट) की शर्तें लागू होंगी.

25.6.5 अगर स्ट्राइकर जिसके साथ रनर है, अपने स्वयं के मैदान (ground) से बाहर है और विकेट–कीपर छोर का विकेट उचित तरीके से गिराया जाता है तो स्ट्राइकर नियम 38 (रन आउट) या 39 (स्टंप्ड) के अंतर्गत आउट होने का उत्तरदायी होगा. अगर रनर भी विकेट–कीपर छोर पर अपने मैदान (ground) से बाहर है तो केवल नियम 38 (रन आउट) लागू हो सकता है.

25.6.6 अगर स्ट्राइकर जिसके साथ रनर है, विदा (dismiss) होता है जैसा 25.6.5 में बताया गया है, अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम को मिलने वाले सभी रन अस्वीकार करेगा.
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.
- कोई भी 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा.

25.6.7 जब बल्लेबाज जिसके साथ रनर है, स्ट्राइकर नहीं है तो वह

25.6.7.1 नियम 37 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड) के अधीन रहता है, लेकिन अन्यथा मैच से बाहर रहेगा/रहेगी.

25.6.7.2 स्ट्राइकर छोर के अंपायर द्वारा बताए गए स्थान पर खड़ा होगा ताकि वह खेल में कोई हस्तक्षेप न कर सके.

25.6.7.3 भले ही 25.6.7.1 में बताए अनुसार मैच से बाहर रहे, लेकिन अगर अनुचित खेल की कोई करतूत करता है तो वह नियम द्वारा तय किसी भी पेनल्टी के लिए उत्तरदायी रहेगा/रहेगी.

25.7 स्ट्राइकर के रनर पर बंधन (restriction)

25.7.1 एक बार जब गेंद प्ले में आ जाती है, घायल बल्लेबाज जो स्ट्राइकर है, का रनर अपने शरीर के किसी हिस्से या अपने बल्ले को जमीन पर पॉपिंग क्रीज़ के पीछे रखेगा – जब तक गेंद स्ट्राइकर तक नहीं पहुँच जाती या पॉपिंग क्रीज़ के पार नहीं हो जाती, जो भी पहले हो जाए.

25.7.2 यदि स्ट्राइकर के छोर का अंपायर यह मानता है कि घायल बल्लेबाज के रनर ने इस बंधन का उल्लंघन किया है तो यदि गेंद अन्य किसी कारण से डेड नहीं होती तो वह गेंद के बाउंड्री पर पहुँचते ही या एक रन के पूरे होते ही डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. लेकिन वह डेड बॉल की पुकार किसी कैच के पूरे होने का मौका देने के लिए विलंबित कर सकता है.

गेंदबाजी छोर का अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम को मिलने वाले सभी रन अस्वीकार करेगा.
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.
- कोई भी 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा. केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) की पेनल्टी को छोड़कर.

नियम 26 – मैदान पर अभ्यास (Practice on the field)

26.1 पिच पर या स्क्वेयर के शेष हिस्से पर अभ्यास

26.1.1 मैच के किसी भी दिन, किसी भी समय, पिच पर कोई अभ्यास नहीं होगा.

26.1.2 स्क्वेयर के शेष हिस्से में, मैच के किसी भी दिन, किसी भी समय, अंपायरों की सहमति के बगैर कोई अभ्यास नहीं होगा.

26.2 आउटफील्ड पर अभ्यास

26.2.1 मैच के किसी भी दिन, आउटफील्ड पर सभी प्रकार के अभ्यास की इजाज़त होगी

- खेल के शुरू होने के पूर्व
- खेल समाप्ति के बाद
- भोजन और चाय के अंतराल में या पारियों के बीच में

बशर्ते अंपायर संतुष्ट हों कि ऐसे अभ्यास से आउटफील्ड के हालात में कोई बड़ा बिगड़ाव नहीं होगा.

26.2.2 प्ले की पुकार और टाइम की पुकार के बीच, आउटफील्ड पर अभ्यास की इजाजत होगी, अगर निम्न सभी शर्तें पूरी हों:

- परिशिष्ट A.7 में परिभाषित क्षेत्ररक्षक ही ऐसे अभ्यास में भाग ले रहें हों.
- अभ्यास के लिए मैच में इस्तेमाल में लाई जा रही गेंद के अलावा किसी गेंद का प्रयोग न हो रहा हो.
- स्क्वेयर और बाउंड्री के बीच मैच पिच के समानान्तर क्षेत्र में किसी तरह का गेंदबाजी का अभ्यास न हो रहा हो.
- अंपायर इस बात से संतुष्ट हों कि इससे नियम 41.3 (मैच बॉल – उसकी दशा (condition) बदलना) या नियम 41.9 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा समय की बर्बादी) की अवहेलना नहीं होगी.

26.3 ट्रायल रन–अप

किसी गेंदबाज को अभ्यास (ट्रायल) के लिए रन–अप लेने की इजाज़त होगी अगर अंपायर संतुष्ट है कि इससे नियम 41.9 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा समय की बर्बादी) या 41.12 (क्षेत्ररक्षक द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना) की अवहेलना नहीं होगी.

26.4 अवहेलना की सज़ा (Penalties)

सभी तरह के अभ्यास, नियम 41.3 (मैच बॉल – उसकी दशा (condition) बदलना) 41.9 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा समय की बर्बादी) या 41.12 (क्षेत्ररक्षक द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना) के प्रावधानों के अधीन आते हैं.

26.4.1 अगर 26.1 या 26.2 के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन होता है तो अंपायर

- खिलाड़ी को चेतावनी देगा कि इस तरह के अभ्यास की इजाज़त नहीं है.
- अपने साथी अंपायर और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो दोनों कप्तानों को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

26.4.1.1 अगर उल्लंघन विकेट पर मौजूद बल्लेबाज का है, तो अंपायर उसके साथी बल्लेबाज को और बाद में आने वाले हर बल्लेबाज को यह सूचित करेगा कि चेतावनी दी जा चुकी है. यह चेतावनी उस खिलाड़ी की टीम पर पूरे मैच के दौरान लागू होगी.

26.4.2 अगर मैच के दौरान उस टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा फिर से उल्लंघन किया गया हो तो अंपायर

- विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- अंपायर अपने साथी अंपायर, स्कोरर्स, और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो दोनों टीम के कप्तानों को, और यदि उल्लंघन प्ले के दौरान हुआ हो तो विकेट पर मौजूद बल्लेबाजों को सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

नियम 27 – द विकेट–कीपर (The Wicket-keeper)

27.1 सुरक्षा उपकरण

विकेट–कीपर एकमात्र क्षेत्ररक्षक है जिसे दस्ताने (gloves) और बाहरी लेग गार्ड्स पहनने की इजाज़त है. अगर ये पहने गए हैं, तो नियम 28.2 (फील्डिंग द बॉल) के प्रयोजन से इन्हें उसके शरीर का हिस्सा माना जाएगा. जब से गेंद प्ले में आती है तब से, अगर विकेट–कीपर की हरकतों से या उसके स्थान से अंपायरों को यह स्पष्ट हो कि वह विकेट–कीपर के रूप में अपने सामान्य कार्य नहीं कर पाएगा तो वह विकेट–कीपर के रूप में अपने अधिकार त्याग देगा और नियम 33.2 (उचित कैच), 39 (स्टंप्ड), 28.1 (सुरक्षा उपकरण), 28.4 (ऑन साइड क्षेत्ररक्षकों की संख्या की सीमितता), और 28.5 (क्षेत्ररक्षकों द्वारा पिच पर अतिक्रमण नहीं करना), के प्रयोजन से विकेट–कीपर के रूप में अपनी मान्यता खो देगा.

27.2 दस्ताने (gloves)

27.2.1 अगर 27.1 की अनुमति के अनुसार विकेट–कीपर ने दस्ताने पहने है, तो उसमें उँगलियों को जोड़ने वाली बद्धी (webbing) नहीं होगी, केवल अंगूठे और तर्जनी की उंगली के बीच वाले हिस्से की छोड़कर, जहाँ बद्धी (webbing) को सहारा (support) प्रदान करने के लिए डाला जा सकता है.

27.2.2 अगर इस्तेमाल की जाती है, तो बद्धी (webbing) बगैर खिंचाव (non stretch) वाले पदार्थ के एक ही टुकड़े से बनी होगी और उसमें मजबूती प्रदान करने या परत बनाने के लिए कुछ नहीं लगाया जाएगा.

27.2.3 बद्धी (webbing) का ऊपरी हिस्सा, तर्जनी और अंगूठे के ऊपरी हिस्से को जोड़ने वाली सीधी रेखा से बाहर नहीं निकलेगा और जब दस्ताना पहना गया हो, तो अंगूठे को पूरी तरह बाहर लंबा खींचने के बाद कसा हुआ होगा. देखें परिशिष्ट E.

27.3 विकेट–कीपर का स्थान

27.3.1 विकेट–कीपर को, गेंद के प्ले में आने के क्षण से तब तक पूरी तरह से विकेट के पीछे रहना चाहिए जब तक गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद

स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर को छूती है **या**

स्टाइकर छोर के विकेट के पार निकाल जाती है **या**

स्ट्राइकर रन बनाने की कोशिश करता है.

27.3.2 विकेट–कीपर द्वारा इस नियम के उल्लंघन की स्थिति में स्ट्राइकर छोर का अंपायर, गेंद के फेंके जाने के बाद जैसे ही लागू हो, नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

27.4 विकेट–कीपर द्वारा हलचल (movement)

27.4.1 गेंद के प्ले में आने के बाद और इसके पहले कि गेंद स्ट्राइकर तक पहुँचे, यह अनुचित होगा कि अंपायर स्ट्राइकर के विकेट के पीछे अपने मूल स्थान की तुलना में अपने स्थान में बहुत अधिक (significant) बदलाव करे केवल निम्न को छोड़ के :

27.4.1.1 किसी धीमी (slower) गेंद के लिए कुछ कदम आगे आना, जब तक कि ऐसा करते हुए वह विकेट के बिलकुल पास नहीं आ जाता/जाती.

27.4.1.2 जिस दिशा में गेंद फेंकी गई हो उसे देखते हुए उस दिशा की ओर एक तरफा (lateral) हलचल.

27.4.1.3 स्ट्राइकर द्वारा खेले जा रहे स्ट्रोक या उसके स्ट्रोक खेलने के अंदाज़ से संभावित स्ट्रोक की प्रतिक्रिया स्वरूप कोई हलचल. लेकिन नियम 27.3 के प्रावधान लागू होंगे.

27.4.2 विकेट–कीपर द्वारा किसी अनुचित हलचल की स्थिति में दोनों में से कोई भी अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

27.5 विकेट–कीपर की क्रियाओं (actions) पर बंधन (restriction)

यदि दोनों में से किसी भी अंपायर के मतानुसार, विकेट–कीपर स्ट्राइकर के गेंद खेलने के अधिकार और अपने विकेट के बचाव के अधिकार में हस्तक्षेप करता/करती है तो नियम 20.4.2.6 (अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत) लागू होगा.

लेकिन यदि दोनों में से कोई अंपायर यह मानता है कि विकेट–कीपर द्वारा हस्तक्षेप जानबूझकर किया गया था तो नियम 41.4 (जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास) भी लागू होगा.

27.6 स्ट्राइकर द्वारा विकेट–कीपर से हस्तक्षेप

यदि, गेंद खेलते वक्त या अपने विकेट के न्यायोचित बचाव में स्ट्राइकर, विकेट–कीपर से हस्तक्षेप करता है तो वह आउट नहीं होगा/होगी, केवल नियम 37.3 (गेंद को कैच किए जाने में बाधा पहुँचाना (obstructing the ball from being caught)) छोड़कर.

नियम 28 – द फील्डर (The Fielder)

28.1 सुरक्षा उपकरण

विकेट–कीपर को छोड़ कर किसी अन्य क्षेत्ररक्षक को दस्ताने (gloves) या बाहरी लेग गार्ड्स पहनने की इजाज़त नहीं होगी. इसके अलावा हाथ या उँगलियों में बचाव के लिए कोई वस्तु अंपायरों की सहमति से ही पहनी जा सकती है.

28.2 फील्डिंग द बॉल

28.2.1 क्षेत्ररक्षक गेंद को अपने शरीर के किसी भी भाग (देखें परिशिष्ट A.12) से रोक (field) सकता/सकती है केवल 28.2.1.2 को छोड़कर. लेकिन यह माना जाएगा कि उसने गेंद को अवैधानिक तरीके से फील्ड किया है, अगर गेंद जब प्ले में हो वह जानबूझकर

28.2.1.1 अपने शरीर के किसी भाग के अलावा किसी वस्तु का इस्तेमाल करता/करती है.

28.2.1.2 अपने हाथों से कपड़ों को फैलाकर, उनका इस्तेमाल गेंद को रोकने के लिए करता/करती है.

28.2.1.3 अपने कपड़ों के किसी भाग, उपकरण या किसी अन्य वस्तु को अपने से अलग कर देता/देती है और बाद में उसी का संपर्क गेंद से होता है.

28.2.2 इसे अवैधानिक फील्डिंग नहीं माना जाएगा यदि गेंद का संपर्क क्षेत्ररक्षक के शरीर से दुर्घटनावश गिरे कपड़े के टुकड़े, उपकरण, या गिरी हुई किसी अन्य वस्तु से हो जाता है.

28.2.3 यदि क्षेत्ररक्षक अवैधानिक तरीके से गेंद फील्ड करता है, गेंद तुरंत डेड हो जाएगी और

- नो बॉल या वाइड बॉल की पेनल्टी बनी रहेगी
- बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए रन और प्रगति में चल रहा रन यदि बल्लेबाजों ने उल्लंघन के क्षण (instant) क्रॉस कर लिया हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के खाते में दिए जाएँगे.
- गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

इसके अलावा अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- अंपायर अपने साथी अंपायर और क्षेत्ररक्षण करने रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच समाप्त होने के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

28.3 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट

28.3.1 जब सुरक्षा हेलमेट क्षेत्ररक्षकों द्वारा इस्तेमाल में नहीं लाए जा रहे हों, मैदान पर सतह के ऊपर नहीं रखे जाएँगे, केवल विकेट–कीपर के पीछे, स्टंप्स की लाइन में ही रखे जाएँगे.

28.3.2 जब प्ले में चल रही गेंद, 28.3.1 में बताए अनुसार रखे गए हेलमेट से टकराती है

28.3.2.1 गेंद डेड हो जाएगी

और 28.3.3 की शर्त पर,

28.3.2.2 बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 रन की पेनल्टी प्रदान की जाएगी;

28.3.2.3 बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए रन और प्रगति में चल रहा रन यदि बल्लेबाजों ने गेंद के सुरक्षा हेलमेट को टकराने के क्षण (instant) क्रॉस कर लिया हो, स्कोर किए जाएँगे.

28.3.3 जब प्ले में चल रही गेंद, 28.3.1 में बताए अनुसार रखे गए हेलमेट से टकराती है, तो जब तक कि, नियम 23.3 (लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना), 25.7 (स्ट्राइकर के रनर पर बंधन) या नियम 34 (हिट द बॉल ट्वाइस) की स्थितियाँ लागू नहीं होती, अंपायर

- बल्लेबाज द्वारा 28.3.2.3 के अनुसार बनाए रन स्कोर किए जाना स्वीकृत करेगा
- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड बॉल के संकेत देगा, यदि लागू हो तो
- 28.3.2.2 के अनुसार 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा
- कोई और पेनल्टी रन प्रदान करेगा, जो लागू हो.

28.3.4 जब प्ले में चल रही गेंद, 28.3.1 में बताए अनुसार रखे गए हेलमेट से टकराती है, और जब, नियम 23.3 (लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना), 25.7 (स्ट्राइकर के रनर पर बंधन) या नियम 34 (हिट द बॉल ट्वाइस) की स्थितियाँ लागू होती हैं, अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम के सारे रन अस्वीकृत करेगा.
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा
- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड बॉल के संकेत देगा, यदि लागू हो तो
- कोई और 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा, केवल 28.3.2 के पेनल्टी रन छोड़ कर

28.4 ऑन साइड क्षेत्ररक्षकों की संख्या की सीमितता

गेंदबाज के गेंद फेंकने के क्षण (instant), ऑन साइड में पॉपिंग क्रीज़ के पीछे विकेट–कीपर को छोड़, दो से अधिक क्षेत्ररक्षक नहीं होंगे. क्षेत्ररक्षक को पॉपिंग क्रीज़ के पीछे माना जाएगा, जब तक कि उसका पूरा शरीर ज़मीन में या हवा में पॉपिंग क्रीज़ की लाइन के सामने न हो.

किसी भी क्षेत्ररक्षक द्वारा इस नियम के उल्लंघन पर स्ट्राइकर छोर का अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

28.5 क्षेत्ररक्षकों द्वारा पिच पर अतिक्रमण नहीं करना

जब गेंद प्ले में हो और जब तक कि वह स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर के संपर्क में नहीं आ जाती या फिर स्ट्राइकर के बल्ले के पार नहीं निकाल जाती, तब तक कोई भी क्षेत्ररक्षक अपने शरीर के किसी भाग को पिच पर जमीनी संपर्क में नहीं लाएगा या विस्तारित (extend) नहीं करेगा.

विकेट–कीपर के अलावा कोई अन्य क्षेत्ररक्षक यदि इस नियम का उल्लंघन करता है तो गेंदबाज छोर का अंपायर गेंद के फेंके जाने के बाद जितनी जल्दी संभव हो नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. लेकिन नोट करें नियम 27.3 (विकेट–कीपर का स्थान)

28.6 विकेट–कीपर के अलावा किसी अन्य क्षेत्ररक्षक की हलचल (Movement)

28.6.1 गेंद के प्ले में आने के बाद, और गेंद के स्ट्राइकर तक पहुँचने तक, विकेट–कीपर के अलावा किसी अन्य क्षेत्ररक्षक की कोई भी हलचल अनुचित होगी केवल निम्न के अलावा

28.6.1.1 स्ट्राइकर के विकेट के अनुसार अपने स्टांस या स्थिति में थोड़ा सा समायोजन (minor adjustment).

28.6.1.2 नजदीकी क्षेत्ररक्षक के अलावा, किसी अन्य क्षेत्ररक्षक द्वारा स्ट्राइकर या स्ट्राइकर के विकेट की ओर हलचल जिससे वह अपने मूल स्थान से बहुत ज्यादा हट नहीं जाता.

28.6.1.3 स्ट्राइकर द्वारा खेले जा रहे स्ट्रोक या उसके स्ट्रोक खेलने के अंदाज़ से संभावित स्ट्रोक की प्रतिक्रिया स्वरूप कोई हलचल.

28.6.2 सभी परिस्थितियों में नियम 28.4 (ऑन साइड क्षेत्ररक्षकों की संख्या की सीमितता) लागू होगा

28.6.3 किसी भी तरह की ऐसी अनुचित हलचल होने पर दोनों में से कोई भी अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

28.6.4 नियम 41.4 (जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास) के प्रावधानों को भी नोट करें. नियम 27.4 (विकेट–कीपर द्वारा हलचल) भी देखें.

नियम 29 – द विकेट इज़ डाउन (The wicket is down)

29.1 विकेट का गिराया जाना (wicket put down)

29.1.1 विकेट को गिराया हुआ माना जाएगा यदि, स्टंप्स के ऊपर से एक बेल पूरी तरह से हट जाए या एक स्टम्प ज़मीन से पूरी तरह से उखाड़ दिया जाए,

29.1.1.1 गेंद से.

29.1.1.2 स्ट्राइकर के बल्ले से, यदि उसे पकड़ा गया हो या उसके द्वारा पकड़े गए बल्ले के किसी भाग से.

29.1.1.3 केवल इसी नियम के उद्देश्य से, स्ट्राइकर के बल्ले से जो उसने हाथ में पकड़ा हुआ न हो, या फिर बल्ले के किसी भाग से जो बल्ले से अलग हो गया हो.

29.1.1.4 स्ट्राइकर के शरीर के किसी भाग से, या उसके कपडो के किसी अंश या उपकरण जो उसके शरीर से अलग हो गए हों.

29.1.1.5 किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा अपने हाथ (hand) या बाँह (arm) से, बशर्ते गेंद उसी हाथ या हाथों में हों, या उस बाँह (arm) के हाथ में हो जिसका इस्तेमाल किया गया हो.

29.1.1.6 विकेट तब भी गिराया हुआ माना जाएगा यदि क्षेत्ररक्षक उसे प्रहार से या किसी स्टम्प को खींच के मैदान से बाहर निकाल दे जैसा 29.1.1.5 में बताया गया है.

29.1.2 बेल का हल्का सा हिलना, भले ही अस्थाई हो या नहीं, को उसका स्टंप्स के ऊपर से पूरी तरह से निकलना नहीं माना जाएगा, लेकिन यदि गिरती हुई बेल दो स्टंप्स के बीच में फँस जाती है तो उसे पूरी तरह से हटना (complete removal) माना जाएगा.

29.2 एक बेल का गिरा होना

यदि एक बेल पहले से गिरी हुई हो, तो विकेट को गिराने के लिए यह काफी होगा कि बची हुई बेल को हटा दिया जाए, या फिर तीनों स्टंप्स में से किसी एक को भी, 29.1 में बताए तरीकों से गिरा दिया या उखाड़ दिया जाए.

29.3 विकेट को फिर से बनाना (remaking wicket)

अगर प्ले के दौरान विकेट गिरा हुआ हो या गिराया गया हो, तो उसे गेंद के डेड होने तक अंपायर द्वारा नहीं बनाया जाएगा. देखें नियम 20 (डेड बॉल). हालाँकि कोई भी क्षेत्ररक्षक जब गेंद प्ले में हो,

- एक बेल या दोनों बेल्स को फिर स्टंप्स के ऊपर लगा सकता है.
- एक या अधिक स्टंप्स को उस जगह पर जहाँ विकेट पहले था, फिर से लगा सकता है.

29.4 बेल्स के बगैर खेलना

यदि अंपायर नियम 8.5 (बेल्स के बगैर खेलना) के अनुसार बेल्स के बगैर खेलने के लिए सहमत हैं, तो संबंधित अंपायर यह फैसला करेगा कि विकेट गिरा है या नहीं.

29.4.1 बेल्स के बगैर खेलने के निर्णय लेने के बाद, विकेट गिरा हुआ माना जाएगा यदि संबंधित अंपायर संतुष्ट है कि विकेट पर गेंद, स्ट्राइकर के बल्ले, शरीर या उसके कपड़ों या उपकरण से प्रहार हुआ है जैसा 29.1.1.2, 29.1.1.3 या 29.1.1.4 में वर्णित किया गया है या किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा, जैसा 29.1.1.5 में वर्णित किया गया है.

29.4.2 यदि विकेट पहले से टूटा हुआ या गिराया गया हो, मैदान पर गिरे किसी स्टम्प या स्टंप्स पर 29.4.1 लागू होगा. कोई भी क्षेत्ररक्षक स्टम्प या स्टंप्स को वापिस लगा सकता है, जैसा 29.3 में बताया गया है, ताकि विकेट को गिराने का अवसर मिल सके.

नियम 30 – बल्लेबाज का उसके मैदान से बाहर होना
Batsman Out Of His/Her Ground

30.1 कब मैदान से बाहर होगा/होगी

30.1.1 बल्लेबाज को उसके मैदान (ground) से बाहर माना जाएगा जब तक कि उसके शरीर का कोई भाग या बल्ला, उस छोर की पॉपिंग क्रीज़ के पीछे ज़मीनी संपर्क में न हो.

30.1.2 हालाँकि, बल्लेबाज को उसके मैदान से बाहर नहीं माना जाएगा यदि अपने मैदान (ground) की ओर या उससे आगे दौड़ते या छलांग (dive) लगाते हुए एक बार उसके शरीर का कोई भाग या बल्ला, पॉपिंग क्रीज़ के पीछे, जमीनी संपर्क में आ गया हो लेकिन बाद में,

जमीन और उसके शरीर के किसी भाग या बल्ले के बीच

या

उसके बल्ले और उसके शरीर के बीच संपर्क टूट जाता है.

30.2 बल्लेबाज का मैदान (ground) कौन सा है

30.2.1 अगर कोई बल्लेबाज मैदान में है तो वह उसका मैदान कहलाएगा और बना रहेगा, भले ही कोई अन्य बल्लेबाज बाद में उसके साथ उसी मैदान में आ जाता है.

30.2.2 अगर दोनों बल्लेबाज एक ही मैदान में है और बाद में एक बल्लेबाज वो मैदान छोड़ देता है तो मैदान उस बल्लेबाज का हो जाएगा जो उसमें बचा हुआ है.

30.2.3 अगर दोनों मैदानों में कोई भी बल्लेबाज नहीं है, तो हर मैदान उस बल्लेबाज का होगा जो उसके नज़दीक हो और यदि दोनों बल्लेबाज एकदम बराबर (level) हों तो मैदान उस बल्लेबाज का होगा जो दोनों के एकदम बराबर आने के बिलकुल पहले उस मैदान के पास था.

30.2.4 अगर एक मैदान एक बल्लेबाज का है, तो जब तक कि कोई स्ट्राइकर, रनर के साथ नहीं हो, दूसरा मैदान स्वतः ही दूसरे बल्लेबाज का हो जाता है भले ही वह कहीं भी हो.

30.2.5 जब कोई स्ट्राइकर रनर के साथ हो, तो उसका मैदान हमेशा विकेट–कीपर छोर पर ही होगा. लेकिन 30.2.1, 30.2.2, 30.2.3 और 30.2.4 फिर भी लागू होंगे, लेकिन केवल रनर और नॉन–स्ट्राइकर के लिए, ताकि स्थिति के अनुसार मैदान नॉन–स्ट्राइकर या रनर का होगा.

30.3 नॉन–स्ट्राइकर की स्थिति

गेंदबाज छोर पर खड़ा नॉन–स्ट्राइकर, विकेट के जिस ओर से गेंदबाजी हो रही हो उसके विपरीत दिशा में खड़ा होगा जब तक कि ऐसे न करने का उसका निवेदन अंपायर ने मंजूर किया हो.

नियम 31 – अपील्स (Appeals)

31.1 बिना अपील के अंपायर बल्लेबाज को आउट नहीं देगा

दोनों में से कोई भी अंपायर बल्लेबाज को आउट नहीं देगा, भले ही वह नियमों के अनुसार आउट हो, जब तक कि कोई क्षेत्ररक्षक उससे गुहार (अपील) नहीं करता. इसमें किसी बल्लेबाज पर कोई रोक नहीं है, कि वह किसी नियम के अंतर्गत आउट होने के बाद किसी अपील के हुए बिना अपना विकेट छोड़ दे. लेकिन 31.7 के प्रावधान नोट करें.

31.2 बल्लेबाज का विदा (dismiss) होना

बल्लेबाज विदा (dismiss) होगा अगर उसे

या तो अपील के बाद किसी अंपायर द्वारा आउट दिया जाए

या वह किसी नियम के अंतर्गत आउट हो और 31.1 में बताए अनुसार विकेट छोड़ दे.

31.3 अपील की समय सीमा

अपील के वैध होने के लिए, यह ज़रूरी है कि गेंदबाज द्वारा अगली गेंद फेंकने के लिए अपना रन–अप शुरू करने के पूर्व या यदि रन–अप न हो तो गेंदबाजी एक्शन शुरू करने के पूर्व और टाइम की पुकार से पहले अपील की जाए.

ओवर की पुकार अगले ओवर के शुरू होने के पूर्व की गई अपील की वैधता खत्म नहीं करती बशर्ते टाइम की पुकार न हुई हो. देखें नियम 12.2 (टाइम की पुकार) और 17.2 (ओवर की शुरुआत)

31.4 अपील 'हाऊ इज़ देट' (How's that)

एक अपील 'हाऊ इज़ देट' (How's that) आउट होने के सारे तरीके को सम्मिलित (cover) करती है.

31.5 अपील का उत्तर देना

स्ट्राइकर छोर का अंपायर नियम 35 (हिट विकेट), 39 (स्टंप्ड), या 38 (रन आउट) में से किसी से भी निर्मित हुई सारी अपीलों के जवाब देगा जब वो विकेट–कीपर के छोर पर हुई हो. गेंदबाज छोर का अंपायर अन्य सारी अपील के जवाब देगा.

जब कोई अपील होती है, हर अंपायर उसी मामले में उत्तर देगा जो उसके न्याय क्षेत्र (jurisdiction) में हो.

जब किसी बल्लेबाज को नॉट आउट दिया जा चुका हो, तो कोई भी अंपायर 31.3 के अनुसार की गई अपील, जो किसी अलग मामले की हो, और उसी के न्याय क्षेत्र में हो, का जवाब देगा.

31.6 अंपायरों के बीच परामर्श (consultation)

हर अंपायर उसी मामले की अपील पर जवाब देगा जो उसके न्याय क्षेत्र में हो. यदि किसी अंपायर को किसी बिन्दु पर संदेह हो जिसे देखने में दूसरा अंपायर बेहतर स्थिति में हो, तो वह तथ्य के बिन्दु (point of fact) पर उससे परामर्श कर के अपना निर्णय दे सकता है. अगर परामर्श करने के बाद भी संदेह बचा हो, तो निर्णय नॉट आउट होगा.

31.7 बल्लेबाज द्वारा गलत फहमी में विकेट छोड़ना

अंपायर हस्तक्षेप करेगा, यदि वह संतुष्ट हो कि बल्लेबाज जिसे आउट नहीं दिया गया हो, अपने विकेट को इस गलत फहमी में छोड़ देता है कि वह आउट हो गया है. हस्तक्षेप करने वाला अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा ताकि क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा आगे की कोई क्रिया रुक जाए और फिर बल्लेबाज को वापिस बुलाएगा.

किसी बल्लेबाज को अगले गेंद के प्ले में आने से पहले ही वापिस बुलाया जा सकता है जब तक कि वह पारी का आखिरी विकेट न हो. उस स्थिति में अंपायरों के मैदान छोड़ने के क्षण से पहले ऐसा करना होगा.

31.8 अपील का वापिस लिया जाना

क्षेत्ररक्षण कर रही टीम का कप्तान किसी अपील को वापिस ले सकता है लेकिन केवल उस अंपायर से सहमति प्राप्त करने के बाद जिसके न्यायक्षेत्र में अपील आती हो. अगर ऐसी सहमति दी जाती है तो संबंधित अंपायर, यदि लागू हुआ तो, अपना निर्णय रद्द करेगा और बल्लेबाज को वापिस बुलाएगा.

किसी अपील को अगली गेंद के प्ले में आने के क्षण से पहले ही वापिस लिया जा सकता है या अगर पारी खत्म हो गई हो तो, अंपायरों द्वारा मैदान छोड़ने के क्षण से पहले ऐसा किया जा सकता है.

नियम 32 – बोल्ड (Bowled)

32.1 आउट बोल्ड

32.1.1 स्ट्राइकर आउट बोल्ड होगा यदि उसका विकेट गेंदबाज द्वारा फेंकी हुई गेंद से, जो कि नो बॉल न हो, गिराया गया हो भले ही गेंद ने पहले स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर को छुआ हो.

32.1.2 लेकिन स्ट्राइकर आउट बोल्ड नहीं होगा यदि विकेट को लगने से पहले, गेंद किसी अन्य खिलाड़ी या अंपायर के संपर्क में आई हो. हालाँकि स्ट्राइकर नियम 37 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड), 38 (रन आउट) और 39 (स्टंप्ड) के अधीन रहेगा.

32.2 बोल्ड को वरीयता (Precedence) मिलेगी

स्ट्राइकर आउट बोल्ड होगा यदि 32.1 के अनुसार उसका विकेट गिरा हो, भले ही विदा (dismissal) होने के किसी अन्य तरीके से भी उसके विरुद्ध निर्णय न्यायसंगत (justified) हो.

नियम 33 – कॉट (Caught)

33.1 आउट कॉट

स्ट्राइकर आउट कॉट होगा, यदि गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद, जो कि नो बॉल न हो, जो पूर्व में किसी क्षेत्ररक्षक के संपर्क में आए बगैर उसके बल्ले को छूती है और बाद में ज़मीन के संपर्क में आने से पूर्व ही किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा एक उचित कैच के रूप में लपकी जाती है, जैसा 33.2 और 33.3 में बताया गया है.

33.2 उचित कैच

33.2.1 कैच तभी उचित माना जाएगा, सिर्फ यदि, हर मामले में

या तो किसी भी समय गेंद

या कोई क्षेत्ररक्षक जो गेंद के संपर्क में हैं,

कैच के पूरा होने से पहले बाउंड्री के पार जमीनी संपर्क में न हों. नियम 19.4 (गेंद का बाउंड्री के पार ज़मीनी सम्पर्क) और 19.5 (क्षेत्ररक्षक का बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क) नोट करें.

33.2.2 इसके साथ ही कैच तभी उचित होगा यदि निम्न से कोई शर्त लागू होती हो :

33.2.2.1 गेंद क्षेत्ररक्षक के हाथ या हाथों से पकड़ी गई हो, भले ही गेंद को पकड़ने वाला हाथ ज़मीन को छू रहा हो, या फिर गेंद शरीर के आगोश (hugged) में हो, या क्षेत्ररक्षक के बाहरी सुरक्षा उपकरण में ठहर (lodge) जाए, या दुर्घटनावश (accidentally) किसी क्षेत्ररक्षक के कपड़ों में फंस जाए.

33.2.2.2 स्ट्राइकर द्वारा वैधानिक तरीके से दूसरी बार खेली गई गेंद क्षेत्ररक्षक द्वारा लपकी गई हो, लेकिन उसी स्थिति में जब पहली बार खेली जाने के बाद गेंद ज़मीन के संपर्क में न आई हो. देखें नियम 34 (हिट द बॉल ट्वाइस)

33.2.2.3 गेंद को विकेट, किसी अंपायर, किसी अन्य क्षेत्ररक्षक, रनर या अन्य बल्लेबाज को छूने के बाद क्षेत्ररक्षक द्वारा लपका गया हो.

33.2.2.4 गेंद को हवा में बाउंड्री के पार निकलने के बाद क्षेत्ररक्षक द्वारा लपका गया हो, अगर 33.2.1 की शर्तें संतुष्ट हुई हों.

33.2.2.5 गेंद बाउंड्री के अंदर किसी अवरोध से टकराने के बाद लपकी गई हो बशर्ते उस अवरोध को अंपायरों द्वारा बाउंड्री न माना गया हो.

33.3 कैच का रचा जाना (Making a catch)

कैच लेने की क्रिया (act) तब से शुरू होती है जब गेंद पहली बार क्षेत्ररक्षक के शरीर के संपर्क में आती है और तब खत्म होती है, जब क्षेत्ररक्षक गेंद पर और अपनी खुद की चाल (movement) पर सम्पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेता/लेती है.

The act of making a catch shall start from the time when the ball first comes into contact with a fielder's person and shall end when a fielder obtains complete control over both the ball and his/her own movement.

33.4 कोई रन स्कोर नहीं होगा

यदि स्ट्राइकर कॉट के रूप में विदा (dismiss) हुआ है, तो कैच के पहले उस गेंद पर पूर्ण किए गए रन स्कोर नहीं किए जाएँगे लेकिन दोनों टीमों को मिलने वाले पेनल्टी के रन बने रहेंगे. नियम 18.12 (अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर बल्लेबाज का लौटना) कैच के पूरे किए जाने के क्षण (instant) से लागू होगा.

33.5 कॉट को वरीयता (Precedence) मिलेगी

यदि 33.1 के मानदंड (criteria) पूर्ण होते हैं और स्ट्राइकर आउट बोल्ड नहीं हुआ है तो उसे आउट कॉट माना जाएगा भले ही दोनों में किसी भी बल्लेबाज के विरुद्ध किसी अन्य तरीके से विदा (dismissal) होने का निर्णय न्यायसंगत (justified) होता.

नियम 34 – हिट द बॉल ट्वाइस (Hit the ball twice)

34.1 आउट हिट द बॉल ट्वाइस

34.1.1 स्ट्राइकर आउट हिट द बॉल ट्वाइस होगा यदि, जब गेंद प्ले में हो, उसके शरीर के किसी भाग को लगती है या बल्ले से लगती है और इससे पहले कि कोई क्षेत्ररक्षक उस गेंद को छुए, स्ट्राइकर जानबूझकर अपने बल्ले या शरीर – जिसमें वह हाथ शामिल नहीं है जिसमें बल्ला न हो, से प्रहार करता है, जब तक कि उसने ऐसा अपना विकेट बचाने के एकमात्र उद्देश्य से न किया हो. देखें 34.3 और नियम 37.3 (आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड)

34.1.2 नियम के इस भाग के लिए, लगना या प्रहार करने का अभिप्राय स्ट्राइकर के बल्ले या शरीर से संपर्क भी होगा.

34.2 नॉट आउट हिट द बॉल ट्वाइस

स्ट्राइकर इस नियम के अंतर्गत आउट नहीं होगा/होगी, यदि

34.2.1 दूसरा या उसके बाद का प्रहार किसी क्षेत्ररक्षक को गेंद लौटाने के लिए किया गया हो. लेकिन नोट करें – नियम 37.4 (क्षेत्ररक्षक को गेंद लौटाना) के प्रावधानों को.

34.2.2 क्षेत्ररक्षक द्वारा गेंद को छू लेने के बाद गेंद पर जानबूझकर प्रहार करता है. लेकिन नोट करें – नियम 37.1 (आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड) के प्रावधानों को.

34.3 गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना

केवल अपना विकेट बचाने के लिए ही और किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा गेंद को छूने से पहले, स्ट्राइकर वैधानिक तौर से दूसरा या उसके बाद का प्रहार, अपने बल्ले से या शरीर के किसी भाग से जिसमें वह हाथ शामिल नहीं है जिसमें बल्ला न हो, से कर सकता/सकती है.

स्ट्राइकर अपने विकेट का बचाव तब भी कर सकता/सकती है, जब गेंद नो बॉल हो.

लेकिन, अपने विकेट का बचाव करने के लिए दूसरा प्रहार कर के स्ट्राइकर किसी कैच को लिए जाने से रोक नहीं सकता/सकती. देखें नियम 37.3 (गेंद को कैच किए जाने में बाधा पहुँचाना)

34.4 वैधानिक तरीके से एक से ज्यादा बार खेली गई गेंद पर स्वीकृत रन

जब गेंद वैधानिक तरीके से एक से ज्यादा बार खेली गई हो जैसा 34.3 में स्वीकार्य है, अगर गेंद किसी अन्य कारण से डेड नहीं होती, तो जैसे ही गेंद बाउंड्री पर पहुँचें, या पहले रन के पूरा होने पर, अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत करेगा. लेकिन अंपायर डेड बॉल की पुकार किसी कैच के पूरा होने का मौका देने के लिए विलंबित कर सकता है.

अंपायर

- बल्लेबाजी टीम के सारे रन अस्वीकार करेगा;
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा
- स्कोरर्स को नो बॉल का संकेत देगा, यदि लागू हो तो
- किसी भी तरह की 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा, केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.

34.5 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

गेंदबाज को विकेट का श्रेय नहीं मिलता.

नियम 35 – हिट विकेट (Hit Wicket)

35.1 आउट हिट विकेट

35.1.1 स्ट्राइकर आउट हिट विकेट होगा यदि, गेंदबाज द्वारा गेंदबाजी के अपने अंतिम कदम (delivery stride) में आने के बाद और गेंद जब प्ले में हो, उसका विकेट बल्ले से या शरीर से, जैसा कि नियम 29.1.1.2 से 29.1.1.4 (विकेट का गिराया जाना) में बताया गया है, निम्न परिस्थितियों में गिर जाए.

35.1.1.1 गेंद खेलने कि तैयारी में या गेंद खेलते हुए उसके द्वारा की गई किसी क्रिया (action) के दौरान.

35.1.1.2 गेंद खेलने के बाद या गेंद खेलते हुए, पहले रन के लिए निकलते हुए.

35.1.1.3 अगर गेंद खेलने का कोई प्रयास नहीं किया गया हो, तो पहले रन के लिए निकलते हुए, यदि अंपायर के मतानुसार ऐसा स्ट्राइकर को गेंद खेलने का मौका मिलने के तुरंत बाद हुआ हो.

35.1.1.4 नियम 34.3 (गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना) के प्रावधानों के अंतर्गत, वैधानिक तरीके से अपना विकेट बचाने के लिए, दूसरा या उसके बाद का प्रहार करते हुए.

35.1.2 यदि गेंदबाज द्वारा गेंदबाजी के अपने अंतिम कदम (delivery stride) में आने से पहले ही, स्ट्राइकर नियम 29.1.1.2 से 29.1.1.4 में बताए अनुसार अपना विकेट गिरा देता है, तो दोनों में से कोई भी अंपायर डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

35.2 नॉट आउट हिट विकेट

स्ट्राइकर इस नियम के अंतर्गत आउट नहीं होगा, यदि उसका विकेट 35.1 के अनुसार गिरा हो, और निम्न में से कुछ भी लागू हो :

- अगर ऐसा स्ट्राइकर द्वारा गेंद खेलने की किसी क्रिया के पूर्ण करने के बाद होता है. 35.1.1.2 से 35.1.1.4 को छोड़कर.
- ऐसा तब होता है जब स्ट्राइकर दौड़ने की क्रिया में हो, पहले रन के लिए निकलने की क्रिया छोड़कर.
- ऐसा तब होता है जब स्ट्राइकर रन आउट या स्टम्प होने से बचने की कोशिश कर रहा हो.
- ऐसा तब होता है जब स्ट्राइकर किसी भी समय 'थ्रो' से बचने की कोशिश कर रहा हो.
- अपने अंतिम कदम में आने के बाद गेंदबाज ने गेंद नहीं फेंकी हो. इस स्थिति में कोई भी अंपायर तुरंत डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. देखें नियम 20.4 (अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत).
- गेंद नो बॉल हो.

नियम 36 – पगबाधा
(Leg Before Wicket)

36.1 आउट पगबाधा (LBW)

स्ट्राइकर पगबाधा आउट होगा यदि 36.1.1 से 36.1.5 की सारी परिस्थितियाँ लागू हों.

36.1.1 गेंदबाज, गेंद डालता है जो नो बॉल नहीं है

36.1.2 गेंद, यदि फुल–पिच पर अवरोधित (intercepted) नहीं की गई, तो दोनों छोर के विकेट की लाइन में या स्ट्राइकर के विकेट के ऑफ साइड में पिच हुई हो.

36.1.3 गेंद जिसने पहले स्ट्राइकर के बल्ले को न छुआ हो, उसे स्ट्राइकर टप्पा खाने से पूर्व ही (full pitch) या टप्पा खाने के बाद अपने शरीर के किसी भाग से अवरोधित (intercept) करता है.

36.1.4 गेंद के टक्कर का बिन्दु (point of impact), भले बेल्स के स्तर (level) से ऊपर हो,

या तो विकेट से विकेट के बीच में हो

या अगर स्ट्राइकर ने गेंद को खेलने का कोई वास्तविक (genuine) प्रयास नहीं किया है, विकेट से विकेट के बीच में हो या फिर ऑफ स्टम्प के बाहर हो.

36.1.5 अगर अवरोध (interception) नहीं होता तो गेंद विकेट को लगती.

36.2 गेंद का अवरोध (Interception)

36.2.1 36.1.3, 36.1.4, और 36.1.5 के बिन्दुओं का आकलन (assessing) करते हुए केवल पहले अवरोध को ध्यान में रखा जाना है.

36.2.2 36.1.3 के बिन्दु का आकलन करते हुए, अगर गेंद एक साथ स्ट्राइकर के शरीर (person) और बल्ले को छूती है तो यह माना जाएगा कि गेंद ने पहले बल्ले को छुआ है.

36.2.3 36.1.5 के बिन्दु का आकलन करते हुए यह धारणा (assumption) करनी होगी कि अवरोध से पहले गेंद जिस दिशा में जा रही थी, अवरोध के बाद भी गेंद उसी दिशा में जाती रहेगी, यह विचार किए बिना कि गेंद बाद में पिच भी होगी या नहीं.

36.3 विकेट का ऑफ साइड

स्ट्राइकर के विकेट का ऑफ साइड, गेंद के प्ले में आने के क्षण, स्ट्राइकर के स्टांस से तय किया जाएगा. देखें परिशिष्ट A.13

नियम 37 – आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड (Obstructing the field)

37.1 आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड

37.1.1 दोनों में से कोई भी बल्लेबाज आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा, यदि 37.2 की परिस्थितियों को छोड़कर, जब गेंद प्ले में हो, वह जानबूझकर शब्द या कृत्य (word or action) से क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को बाधा पहुँचाने या उनका ध्यान भंग करने का प्रयास करें. नियम 34 (हिट द बॉल ट्वाइस) भी देखें.

37.1.2 स्ट्राइकर आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा, यदि 37.2 की परिस्थितियों को छोड़कर, गेंदबाज द्वारा फेंकी हुई गेंद को पाने (receiving) के कृत्य के दौरान वह, जिस हाथ में बल्ला न हो उस हाथ से गेंद पर जानबूझकर प्रहार करता है. यह तब भी लागू होगा जब यह पहला प्रहार हो, या दूसरा या उसके बाद का. गेंद को पाने का कृत्य (act of receiving), गेंद खेलने से लेकर अपने विकेट को बचाने के लिए एक बार से अधिक प्रहार करने तक चलेगा.

37.1.3 यह नियम लागू होगा, भले ही नो बॉल पुकारी गई हो या नहीं.

37.2 नॉट आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड

बल्लेबाज नॉट आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा यदि

बाधा पहुँचाना या ध्यान भंग करना दुर्घटनावश (accidental) हो,

या बाधा पहुँचाना चोट से बचने के लिए हो,

या स्ट्राइकर के मामले में, वह 34.3 (गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना) के अंतर्गत गेंद पर वैधानिक दूसरा या बाद का प्रहार कर रहा हो. लेकिन 37.3 देखें.

37.3 गेंद को कैच किए जाने में बाधा पहुँचाना (Obstructing the ball from being caught)

37.3.1 अगर गेंद नो बॉल नहीं है तो स्ट्राइकर आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा यदि दोनों में से किसी भी बल्लेबाज द्वारा बाधा या ध्यान भंग, स्ट्राइकर को कैच (caught) होने से बचाती है.

37.3.2 37.3.1 तब भी लागू होगा यदि स्ट्राइकर नियम 34.3 (गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना) के प्रावधानों के अनुसार वैधानिक तरीके से अपने विकेट का बचाव करने के दौरान बाधा पहुंचाता है.

37.3.3 यदि गेंद नो बॉल है और बाधा पहुँचाई गई हो या ध्यान भंग किया गया हो, तो वह बल्लेबाज आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा, जिसने बाधा पहुंचाई या ध्यान भंग किया.

37.3.4 37.3.3 लागू नहीं होगा, यदि स्ट्राइकर सहज तौर (instinctively) पर ही अपने विकेट को बचाने के लिए वैधानिक दूसरा प्रहार करे.

37.4 क्षेत्ररक्षक को गेंद लौटाना

दोनों में से कोई भी बल्लेबाज आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होगा यदि किसी भी समय जब गेंद प्ले में हो, वह क्षेत्ररक्षक की सहमति के बगैर, अपने बल्ले या शरीर के किसी भाग का प्रयोग कर किसी क्षेत्ररक्षक को गेंद लौटाता है.

37.5 रन जो स्कोर होंगे

जब दोनों में से कोई भी बल्लेबाज आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड विदा (dismiss) होता है,

37.5.1 जब तक कि बाधा, कैच होने से बचाती न हो, बल्लेबाजों द्वारा कृत्य (offence) से पहले पूर्ण किए गए रन स्कोर किए जाएँगे और दोनों टीमों को प्रदान किए गए पेनल्टी रन भी मिलेंगे. देखें नियम 18.6 (पेनल्टी के लिए प्रदान किए जाने वाले रन) और 18.8 (बल्लेबाज के आउट होने पर बनने वाले रन)

37.5.2 यदि बाधा कैच होने से बचाती हो, तो बल्लेबाजों द्वारा पूरे किए गए रन, स्कोर नहीं किए जाएँगे लेकिन दोनों टीमों को प्रदान किए गए पेनल्टी रन बने रहेंगे.

37.6 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

गेंदबाज को विकेट का श्रेय नहीं मिलता.

नियम 38 – रन आउट (Run Out)

38.1 आउट रन आउट

दोनों में से कोई भी बल्लेबाज आउट रन आउट होगा, यदि 38.2 को छोड़कर, जब भी गेंद प्ले में हो,

वह अपने मैदान से बाहर हो

और उसका विकेट क्षेत्ररक्षक के किसी कृत्य द्वारा उचित तरीके से गिराया गया हो.

भले ही नो बॉल पुकारी गई हो – केवल 38.2.2.2 की परिस्थितियाँ छोड़कर, और भले ही रन लेने का प्रयास हुआ हो या नहीं.

38.2 बल्लेबाज नॉट आउट रन आउट

38.2.1 एक बल्लेबाज 38.2.1.1 या 38.2.1.2 की परिस्थितियों में रन आउट नहीं होगा

38.2.1.1 वह अपने मैदान में हो, लेकिन बाद में चोट से बचने के लिए अपना मैदान छोड़ देता है, और विकेट गिरा दिया जाता है.

नियम 30.1.2 (कब मैदान से बाहर होगा/होगी) के प्रावधान भी नोट करें.

38.2.1.2 गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद, विकेट गिराए जाने से पहले क्षेत्ररक्षक के संपर्क में न आई हो.

38.2.2 एक स्ट्राइकर 38.2.2.1 या 38.2.2.2 की परिस्थितियों में रन आउट नहीं होगा

38.2.2.1 अगर वो आउट स्टंप्ड हो. देखें नियम 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)) और 39.1.2 (आउट स्टंप्ड)

38.2.2.2 नो बॉल पुकारा गया हो

और वह अपने मैदान से बाहर हो लेकिन रन लेने का प्रयास नहीं कर रहा हो

और उसका विकेट बिना किसी अन्य क्षेत्ररक्षक की मदद के विकेट–कीपर द्वारा गिराया गया हो.

लेकिन अगर स्ट्राइकर रनर के साथ हो और रनर अपने मैदान से बाहर हो तो केवल 38.1 लागू होगा.

38.3 कौन सा बल्लेबाज आउट होगा

38.1 की परिस्थितियों में वह बल्लेबाज आउट होगा जिसका मैदान (ground) वह छोर हो जिसके विकेट गिराए गए हो. देखें नियम 25.6 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)) और 30.2 (बल्लेबाज का मैदान (ground) कौन सा है)

38.4 रन जो स्कोर होंगे

यदि दोनों में से कोई भी बल्लेबाज रन आउट होता है, तो विकेट के गिराए जाने के समय जो रन प्रगति में हो वह स्कोर नहीं किया जाएगा, लेकिन दोनों बल्लेबाजों द्वारा पूर्ण किए गए रन कायम रहेंगे. साथ ही दोनों टीमों को प्रदान किए गए पेनल्टी रन भी कायम रहेंगे. देखें नियम 18.6 (पेनल्टी के लिए प्रदान किए जाने वाले रन) और 18.8 (बल्लेबाज के आउट होने पर बनने वाले रन)

लेकिन यदि रनर के साथ खेल रहा स्ट्राइकर स्वयं रन आउट हो जाता/जाती है और रनर और दूसरे बल्लेबाज ने विकेट गिराए जाने के पहले रन पूरे कर लिए हैं

- बल्लेबाजी कर रही टीम को उस गेंद से मिलने वाले सभी रन अस्वीकार कर दिये जाएँगे.
- नो बॉल की एक रन की पेनल्टी बनी रहेगी और 5 रन की पेनल्टी स्वीकार्य रहेंगी.
- अंपायर नॉन–स्ट्राइकर को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.

देखें नियम 25.6 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct))

38.5 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

गेंदबाज को विकेट का श्रेय नहीं मिलता.

नियम 39 – स्टंप्ड (Stumped)

39.1 **आउट स्टंप्ड**

39.1.1 स्ट्राइकर आउट स्टंप्ड होगा 39.3 को छोड़कर, यदि

फेंकी गई गेंद नो बॉल नहीं पुकारी गई हो.

और वह अपने मैदान से बाहर हो, 39.3.1 में बताए गए के अलावा

और उसने रन लेने का प्रयास नहीं किया हो

जब उसका विकेट उचित तरीके से विकेट–कीपर द्वारा किसी क्षेत्ररक्षक की मदद के बगैर गिराया गया हो.

लेकिन नोट करें नियम 25.6.2, 25.6.5 (बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)) और 27.3 (विकेट–कीपर का स्थान).

39.1.2 स्ट्राइकर आउट स्टंप्ड होगा यदि 39.1.1 की शर्तें संतुष्ट हो, भले ही रन आउट का निर्णय भी न्यायसंगत (justified) रहता.

39.2 **विकेट–कीपर के शरीर से गेंद का लौटना (Rebound)**

अगर विकेट गेंद से गिराया गया है, तो यह माना जाएगा कि उसे विकेट–कीपर द्वारा गिराया गया है यदि :

गेंद विकेट–कीपर के शरीर या उपकरण के किसी भाग से टकराकर, स्टंप्स को गिराती है.

या गेंद को विकेट–कीपर द्वारा पैर की ठोकर से या फेंककर स्टंप्स को गिराया गया है.

39.3 **नॉट आउट स्टंप्ड**

39.3.1 स्ट्राइकर स्टंप्ड आउट नहीं होगा, यदि गेंद को पाने (receiving) के बाद वह चोट से बचने के लिए अपना मैदान छोड़ता है.

39.3.2 अगर स्ट्राइकर नॉट आउट स्टंप्ड है तो वह नियम 38.2.2.2 (बल्लेबाज नॉट आउट रन आउट) की परिस्थितियाँ को छोड़कर, रन आउट हो सकता है यदि 38.1 (आउट रन आउट) की शर्तें लागू हों.

नियम 40 – टाइम्ड आउट (Timed Out)

40.1 आउट टाइम्ड आउट

40.1.1 किसी विकेट के गिरने के बाद या बल्लेबाज के रिटायर होने के बाद, अगर टाइम की पुकार न हुई हो, तो तीन मिनिट के अंदर, आने वाले (incoming) बल्लेबाज को गार्ड लेने की स्थिति में आ जाना चाहिए, या फिर दूसरे बल्लेबाज को अगली गेंद खेलने के लिए तैयार हो जाना चाहिए. अगर यह आवश्यकता पूरी नहीं होती तो आने वाला (incoming) बल्लेबाज आउट, टाइम्ड आउट होगा.

40.1.2 अगर किसी स्थिति में बहुत देरी के बाद भी कोई बल्लेबाज विकेट पर नहीं आता है तो अंपायर नियम 16.3 (अंपायर्स द्वारा मैच प्रदान (award) करना) की प्रक्रिया को अमल में लाएँगे. उस नियम के उद्देश्य से अंपायर द्वारा कार्रवाई शुरू करने का समय ऊपर संदर्भित तीन मिनिट की समाप्ति पर होगा.

40.2 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

गेंदबाज को विकेट का श्रेय नहीं मिलता.

नियम 41 – अनुचित खेल (Unfair play)

41.1 उचित और अनुचित खेल – कप्तानों की ज़िम्मेदारी

कप्तानों की ज़िम्मेदारी होगी कि वे यह सुनिश्चित करें कि खेल का संचालन खेल की भावना के अधीन हो, जैसा कि प्रस्तावना – खेल की भावना में वर्णित किया गया है, और साथ ही नियमों के अंतर्गत भी हो.

41.2 अनुचित कृत्य

41.2.1 अंपायर उचित और अनुचित खेल के एकमात्र निर्णायक होंगे. यदि कोई अंपायर मानता है कि, किसी खिलाड़ी का कोई कृत्य, जो नियमों में वर्णित (covered) न होते हुए भी अनुचित है, अगर आवश्यक हुआ तो – जैसे ही उसे लगे कि डेड बॉल की पुकार से गैर अपराधी (non offending) टीम को नुकसान नहीं होगा, डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और अपने साथी अंपायर को मामले की जानकारी देगा.

41.2.1.1 अगर यह उस टीम का पहला उल्लंघन है, तो गेंदबाज छोर का अंपायर

- उल्लंघन करने वाली टीम के कप्तान को बुलाएगा और पहली और अंतिम चेतावनी जारी करेगा, जो शेष मैच के लिए टीम के हर सदस्य पर लागू होगी.
- उल्लंघन करने वाली टीम के कप्तान को बताएगा कि उसकी टीम द्वारा ऐसे ही किसी अगले उल्लंघन पर विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे.

41.2.1.2 अगर यह उसी टीम द्वारा दूसरा या उसके बाद का उल्लंघन है तो गेंदबाजी छोर का अंपायर

- उल्लंघन करने वाली टीम के कप्तान को बुलाएगा और बताएगा कि फिर से उल्लंघन हुआ है.
- विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.

41.2.1.3 दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.3 मैच बॉल – उसकी दशा (condition) बदलना

41.3.1 अंपायर बार–बार, लेकिन अनियमित अंतराल से गेंद का निरीक्षण करेंगे. इसके अलावा, जब भी उन्हें संदेह हो कि किसी ने 41.3.2 में स्वीकृत तरीकों के अलावा, किसी और तरह से गेंद की दशा बदलने का प्रयास किया है, तो वे तुरंत ही गेंद का निरीक्षण करेंगे.

41.3.2 अगर कोई खिलाड़ी ऐसा कोई कृत्य करता है जिससे गेंद की दशा (condition) बदल जाए तो यह एक अपराध (offence) होगा.

अपने सामान्य कर्तव्यों को निभाने के अलावा, बल्लेबाज को यह इजाज़त नहीं है कि वह गेंद को जानबूझकर नुकसान पहुँचाए. देखें नियम 5.5 (गेंद को नुकसान)

लेकिन एक क्षेत्ररक्षक

41.3.2.1 गेंद को अपने कपड़ों पर घिस कर चमका सकता है बशर्ते किसी कृत्रिम पदार्थ का प्रयोग न हो और ऐसा करते हुए समय की बर्बादी न हो.

41.3.2.2 गेंद पर जमी हुई मिट्टी को हटा सकता है लेकिन किसी अंपायर के निरीक्षण में.

41.3.2.3 अंपायरों द्वारा अनुमोदित (approved) किसी कपड़े के टुकड़े से गीली गेंद को सुखा सकता है.

41.3.3 अंपायर यह मानेंगे कि गेंद की दशा अनुचित तरीके से बदली गई है, यदि किसी खिलाड़ी का कोई कृत्य 41.3.2 की शर्तों के अनुरूप नहीं हो.

41.3.4 यदि अंपायर यह मानते हैं कि किसी टीम के सदस्य या सदस्यों द्वारा गेंद की दशा अनुचित तरीके से बदली गई है, तो वे विपक्षी टीम के कप्तान से पूछेंगे कि क्या वे गेंद को बदलवाना चाहेंगे. यदि आवश्यक हुआ तो बल्लेबाजी कर रही टीम के मामले में, विकेट पर खेल रहे बल्लेबाज अपने कप्तान का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं.

41.3.4.1 अगर गेंद बदलने का अनुरोध किया गया है तो, अंपायर खेल में इस्तेमाल के लिए ऐसी गेंद चुनेंगे, जिसका घिसाव (wear), उल्लंघन से पहले प्रयोग की जा रही गेंद के घिसाव की तुलना में उतना ही हो.

41.3.4.2 इस बात की परवाह किए बगैर कि, गेंद बदली गई है या नहीं, गेंदबाजी छोर का अंपायर

- विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- यदि उचित हुआ, तो विकेट पर खेल रहे बल्लेबाज़ो को और क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि गेंद बदल दी गई है और उनकी इस कार्रवाई का कारण सूचित करेगा.
- जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को सूचित करेगा कि क्या हुआ है.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.3.5 यदि अंपायर यह मानते हैं कि मैच के दौरान उसी टीम द्वारा फिर से अनुचित तरीके से गेंद की दशा बदलने का कृत्य हुआ है तो वे

41.3.5.1 41.3.4.1 और 41.3.4.2 की प्रक्रिया को दोहराएंगे.

यदि क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा उल्लंघन दोहराया गया है, तो गेंदबाजी छोर का अंपायर इसके अतिरिक्त

41.3.5.2 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को निर्देशित करेगा कि वह उस गेंदबाज को निलंबित करें जिसने पिछली गेंद डाली हो ; उस गेंदबाज को मैच में फिर गेंदबाजी करने नहीं दी जाएगी.

- विकेट पर खेल रहे बल्लेबाजों और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण सूचित करेगा.
- यदि आवश्यक हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

41.4 जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास

41.4.1 जब स्ट्राइकर किसी गेंद को खेलने की तैयारी कर रहा हो या खेल रहा हो तो किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा जानबूझकर उसका ध्यान भंग करने का प्रयास अनुचित होगा.

41.4.2 यदि दोनों में से कोई भी अंपायर यह मानता हो कि किसी भी क्षेत्ररक्षक का कोई कृत्य, ऐसा करने का प्रयास है, वह तुरंत डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा, और अपने साथी अंपायर को इस पुकार का कारण बताएगा. गेंदबाजी छोर का अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को, बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को, इस कार्रवाई का कारण सूचित करेगा.

उस गेंद पर दोनों में से कोई भी बल्लेबाज विदा (dismiss) नहीं होगा और उस गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

दूसरे अंपायर के साथ मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.5 जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना

41.5.1 41.4 के अतिरिक्त, स्ट्राइकर द्वारा गेंद प्राप्त कर लेने के बाद, किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा जानबूझकर, शब्द या कृत्य से किसी बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, उसके साथ छल करना (deception) या उसका ध्यान भंग करना अनुचित होगा.

41.5.2 यह फैसला दोनों में से कोई भी अंपायर करेगा कि ध्यान भंग, छल करने या बाधा पहुँचाने का कृत्य जानबूझकर किया गया है या नहीं.

41.5.3 यदि दोनों में से कोई भी अंपायर यह मानता है किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा ध्यान भंग, छल करने या बाधा पहुंचाने का कृत्य किया है या करने का प्रयास किया है तो वह तुरंत डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा और अपने साथी अंपायर को इस पुकार का कारण बताएगा.

41.5.4 उस गेंद पर कोई भी बल्लेबाज विदा (dismiss) नहीं होगा.

41.5.5 अगर बाधा पहुँचाने के कृत्य में कोई शारीरिक स्पर्श (physical contact) भी शामिल रहा हो तो दोनों अंपायर मिल कर तय करेंगे कि क्या नियम 42 (खिलाड़ियों का आचरण) का उल्लंघन हुआ है.

41.5.5.1 यदि नियम 42 (खिलाड़ियों का आचरण) का उल्लंघन हुआ है, तो अंपायर नियम 42 की सम्बद्ध प्रक्रिया अपनाएँगे और 41.5.7 से 41.5.9 में से हर एक को भी लागू करेंगे.

41.5.5.2 यदि वे मानते हैं कि नियम 42 का मामला नहीं बनता, तो वे 41.5.6 से 41.5.10 में से हर एक को लागू करेंगे.

41.5.6 गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को, इस कार्रवाई के पीछे के कारण बताएगा और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इसकी सूचना देगा.

41.5.7 गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

41.5.8 बल्लेबाजों द्वारा उल्लंघन के पहले पूर्ण किए गए रन, साथ ही दोनों टीमों में से किसी भी टीम को प्रदान किए जाने वाले पेनल्टी रन भी स्कोर होंगे. इसके अलावा प्रगति में चल रहा कोई रन भी स्कोर होगा भले ही उल्लंघन के क्षण (instant) दोनों बल्लेबाजों ने क्रॉस किया हो या नहीं.

41.5.9 विकेट पर खेल रहे बल्लेबाज तय करेंगे कि अगली गेंद कौन खेलेगा.

41.5.10 दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.6 खतरनाक और अनुचित शॉर्ट पिच गेंदें फेंकना

41.6.1 शॉर्ट पिच गेंद फेंकना खतरनाक माना जाएगा यदि गेंदबाजी छोर का अंपायर स्ट्राइकर की योग्यता को ध्यान में रखते हुए, गेंद की गति, टप्पा पड़ने के स्थान, ऊंचाई और दिशा के आधार पर यह माने कि उससे स्ट्राइकर को शारीरिक चोट पहुँच सकती है. इस बात को नज़रअंदाज़ किया जाएगा कि स्ट्राइकर ने सुरक्षा उपकरण पहन के रखें हैं.

41.6.2 गेंदबाजी छोर का अंपायर यह मान सकता है कि शॉर्ट पिच गेंदों का फेंका जाना भले ही 41.6.1 के अनुसार खतरनाक नहीं हो लेकिन अनुचित है यदि वैसी गेंदें क्रीज़ पर सीधे (upright) खड़े स्ट्राइकर के सिर की ऊंचाई के ऊपर से बार–बार (repeatedly) निकल के जा रही हो. नियम 21.10 (गेंद का स्ट्राइकर के सिर की ऊंचाई से ऊपर उछाल लेना) भी देखें.

41.6.3 जैसे ही अंपायर यह फैसला कर ले कि शॉर्ट पिच गेंदों का फेंका जाना 41.6.1 के अनुसार खतरनाक या 41.6.2 के अनुसार अनुचित हो चुका है तो वह नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. जब गेंद डेड हो जाए,

अंपायर गेंदबाज को खबरदार करेगा और यह सूचित करेगा कि यह पहली और अंतिम चेतावनी है. वह अपने साथी अंपायर, क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान और बल्लेबाजों को जो हुआ, उसकी सूचना देगा.

यह चेतावनी उस गेंदबाज के लिए पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी.

41.6.4 अगर उसी गेंदबाज द्वारा, उसी पारी में, फिर ऐसी ही कोई गेंद फेंकी गई तो अंपायर

- नो बॉल की पुकार लगाएगा औए संकेत देगा.
- जब गेंद डेड हो जाए तो क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करें.
- अपने साथी अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

- अंपायर, बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.6.5 41.6.3 और 41.6.4 की चेतावनी प्रक्रिया (warning sequence), 41.7 की चेतावनी और कार्रवाई प्रक्रिया से स्वतंत्र रहेगी.

41.7 खतरनाक और अनुचित पिच न होने वाली गेंदें फेंकना

41.7.1 कोई भी गेंद जो बगैर पिच हुए, पॉपिंग क्रीज़ पर सीधे खड़े हुए स्ट्राइकर की कमर की ऊंचाई से ऊपर निकल जाए या निकल जाती, अनुचित होगी. जब भी ऐसी कोई गेंद फेंकी जाती है, अंपायर नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

41.7.2 41.7.1 के अनुसार फेंकी गई गेंद, खतरनाक भी होगी यदि गेंदबाजी छोर का अंपायर यह माने की स्ट्राइकर को चोट लगने का खतरा है. यह फैसला करते वक्त अंपायर

- स्ट्राइकर द्वारा पहने गए सुरक्षा उपकरण को नज़रअंदाज़ करेगा.
- अपने ध्यान में रखेगा
    - ★ गेंद की गति, ऊंचाई और दिशा
    - ★ स्ट्राइकर की क्षमता
    - ★ ऐसी गेंदों का दोहराए जाने की प्रवृति

41.7.3 यदि अंपायर यह माने कि पिच न होने वाली गेंद या ऐसी ही गेंदों का लगातार फेंका जाना 41.7.2 के अनुसार खतरनाक हो चुका है तो जब गेंद डेड हो जाए, वह नो बॉल का संकेत स्कोरर्स के लिए दोहराएगा और गेंदबाज को खबरदार करेगा और यह सूचित करेगा कि यह पहली और अंतिम चेतावनी है. वह अपने साथी अंपायर, क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान और बल्लेबाजों को जो हुआ, उसकी सूचना देगा. यह चेतावनी उस गेंदबाज के लिए पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी.

41.7.4 अगर उसी गेंदबाज द्वारा, उसी पारी में, फिर ऐसी ही कोई खतरनाक गेंद फेंकी गई तो अंपायर

- नो बॉल की पुकार लगाएगा औए संकेत देगा.
- जब गेंद डेड हो जाए तो क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करें.
- अपने साथी अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

इसके अतिरिक्त अंपायर

- बल्लेबाजों को, और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.7.5 41.7.3 और 41.7.4 की चेतावनी और कार्रवाई प्रक्रिया (warning and action sequence) 41.6 की प्रक्रिया से स्वतंत्र रहेगी.

41.7.6 यदि अंपायर यह मानता हो कि 41.7.1 के अनुसार अनुचित मानी गई गेंद, गेंदबाज द्वारा जानबूझकर फेंकी गई है तो 41.7.3 में दिये अनुसार खबरदार करने और अंतिम चेतावनी देने की प्रक्रिया को त्याग (dispense) दिया जाएगा. अंपायर

- तुरंत नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.
- जब गेंद डेड हो जाए तो क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करे और अपने साथी अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

- बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देंगे.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.8 जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकना

यदि अंपायर यह मानता है कि गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकी है तो वह

- तुरंत नो बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.
- जब गेंद डेड हो जाए तो क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करे.
- अपने साथी अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

- बल्लेबाजों को, और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.9 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा समय की बर्बादी

41.9.1 किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा समय की बर्बादी करना अनुचित होगा.

41.9.2 अगर कोई अंपायर यह मानता है कि कोई ओवर अनावश्यक रूप से धीमा चल रहा है या क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान या किसी अन्य क्षेत्ररक्षक द्वारा किसी अन्य तरीके से समय बर्बाद किया जा रहा है तो पहले अवसर पर संबंधित अंपायर

- अगर गेंद प्ले में हो तो डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.
- साथी अंपायर को सूचित करेगा कि क्या हुआ है.

गेंदबाज छोर का अंपायर फिर

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को खबरदार करेगा और यह संकेत देगा कि यह पहली और आखिरी चेतावनी है.
- बल्लेबाजों को सूचित करेगा कि क्या हुआ है.

41.9.3 यदि कोई अंपायर यह मानता है कि उसी पारी के दौरान किसी क्षेत्ररक्षक द्वारा फिर से समय बर्बाद किया गया है तो संबंधित अंपायर

– अगर गेंद प्ले में हो तो डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.

– साथी अंपायर को सूचित करेगा कि क्या हुआ है.

गेंदबाज छोर का अंपायर फिर

या तो अगर समय की बर्बादी ओवर के दौरान न हुई हो, बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी प्रदान करेगा और क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को इस कार्रवाई का कारण बताएगा. .

या अगर समय की बर्बादी ओवर के दौरान हुई हो, तो क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करें.

इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

इसके अतिरिक्त, अंपायर बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.10 बल्लेबाज द्वारा समय की बर्बादी

41.10.1 बल्लेबाज द्वारा समय बर्बाद करना अनुचित होगा. सामान्य परिस्थितियों में जब गेंदबाज अपना रन–अप शुरू करने को तैयार हो तो स्ट्राइकर को हमेशा स्ट्राइक लेने के लिए तैयार रहना चाहिए.

41.10.2 अगर दोनों में से कोई भी बल्लेबाज इस आवश्यकता को पूरा नहीं कर पाने से या किसी अन्य तरीके से समय को बर्बाद करे तो निम्न प्रक्रिया अपनाई जाएगी. पहले अवसर (instance) पर, या तो गेंदबाज द्वारा अपना रन–अप शुरू करने के पूर्व या जब गेंद डेड हो जाए तब, जैसे भी उचित हो, अंपायर

- दोनों बल्लेबाजों को खबरदार करेगा और यह संकेत देगा कि यह पहली और आखिरी चेतावनी है. यह चेतावनी पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी. अंपायर हर आने वाले बल्लेबाज को इसकी सूचना देगा.
- दूसरे अंपायर को बताएगा कि क्या हुआ है.

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

41.10.3 अगर उस पारी में किसी भी बल्लेबाज द्वारा फिर समय की बर्बादी की जाती है, तो अंपायर, उचित समय में जब गेंद डेड हो

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन देगा.
- दूसरे अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- दूसरे बल्लेबाज को, क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.11 सुरक्षित क्षेत्र

दोनों पॉपिंग क्रीज़ से पाँच फीट (1.52 मीटर) दूरी पर यदि दो काल्पनिक समानान्तर रेखाएँ खींची जाए जो दोनों छोर के मिडिल स्टम्प को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के दोनों ओर एक–एक फीट (30.48 cm) लंबी हो और इन रेखाओं के सिरों को दो काल्पनिक समानान्तर रेखाओं से जोड़ कर जो आयताकार (rectangle) क्षेत्र बनेगा उसे सुरक्षित क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है.

The protected area is defined as that area of the pitch contained within a rectangle bounded at each end by imaginary lines parallel to the popping creases and 5 ft/1.52 m in front of each, and on the sides by imaginary lines, one each side of the imaginary line joining the centres of the two middle stumps, each parallel to it and 1 ft/30.48 cm from it.

41.12 क्षेत्ररक्षक द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना

41.12.1 पिच को जानबूझकर और परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचाना अनुचित होगा. यह माना जाएगा कि क्षेत्ररक्षक पिच को परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचा रहा है यदि दोनों में से कोई भी अंपायर यह माने कि पिच पर उसकी उपस्थिति बिना पर्याप्त कारण के है.

41.12.2 यदि कोई क्षेत्ररक्षक, 41.13.1 के अलावा, किसी तरह से पिच को परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचाता है, तो पहले अवसर पर उल्लंघन देखने वाला अंपायर, जब भी गेंद डेड होगी, दूसरे अंपायर को इसकी सूचना देगा. गेदबाजी छोर का अंपायर फिर,

- गेंदबाजी कर रही टीम के कप्तान को खबरदार करेगा और यह संकेत देगा कि यह पहली और अंतिम चेतावनी है. यह चेतावनी पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी.
- बल्लेबाजों को सूचित करेगा कि क्या हुआ है.

41.12.3 यदि, उस पारी में पिच को परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचाने का कोई और अवसर आता है, तो उल्लंघन देखने वाला अंपायर, जब भी गेंद डेड होगी, दूसरे अंपायर को इसकी सूचना देगा. गेदबाजी छोर का अंपायर फिर,

- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड बॉल का संकेत देगा, यदि लागू हो तो.
- बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- कोई और 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा, जो लागू हो.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- बल्लेबाजों को, और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

दोनों अंपायर मिलकर मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.13 गेंदबाज का सुरक्षित क्षेत्र में दौड़ना

41.13.1 गेंदबाज द्वारा, अपना गेंदबाजी एक्शन पूरा करने के बाद (in his/her follow through), पर्याप्त कारण के बिना, सुरक्षित क्षेत्र में आना अनुचित माना जाएगा, भले ही गेंद डाली गई हो या नहीं.

41.13.2 अगर गेंदबाज इस नियम का उल्लंघन करता है तो पहले अवसर पर और जब गेंद डेड हो जाए, अंपायर

- गेंदबाज को सावधान (caution) करेगा और दूसरे अंपायर को बताएगा कि क्या हुआ है. यह चेतावनी (caution) उस गेंदबाज पर पूरी पारी के दौरान लागू होगा.
- गेंदबाजी कर रही टीम के कप्तान और बल्लेबाजों को बताएगा कि क्या हुआ है.

41.13.3 यदि उस पारी में, वही गेंदबाज फिर इस नियम का उल्लंघन करता है, तो अंपायर उपरलिखित प्रक्रिया दोहराएगा और संकेत देगा कि यह अंतिम चेतावनी है. यह चेतावनी (final warning) उस गेंदबाज पर पूरी पारी के दौरान लागू होगी.

41.13.4 यदि उस पारी में वही गेंदबाज तीसरी बार नियम का उल्लंघन करता है, तो जब गेंद डेड हो जाए, अंपायर

- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को निर्देश देगा कि वह गेंदबाज को गेंदबाजी से निलंबित करे. यदि लागू हुआ तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा. इस तरह निलंबित किए गए गेंदबाज को उस पारी में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- दूसरे अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.
- बल्लेबाजों को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस घटना की सूचना देगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.14 बल्लेबाज द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना

41.14.1 पिच को जानबूझकर या परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचाना अनुचित है. यदि स्ट्राइकर गेंद खेलते हुए या खेलने के बाद सुरक्षित क्षेत्र में आता है तो उसे तुरंत बाद वहाँ से हट जाना चाहिए. अगर कोई अंपायर यह मानता है कि बल्लेबाज की पिच पर उपस्थिति बगैर किसी पर्याप्त कारण के है तो यह माना जाएगा कि वह बल्लेबाज पिच को परिहार्य नुकसान पहुँचा रहा है.

41.14.2 यदि दोनों में से कोई भी बल्लेबाज पिच को जानबूझकर या परिहार्य नुकसान पहुँचा रहा है – 41.15 में बताए अनुसार छोड़कर, तो पहले अवसर पर उल्लंघन देखने वाला अंपायर, जब गेंद डेड होगी दूसरे अंपायर को जो घटा है उसकी जानकारी देगा. गेंदबाज छोर का अंपायर फिर

- दोनों बल्लेबाजों को खबरदार करेगा कि यह प्रवृत्ति अनुचित है और यह संकेत देगा कि यह पहली और आखिरी चेतावनी है. यह चेतावनी पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी. अंपायर हर आने वाले बल्लेबाज को इसकी सूचना देगा.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

41.14.3 अगर उस पारी में किसी भी बल्लेबाज द्वारा पिच को फिर से परिहार्य (avoidable) नुकसान पहुँचाने का अवसर आता है, तो उल्लंघन देखने वाला अंपायर, जब गेंद डेड हो दूसरे अंपायर को इस घटना की जानकारी देगा.

गेंदबाज छोर का अंपायर

- बल्लेबाजी कर रही टीम के सारे रन अस्वीकार करेगा.
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.
- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड बॉल का संकेत देगा, यदि लागू हो.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- कोई अन्य 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा. केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.15 स्ट्राइकर का सुरक्षित क्षेत्र में आना

41.15.1 स्ट्राइकर सुरक्षित क्षेत्र में या उसके इतने पास स्टांस नहीं लेगा कि उसके द्वारा बार–बार सुरक्षित क्षेत्र में अतिक्रमण टाला न जा सके.

स्ट्राइकर अपना गार्ड पिच पर ले सकता है बशर्ते गार्ड का कोई निशान अनुचित रूप से सुरक्षित क्षेत्र के बहुत पास न हो.

41.15.2 यदि स्ट्राइकर द्वारा 41.15.1 की शर्तों का उल्लंघन किया गया हो, तो जिस अंपायर ने उल्लंघन को देखा हो, यदि गेंदबाज ने गेंदबाजी के अपने अंतिम कदम में प्रवेश नहीं किया हो डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा अन्यथा गेंद के डेड होने का इंतज़ार करेगा और फिर दूसरे अंपायर को घटना की जानकारी देगा.

गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- स्ट्राइकर को खबरदार करेगा कि यह प्रवृत्ति अनुचित है और यह संकेत देगा कि यह पहली और आखिरी चेतावनी है. यह चेतावनी पूरी पारी के दौरान लागू रहेगी. अंपायर नॉन–स्ट्राइकर को और हर आने वाले बल्लेबाज को इसकी सूचना देगा.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को बताएगा कि क्या हुआ है.

41.15.3 यदि इसके बाद उस पारी में, फिर किसी भी बल्लेबाज द्वारा 41.15.1 की किसी भी शर्त का उल्लंघन हुआ तो जिस अंपायर ने उल्लंघन को देखा हो, यदि गेंदबाज ने गेंदबाजी के अपने अंतिम कदम में प्रवेश नहीं किया हो, डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा, अन्यथा गेंद के डेड होने का इंतज़ार करेगा और फिर दूसरे अंपायर को घटना की जानकारी देगा.

गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- बल्लेबाजी कर टीम के सारे रन अस्वीकार करेगा.
- किसी भी नाबाद बल्लेबाज को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.
- स्कोरर्स को नो बॉल या वाइड बॉल का संकेत देगा, यदि लागू हो.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.

- कोई अन्य 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा. केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.16 नॉन–स्ट्राइकर द्वारा अपना मैदान (Ground) समय से पूर्व छोड़ना

41.16.1 अगर नॉन–स्ट्राइकर, गेंद के प्ले में आने के बाद से जिस क्षण गेंदबाज सामान्यतः अपनी गेंद को छोड़ता है, अपने मैदान (ground) से बाहर है तो वह रन आउट होने का उत्तरदायी है. इन परिस्थितियों में नॉन–स्ट्राइकर रन आउट होगा, यदि उसका विकेट गेंदबाज द्वारा स्टंप्स की ओर 'थ्रो' कर या अपने हाथ में गेंद को पकड़ कर गिराया गया हो और उस क्षण वो अपने मैदान से बाहर है भले ही गेंद बाद में फेंकी (delivered) गई हो या नहीं.

41.16.2 यदि गेंद फेंकी (delivered) न गई हो और कोई अपील होती है

- अंपायर रन आउट को लेकर अपना निर्णय देगा. अगर निर्णय नॉट आउट है तो वह जितनी जल्दी हो सके डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.
- गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

41.16.3 यदि गेंद फेंकी (delivered) गई हो और कोई अपील होती है

- अंपायर रन आउट को लेकर अपना निर्णय देगा
- यदि नॉन–स्ट्राइकर विदा (dismissed) नहीं होता, तो गेंद प्ले में रहेगी और नियम 21.6 (गेंद फेंकते वक्त गेंदबाज द्वारा विकेट गिराना) लागू होगा.
- यदि नॉन–स्ट्राइकर विदा (dismiss) होता है तो गेंद को ओवर में से एक नहीं गिना जाएगा.

41.17 बल्लेबाज द्वारा रन चुराना

जब गेंदबाज अपने रन–अप में हो, तो बल्लेबाजों द्वारा रन चुराने का प्रयास अनुचित होगा. जब तक कि गेंदबाज दोनों में से किसी एक बल्लेबाज को रन आउट करने का प्रयास नहीं करता – देखें 41.16 और नियम 21.4 (गेंदबाज द्वारा गेंद फेंकने से पहले स्ट्राइकर की ओर 'थ्रो' करना), अंपायर

- जैसे ही ऐसे प्रयास में बल्लेबाज क्रॉस कर लेते हैं, डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा.
- दूसरे अंपायर को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

गेंदबाजी छोर का अंपायर फिर

- दोनों बल्लेबाजों को अपने मूल छोर पर लौटाएगा.
- क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- कोई अन्य 5 रन की पेनल्टी, जो लागू हो, प्रदान करेगा. केवल नियम 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) के पेनल्टी रन छोड़कर.
- बल्लेबाजों को, क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान को और जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान को इस कार्रवाई का कारण बताएगा.

दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करेंगे.

41.18 पेनल्टी रन

41.18.1 जब किसी भी टीम को पेनल्टी रन प्रदान किए गए हों, जब भी गेंद डेड होगी अंपायर स्कोरर्स को पेनल्टी रन का संकेत देगा. देखें नियम 2.13 (संकेत).

41.18.2 जब भी नियमों की आवश्यकता हो, हर मामले में पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे, भले ही परिणाम हासिल हो गया हो. देखें नियम 16.6 (जीत दिलाने वाली हिट या अतिरिक्त रन (extras))

लेकिन, नियम 23.3 (लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना), 25.7 (स्ट्राइकर के रनर पर बंधन), 28.3 (क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट) और 34.4 (वैधानिक तरीके से एक से ज्यादा बार खेली गई गेंद पर स्वीकृत रन) में पेनल्टी रन प्रदान करने के प्रतिबंध नोट करें.

41.18.3 जब बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए गए हों,

- वे पेनल्टी अतिरिक्त (extras) के रूप में स्कोर किए जाएँगे और किसी और तरह की पेनल्टी के अतिरिक्त होंगे.
- वे तब प्रदान किए जाएँगे जब गेंद डेड हो और न ही वे पिछली गेंद पर या अगली गेंद पर बने हुए माने जाएँगे, और उस गेंद पर बने अन्य रन के अलावा होंगें.
- केवल इस 5 रन की पेनल्टी की वजह से बल्लेबाज अपना छोर नहीं बदलेंगे.

41.18.4 जब क्षेत्ररक्षण कर रही टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए गए हों, तो वे पेनल्टी अतिरिक्त (extras) के रूप में उस टीम की सबसे नवीनतम पूर्ण पारी में जुड़ेंगे. यदि क्षेत्ररक्षण कर रही टीम ने कोई पारी पूरी नहीं की है तो ये 5 पेनल्टी रन अगली पारी में उनके स्कोर में जुड़ेंगे.

नियम 42 – खिलाड़ियों का आचरण (Players' Conduct)

42.1 अस्वीकार्य आचरण

42.1.1 किसी भी अस्वीकार्य आचरण पर अंपायर तुरंत कार्रवाई करेंगे. उल्लंघन के चार दर्ज़े और उन पर की जाने वाली अनुकूल कार्रवाई लेवल 1, लेवल 2, लेवल 3 और लेवल 4 उल्लंघन के रूप में 42.2 से 42.5 में निर्धारित की गई है.

42.1.2 यदि दोनों में से किसी भी अंपायर को लगता है कि मैच के दौरान किसी भी समय, किसी खिलाड़ी का कोई आचरण अस्वीकार्य है तो वह डेड बॉल की पुकार लगाएगा और संकेत देगा. यह पुकार तब तक विलंबित की जा सकती है जब तक अंपायर को लगे कि इससे गैर–अपराधी (non-offending) टीम को कोई नुकसान नहीं होगा.

42.1.3 संबंधित अंपायर मामले की रिपोर्ट दूसरे अंपायर से करेगा और दोनों साथ में तय करेंगे कि कोई दुराचरण हुआ है या नहीं. अगर हुआ है तो उस कृत्य को किस लेवल (श्रेणी) में रखा जा सकता है, जैसा 42.2 से 42.5 में बताया गया है और फिर उसमें दिये गए संबंधित दण्ड (sanctions) लागू करेंगे.

42.1.4 लेवल 1 से 4 में से हर एक के लिए, यदि उल्लंघन बल्लेबाज द्वारा है तो अंपायर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी के कप्तान को मैदान पर बुलाएगा. केवल इसी नियम के उद्देश्य से विकेट पर खेल रहे बल्लेबाज अपने कप्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे.

42.1.5 लेवल 1 से 4 में से हर एक के लिए

- खेल का समय, टाइम की पुकार से प्ले की पुकार तक नष्ट (lost) माना जाएगा. इसमें अंतराल (नियम 11) और खेल के स्थगन (नियम 2.8) का समय शामिल नहीं होगा.
- इतने समय से उस दिन के खेल की समाप्ति का समय बढ़ा दिया जाएगा.
- यदि लागू हुआ तो, केवल इस नष्ट समय की वजह से खेल के आखिरी घंटे में कोई ओवर कम नहीं किए जाएँगे.

42.2 लेवल 1 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.2.1 किसी खिलाड़ी द्वारा इनमें से कोई भी कृत्य, लेवल 1 उल्लंघन माना जाएगा.

- मैच के दौरान उपयोग में लाये जा रहे क्रिकेट मैदान, उपकरण (equipment) या सामग्री (implements) के किसी भाग के साथ जानबूझकर दुराचार (mistreat) करना.
- अंपायर के किसी निर्णय पर शब्द या कृत्य द्वारा असहमति जताना.
- ऐसी भाषा का प्रयोग करना जो उस परिस्थिति में अश्लील, अप्रिय या अपमानजनक हो.
- अश्लील इशारा करना.
- हद से ज्यादा (excessively) अपील करना.
- अपील करते हुए, अंपायर की ओर आक्रामक तरीके से बढ़ना.
- कोई और दुराचरण, जो अंपायर के मतानुसार लेवल 1 उल्लंघन के समकक्ष हो.

42.2.2 यदि ऐसा कोई उल्लंघन हुआ है, तो 42.2.2.1 से 42.2.2.6 में से जो भी उचित हो लागू किया जाएगा, यह देखकर कि यह किसी भी लेवल का पहला उल्लंघन है या नहीं.

42.2.2.1 यदि आवश्यक हुआ तो अंपायर टाइम की पुकार लगाएगा.

42.2.2.2 दोनों अंपायर मिलकर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी के कप्तान को बुलाएँगे और उसे सूचित करेंगे कि इस लेवल का उल्लंघन हुआ है.

42.2.2.3 अगर लेवल 1 का वह उल्लंघन उस टीम द्वारा किसी भी लेवल का पहला उल्लंघन है तो अंपायर

42.2.2.3.1 पहली और अंतिम चेतावनी जारी करेगा जो शेष मैच के लिए उस टीम के सभी खिलाड़ियों पर लागू होगी.

42.2.2.3.2 उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी की टीम के कप्तान को यह खबरदार करेगा कि इसके बाद उसके टीम के किसी भी सदस्य द्वारा अगर फिर से लेवल 1 उल्लंघन किया गया तो विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे.

42.2.2.4 अगर किसी भी लेवल के उल्लंघन के बाद लेवल 1 उल्लंघन होता है, तो अंपायर विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.

42.2.2.5 जितनी जल्दी व्यावहारिक हो, अंपायर प्ले की पुकार लगाएगा.

42.2.2.6 दोनों अंपायर मिलकर मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध इसके आगे की यथोचित कार्रवाई करेंगे.

42.3 लेवल 2 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.3.1 किसी खिलाड़ी द्वारा इनमें से कोई भी कृत्य, लेवल 2 उल्लंघन माना जाएगा.

- अंपायर के किसी निर्णय पर शब्द या कृत्य द्वारा गंभीर असहमति जताना.
- किसी अन्य खिलाड़ी के साथ अनुचित और जानबूझकर (inappropriate and deliberate) शारीरिक स्पर्श करना.
- अनुचित और खतरनाक तरीके से किसी खिलाड़ी, अंपायर या अन्य व्यक्ति पर गेंद फेंकना.
- किसी अन्य खिलाड़ी, अंपायर, टीम के अधिकारी या दर्शक से ऐसी भाषा या इशारे का प्रयोग करना जो उस परिस्थिति में अश्लील, या गंभीर रूप से अपमानजनक प्रकृति के हों.
- या कोई और दुराचरण, जो अंपायर के मतानुसार लेवल 2 उल्लंघन के समकक्ष हो.

42.3.2 यदि ऐसा कोई उल्लंघन हुआ है, तो 42.3.2.1 से 42.3.2.6 लागू किया जाएगा.

42.3.2.1 यदि आवश्यक हुआ तो अंपायर टाइम की पुकार लगाएगा.

42.3.2.2 दोनों अंपायर मिलकर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी के कप्तान को बुलाएँगे और उसे सूचित करेंगे कि इस लेवल का उल्लंघन हुआ है.

42.3.2.3 अंपायर विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.

42.3.2.4 अंपायर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी की टीम के कप्तान को यह खबरदार करेगा कि इसके बाद उसके टीम के किसी भी सदस्य द्वारा अगर फिर से लेवल 1 उल्लंघन किया गया तो विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे.

42.3.2.5 जितनी जल्दी व्यावहारिक हो अंपायर प्ले की पुकार लगाएगा.

42.3.2.6 दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध इसके आगे की यथोचित कार्रवाई करेंगे.

42.4 लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.4.1 किसी खिलाड़ी द्वारा इन दोनों में से कोई भी कृत्य, लेवल 3 उल्लंघन माना जाएगा.

- किसी अंपायर को भाषा या हाव भाव से भयभीत करना.
- अंपायर के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी या व्यक्ति को धमकाना. देखें 42.5.1.

42.4.2 यदि ऐसा कोई उल्लंघन हुआ है, तो 42.4.2.1 से 42.4.2.6 लागू किया जाएगा.

42.4.2.1 यदि आवश्यक हुआ तो अंपायर टाइम की पुकार लगाएगा.

42.4.2.2 दोनों अंपायर मिलकर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी के कप्तान को बुलाएँगे और उसे सूचित करेंगे कि इस लेवल का उल्लंघन हुआ है.

42.4.2.3 अंपायर कप्तान को यह निर्देश देंगे कि वह कि वह उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी को निम्नानुसार समय के लिए खेल के मैदान से बाहर भेज दे.

42.4.2.3.1 जिस मैच में पारी, ओवर की संख्या से सीमित नहीं है, खिलाड़ी को खेल के मैदान से 10 ओवर के लिए निलंबित किया जाएगा. निलंबन के समय प्रगति में चल रहे ओवर की शेष गेंदें इन ओवर में शामिल नहीं होंगी.

42.4.2.3.2 जिस मैच में पारी, ओवर की संख्या से सीमित है, खिलाड़ी को वर्तमान पारी की शुरुआत में आवंटित कुल ओवर की संख्या के पाँचवे हिस्से (One Fifth) के लिए निलंबित किया जाएगा. अगर इन ओवर की गणना करते वक्त, ओवर का कुछ अंश आता है तो उसे पूरा ओवर माना जाएगा. निलंबन के समय प्रगति में चल रहे ओवर की शेष गेंदें इन ओवर में शामिल नहीं होंगी.

42.4.2.3.3 यदि निलंबित खिलाड़ी कोई क्षेत्ररक्षक है, तो उसकी जगह कोई स्थानापन्न (substitute) नहीं दिया जाएगा. उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी अपना निलंबन पूरा करने के तुरंत बाद गेंदबाजी कर सकेगा.

42.4.2.3.4 यदि कोई गेंदबाज ओवर के बीच में निलंबित होता है, तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

42.4.2.3.5 अगर उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी कोई नाबाद (not out) बल्लेबाज है, उसे उसकी ही टीम के किसी खिलाड़ी से बदला जाएगा. उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी अपना निलंबन खत्म करने के बाद किसी विकेट के गिरने पर ही लौट सकता है. अगर बल्लेबाज के निलंबन के दौरान कोई बल्लेबाज उपलब्ध नहीं है तो पारी पूर्ण मानी जाएगी. अगर किसी भी वजह से उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी अपनी पारी जारी नहीं रखता तो उसे रिटायर्ड – नॉट आउट के रूप में दर्ज किया जाएगा.

42.4.2.3.6 यदि उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी बल्लेबाजी कर रही टीम का विदा (dismissed) हुआ खिलाड़ी है, तो उसके निलंबन की अवधि अगली पारी से पहले शुरू नहीं होगी. इसके अतिरिक्त, इन परिस्थितियों में, उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी जिस पारी में वह निलंबित है, रनर की भूमिका नहीं निभा सकेगा.

42.4.2.3.7 उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी की टीम के कप्तान को यह खबरदार करेगा कि इसके बाद उसके टीम के किसी भी सदस्य द्वारा अगर फिर से लेवल 1 उल्लंघन किया गया तो विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे.

42.4.2.3.8 निलंबन अवधि के शेष बचे ओवर मैच की अगली या उसके बाद की पारियों में ले जाए जाएँगे. पारी समाप्ति पर बचा अपूर्ण ओवर, खिलाड़ी की निलंबन अवधि की गणना में नहीं लिया जाएगा.

42.4.2.4 जैसे ही व्यावहारिक हो, अंपायर

- विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- स्कोरर्स को लेवल 3 पेनल्टी का संकेत देगा.
- प्ले की पुकार लगाएगा.

42.4.2.5 दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध इसके आगे की यथोचित कार्रवाई करेंगे.

42.5 लेवल 4 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.5.1 किसी खिलाड़ी द्वारा इनमें से कोई भी कृत्य, लेवल 4 उल्लंघन माना जाएगा.

- अंपायर को मारपीट (assault) की धमकी देना.
- किसी अंपायर के साथ अनुचित और जानबूझकर (inappropriate and deliberate) शारीरिक स्पर्श करना.
- किसी खिलाड़ी या व्यक्ति के साथ मारपीट करना.
- कोई और हिंसक कृत्य करना.

42.5.2 यदि ऐसा कोई उल्लंघन हुआ है, तो 42.5.2.1 से 42.5.2.5 लागू किया जाएगा.

42.5.2.1 यदि आवश्यक हुआ तो अंपायर टाइम की पुकार लगाएगा.

42.5.2.2 दोनों अंपायर मिलकर उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी के कप्तान को बुलाएँगे और उसे सूचित करेंगे कि इस लेवल का उल्लंघन हुआ है.

42.5.2.3 अंपायर कप्तान को यह निर्देश देंगे कि वह उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी को शेष मैच के लिए खेल के मैदान से बाहर भेज दे और निम्न को लागू करेंगे.

42.5.2.3.1 यदि उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी क्षेत्ररक्षक है, उसके लिए कोई भी स्थानापन्न (substitute) नहीं दिया जाएगा. जब उसकी टीम बाद की किसी पारी में बल्लेबाजी करेगी तो पारी के शुरू में ही उसे रिटायर्ड – आउट के रूप में दर्ज की जाएगी.

42.5.2.3.2 यदि गेंदबाज को ओवर के बीच में निलंबित कर दिया गया हो, तो वह ओवर किसी ऐसे गेंदबाज द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसने न ही पिछला ओवर या उसका कोई अंश डाला हो और न ही वह अगले ओवर का कोई अंश डाल पाएगा.

42.5.2.3.3 अगर उल्लंघन करने वाला खिलाड़ी बल्लेबाज है, तो वर्तमान पारी में उसे रिटायर्ड – आउट के रूप में दर्ज किया जाएगा जब तक कि वह नियम 32 से 39 के तहत किसी नियम के अनुसार विदा (dismiss) न हो चुका हो. उसके टीम की अगली पारी के शुरू में भी उसे रिटायर्ड – आउट के रूप में दर्ज किया जाएगा. अगर कोई अन्य बल्लेबाज, बल्लेबाजी के लिए बचा न हो तो उस पारी को पूर्ण माना जाएगा.

42.5.2.3.4 उल्लंघन करने वाले खिलाड़ी की टीम के कप्तान को यह खबरदार करेगा कि इसके बाद उसके टीम के किसी भी सदस्य द्वारा अगर फिर से लेवल 1 उल्लंघन किया गया तो विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान किए जाएँगे.

42.5.2.4 जैसे ही व्यावहारिक हो, अंपायर

- विपक्षी टीम को 5 पेनल्टी रन प्रदान करेगा.
- स्कोरर्स को लेवल 4 पेनल्टी का संकेत देगा.
- प्ले की पुकार लगाएगा.

42.5.2.5 दोनों अंपायर मिलकर, मैच के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, इस घटना की रिपोर्ट दोषी टीम के प्राधिकारी को और मैच आयोजित करवाने वाली संस्था को देंगे जो कप्तान, किसी अन्य संबंधित व्यक्ति, और यदि उचित हो तो टीम के विरुद्ध इसके आगे की यथोचित कार्रवाई करेंगे.

42.6 कप्तान द्वारा किसी खिलाड़ी को मैदान से हटाने से इंकार करना

42.6.1 यदि कोई कप्तान, 42.4.2.3 या 42.5.2.3 के तहत दिया गया निर्देश का पालन करने से माना करता है तो अंपायर नियम 16.3 (अंपायरों द्वारा मैच प्रदान (award) करना) का उपयोग करेंगे.

42.6.2 यदि दोनों कप्तान एक ही घटना से संबंधित, 42.4.2.3 या 42.5.2.3 के अंतर्गत दिये गए निर्देशों का पालन करने से मना करते हैं तो अंपायर खिलाड़ियों से मैदान छोड़ने को कहेंगे. मैच को नियम 12.9 (मैच की समाप्ति) के अनुसार समाप्त नहीं माना जाएगा और और नियम 16 (द रिज़ल्ट) के तहत मैच बिना परिणाम (no result) होगा.

42.7 लेवल 3 और लेवल 4 उल्लंघन से संबंधित अतिरिक्त बिन्दु

42.7.1 अगर कोई खिलाड़ी, विकेट–कीपर की भूमिका निभाते हुए लेवल 3 और लेवल 4 का उल्लंघन करता है, नियम 24.1.2 (स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक) लागू नहीं होगा, अर्थात केवल एक नामित खिलाड़ी ही विकेट–कीपर की भूमिका निभा पाएगा भले ही कोई अन्य खिलाड़ी घायल हो जाए और उसे स्थानापन्न से बदला जाए.

42.7.2 नामित खिलाड़ी के लिए अगर कोई स्थानापन्न या रनर की भूमिका निभा रहा हो, तो स्थानापन्न या रनर द्वारा लेवल 3 या लेवल 4 के उल्लंघन का दंड, नामित खिलाड़ी को भुगतना पड़ेगा.

42.7.2.1 जब उल्लंघन स्थानापन्न द्वारा किया गया हो, तो नामित खिलाड़ी और स्थानापन्न दोनों को 42.4.2.3 या 42.5.2.3 , जैसा भी उचित हो, में परिभाषित दंड भुगतना पड़ेगा. लेकिन केवल स्थानापन्न की रिपोर्ट की जाएगी जैसा 42.4.2.5 या 42.5.2.5 में है.

42.7.2.2 जब उल्लंघन रनर द्वारा किया गया हो, तो बल्लेबाज जिसके साथ रनर है और रनर दोनों को 42.4.2.3 या 42.5.2.3 , जैसा भी उचित हो, में परिभाषित दंड भुगतना पड़ेगा. लेवल 4 उल्लंघन का दंड (42.5.2.3) रनर पर शेष मैच में लागू रहेगा लेकिन बल्लेबाज जिसके साथ रनर था, पर केवल वर्तमान पारी में लागू होगा.

परिशिष्ट A (Appendix A)
पाठ में अपरिभाषित शब्द या वाक्यांश की परिभाषाएँ और व्याख्या

A1 द मैच (The Match)

A1.1 **खेल (The game)** शब्द का प्रयोग इन नियमों में, सामान्य रूप से क्रिकेट के खेल के लिए किया गया है.

A1.2 **मैच (Match)** दो टीमों के बीच क्रिकेट के नियमों के तहत खेला जाने वाला एक मुक़ाबला है.

A1.3 **टॉस (Toss)** पारी के चुनाव के लिए किया जाता है.

A1.4 **टॉस के पूर्व (Before the toss)** का अभिप्राय, मैच शुरू होने के संभावित दिन टॉस के पूर्व किसी भी समय से या एक दिन के मैच में जिस दिन मैच होना तय हुआ हो उस दिन टॉस के पूर्व के समय से होगा.

A1.5 **मैच के पूर्व (Before the match)** का अभिप्राय, टॉस के पूर्व किसी भी समय से होगा और जिस दिन टॉस होने वाला हो उस दिन तक सीमित नहीं रहेगा.

A1.6 **मैच के दौरान (During the match)** का अभिप्राय, टॉस के बाद से लेकर मैच समाप्ति का समय होगा, भले ही उस समय खेल चल रहा हो या नहीं.

A1.7 **खेल का समय (Playing time)** का अभिप्राय, प्ले की पुकार से लेकर टाइम की पुकार के बीच का समय होगा. देखें नियम 12.1 (प्ले की पुकार) और 12.2 (टाइम की पुकार).

A1.8 **मैच का संचालन (Conduct of the match)** – मैच के किसी भी दिन, किसी भी समय, मैच के प्रासंगिक कोई भी घटना (action) मैच के संचालन में शामिल होगी.

A2 सामग्री और उपकरण (Implements and equipment)

A2.1 **मैच में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री (implement used in the match)** बल्ला (The Bat), गेंद (The Ball), स्टंप्स (The Stumps) और बेल्स (Bails) हैं.

A2.2 **बाहरी सुरक्षा उपकरण (External protective equipment)** – किसी बाहरी चोट से बचने के लिए पहनी गई बाहर से दिखने वाली परिधान की वस्तुएँ.

किसी बल्लेबाज के लिए स्वीकृत उपकरण – सुरक्षा हेलमेट (protective helmet), बाहरी लेग गार्ड्स (batting pads), बल्लेबाज के दस्ताने (batting gloves) और अगर दिख रहे हों तो कोहनी से कलाई तक के गार्ड्स (forearm guards) होंगे.

विकेट–कीपर के अलावा किसी क्षेत्ररक्षक के लिए केवल सुरक्षा हेलमेट (protective helmet) ही स्वीकृत होगा. विकेट–कीपर विकेट कीपिंग पैड्स (wicket-keeping pads) और दस्ताने (Gloves) भी पहन सकेगा.

A2.3 **सुरक्षा हेलमेट (protective helmet)** सिर पर पहना जाने वाला उपकरण होगा जो किसी कड़ी वस्तु का बना होगा और उसकी बनावट इस प्रकार से होगी कि वह सिर या चेहरे या दोनों को सुरक्षा दे सके. इन नियमों की व्याख्या के लिए इस वर्णन में मुख कवच (face guard) भी शामिल होगा.

A2.4 **उपकरण (equipment)** – बल्लेबाज के उपकरण में उसका बल्ला और उसके द्वारा पहना गया कोई बाहरी सुरक्षा उपकरण (External protective equipment) शामिल होगा.

क्षेत्ररक्षक का उपकरण उसके द्वारा पहना गया सुरक्षा हेलमेट होगा.

A2.5 **बल्ला (The Bat)** – निम्न को बल्ले का हिस्सा माना जाएगा.

- सम्पूर्ण बल्ला
- सम्पूर्ण दस्ताना या दस्ताने (glove or gloves) जो बल्ला पकड़े हुए हाथ या हाथों (hand or hands) में पहना गया हो.
- हाथ (hand or hands) जिससे बल्ले को पकड़ा गया है, अगर बल्लेबाज ने उस हाथ या हाथों में दस्ताने नहीं पहने हो.

A2.6 बल्लेबाज द्वारा पकड़ा हुआ (Held in batsman's hand) – यह माना जाएगा कि बल्लेबाज़ ने उस हाथ में बल्ला पकड़ा हुआ है यदि बल्लेबाज के हाथ या हाथों में पहने हुए दस्ताने और बल्ले के बीच कोई संपर्क हो रहा हो.

A3 खेल का क्षेत्र (The Playing area)

A3.1 खेल का क्षेत्र (The field of play) – वह पूरा क्षेत्र जो बाउंड्री के अंदर है.

A3.2 स्क्रेयर (The square) – खेल के क्षेत्र में विशेष रूप से तैयार किया गया हिस्सा जिसके अंदर मैच पिच होती है.

A3.3 आउटफील्ड (The outfield) – खेल के क्षेत्र का वह भाग जो स्क्रेयर और बाउंड्री के बीच स्थित है.

A4 स्थिति निर्धारण (Positioning)

A4.1 पॉपिंग क्रीज़ के पीछे (Behind the popping crease) – एक छोर पर खेल के क्षेत्र का वह भाग जिसमें कोई अन्य चिन्हांकन (marking), वस्तु (objects) या व्यक्ति (persons) शामिल हैं जो पिच के उस क्षेत्र में स्थित है जिसमें पिच के विपरीत छोर की क्रीज़ शामिल न हो. किसी अन्य चिन्हांकन (marking), वस्तु (objects) या व्यक्ति (persons) के संबंध में 'पीछे' के मामले में यही सिद्धांत लागू होगा. A13 की आकृति (diagram) देखें.

Behind the popping crease at one end of the pitch is that area of the field of play, including any other marking, objects and persons therein, that is on that side of the popping crease that does not include the creases at the opposite end of the pitch. Behind, in relation to any other marking, object or person, follows the same principle. See the diagram in A13.

A4.2 पॉपिंग क्रीज़ के सामने (In front of the popping crease) – एक छोर पर खेल के क्षेत्र का वह भाग जिसमें कोई अन्य चिन्हांकन (marking), वस्तु (objects) या व्यक्ति (persons) शामिल हैं जो पिच के उस क्षेत्र में स्थित है जिसमें पिच के विपरीत छोर की क्रीज़ शामिल हो. किसी अन्य चिन्हांकन (marking), वस्तु (objects) या व्यक्ति (persons) के संबंध में 'सामने' के मामले में यही सिद्धांत लागू होगा. A13 की आकृति (diagram) देखें.

In front of the popping crease at one end of the pitch is that area of the field of play, including any other marking, objects and persons therein, that is on that side of the popping crease that includes the creases at the opposite end of the pitch. In front of, in relation to any other marking, object or person, follows the same principle. See the diagram in A13.

A4.3 स्ट्राइकर छोर (The striker's end) – केवल पहचान के लिए वह स्थान जहाँ गेंदबाज की गेंद खेलने के लिए स्ट्राइकर खड़ा होता है, जो इस बात से स्वतंत्र है कि स्ट्राइकर बाद में कहीं और चला जाए.

A4.4 गेंदबाज छोर (The bowler's end) – वह छोर जहाँ से गेंदबाज गेंद फेंकता है. यह स्ट्राइकर छोर के विपरीत वाला छोर होता है जो इसकी पहचान करता है कि वह छोर स्ट्राइकर छोर नहीं है जैसा A4.3 में बताया गया है.

A4.5 विकेट–कीपर छोर (The wicket-keeper's end) – A4.3 में वर्णित स्ट्राइकर छोर जैसा ही.

A4.6 स्ट्राइकर के विकेट की लाइन के सामने (In front of the line of the striker's wicket) – खेल के मैदान का वह क्षेत्र जो स्ट्राइकर छोर के स्टंप्स के सामने के हिस्से को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के सामने हो. यह काल्पनिक रेखा दोनों सिरों से बाउंड्री तक विस्तारित (extended) मानी जाएगी. देखें A4.2.

A4.7 विकेट के पीछे (Behind the wicket) – खेल के मैदान का वह क्षेत्र जो उस छोर विशेष (appropriate end) के स्टंप्स के पीछे वाले हिस्से को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखा के पीछे हो. यह काल्पनिक रेखा दोनों सिरों से बाउंड्री तक विस्तारित (extended) मानी जाएगी. देखें A4.1.

A4.8 विकेट–कीपर के पीछे (Behind the wicket-keeper) – स्ट्राइकर छोर के विकेट के पीछे जैसा ऊपर परिभाषित है लेकिन दोनों छोर के स्टंप्स की लाइन में और विकेट–कीपर की तुलना में स्टंप्स से और दूर.

A4.9 ऑफ साइड/ऑन साइड (Off side/On Side) – A13 की आकृति (diagram) देखें.

A4.10 अंदरूनी किनारा (inside edge) – वह किनारा (सिरा) जो पास के विकेट की ओर हो (same side as the nearer wicket).

A5 अंपायर (Umpires)

A5.1 अंपायर (Umpire) - जब भी अंपायर (the umpire) अकेले प्रयोग किया गया गया हो, उसके मायने हमेशा गेंदबाज छोर के अंपायर से रहेंगे हालांकि यह शब्द कई बार ज़ोर देने के लिए या स्पष्ट करने के लिए भी प्रयोग किया गया है. उसी तरह अंपायरों (the umpires) का मतलब हमेशा दोनों अंपायर होता है. वैसे अंपायर और अम्पायरों (an umpire and umpires) सामान्यीकृत शब्द हैं. अन्यथा सम्पूर्ण विवरण यह बताता है कि कौन से अंपायर विशेष की बात हो रही है. हर अंपायर बारी–बारी से एक–एक ओवर के लिए स्ट्राइकर छोर और गेंदबाज छोर का अंपायर होगा.

A5.2 गेंदबाज छोर का अंपायर (Bowler's end umpire) वह अंपायर है जो वर्तमान गेंद के लिए गेंदबाज छोर (देखें A4.4) पर खड़ा है.

A5.3 स्ट्राइकर छोर का अंपायर (Striker's end umpire) वह अंपायर है जो वर्तमान गेंद के लिए स्ट्राइकर छोर (देखें A4.3) पर उसकी पसंद के अनुसार पिच के किसी एक तरफ खड़ा है.

A5.4 दोनों अंपायर का सहमत होना (Umpire's together agree) उन फैसलों के बारे में है, जो दोनों अंपायरों को आपसी सलाह से, बिना खिलाड़ियों से बात किए लेने होते है.

A6 बल्लेबाजों (Batsmen)

A6.1 बल्लेबाजी कर रही टीम (Batting side) वह टीम है जो वर्तमान में बल्लेबाजी कर रही हो, भले खेल चल रहा हो या नहीं.

A6.2 बल्लेबाजी कर रही टीम का सदस्य (Member of the batting side) वह खिलाड़ी है जिसे बल्लेबाजी कर रही टीम के कप्तान ने नामित किया है या फिर नामित खिलाड़ी का अधिकृत रूप से प्रतिस्थापित (replacement) किया गया खिलाड़ी.

A6.3 बल्लेबाज का मैदान (a batsman's ground) – पिच के दोनों छोर पर पॉपिंग क्रीज़ के पीछे का हिस्सा उस छोर के लिए बल्लेबाज का मैदान है.

A6.4 मूल छोर (Original end) वह छोर है जहाँ पर बल्लेबाज उस समय था जब वह गेंद प्ले में आई.

A6.5 उसके द्वारा छोड़ा गया मैदान (Wicket he/she has left) उस छोर का विकेट है जहाँ पर बल्लेबाज प्रगति में चल रहे रन के शुरू में था.

A6.6 गार्ड की स्थिति (Guard position) – वह स्थान और मुद्रा (posture) जो स्ट्राइकर ने गेंदबाज द्वारा फेंकी गई गेंद को खेलने के लिए अपना रखी है.

A6.7 इन नियमों के लिहाज से कमर की ऊंचाई (waist height) वह बिन्दु होगा जहाँ तक सामान्य परंपरा के अनुसार, बल्लेबाज का पतलून (trousers) आता हो, यदि बल्लेबाज पॉपिंग क्रीज़ पर सीधा खड़ा हुआ हो.

A7 क्षेत्ररक्षक

A7.1 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम (Fielding side) वह टीम होगी जो वर्तमान में क्षेत्ररक्षण कर रही है भले ही खेल चल रहा हो या नहीं.

A7.2 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम का सदस्य (Member of the fielding side) उन खिलाड़ियों में से एक है जिसे क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के कप्तान ने नामित किया है या फिर ऐसे किसी नामित खिलाड़ी का अधिकृत रूप से प्रतिस्थापित (replacement) या स्थानापन्न (substitute) खिलाड़ी.

A7.3 क्षेत्ररक्षक (Fielder) उन ग्यारह या कम खिलाड़ियों में से एक, जो मिलकर खेल के मैदान में क्षेत्ररक्षण कर रही टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं. इस परिभाषा में न केवल गेंदबाज और विकेट–कीपर आते हैं, बल्कि वह नामित खिलाड़ी भी जो नियमानुसार खेल के मैदान में हों या अनुपस्थित नामित खिलाड़ियों के स्थान पर वैधानिक रूप से भूमिका निभा रहे स्थानापन्न. इसमें वह नामित खिलाड़ी शामिल नहीं होते जो मैदान से अनुपस्थित रहे हों और उन्होंने मैदान में लौटने के लिए अंपायर की मंजूरी अभी तक प्राप्त नहीं की हो.

खिलाड़ी जो क्षेत्ररक्षक के तौर पर अपना दायित्व निभाने के लिए कुछ क्षणों के लिए मैदान से बाहर गया हो उसे मैदान से अनुपस्थित नहीं माना जाएगा और न ही नियम 24.2 (क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति या मैदान छोड़ना) के लिहाज से यह माना जाएगा कि उसने मैदान छोड़ा है.

A8 **स्थानापन्न, प्रतिस्थापित और रनर्स (Substitutes, Replacements and Runners)**

A8.1 **स्थानापन्न (A Substitute)** वह खिलाड़ी होता है जो खेल के मैदान में किसी क्षेत्ररक्षक का स्थान लेता है लेकिन नामित खिलाड़ियों की सूची में वह मूल खिलाड़ी का स्थान नहीं लेता. स्थानापन्न की क्रियाएँ क्षेत्ररक्षण तक सीमित रहती है.

A8.2 **प्रतिस्थापित खिलाड़ी (A Replacement)** वह खिलाड़ी होता है जो नामित खिलाड़ी का स्थान लेकर खुद नामित खिलाड़ी बन जाता है. प्रतिस्थापित खिलाड़ी कि मैदान पर गतिविधियाँ किसी नामित खिलाड़ी से ज्यादा सीमित नहीं होती.

A8.3 **रनर (A Runner)** एक नामित खिलाड़ी होता है, जो किसी नामित खिलाड़ी के स्थान पर दौड़ता है जब वह नामित खिलाड़ी बल्लेबाजी कर रहा हो और दौड़ नहीं पाता.

A9 **गेंदबाज (Bowlers)**

A9.1 **ओवर द विकेट/राउंड द विकेट (Over the wicket/round the wicket)** अगर जब गेंदबाज, गेंद फेंकने के लिए विकेट और रिटर्न क्रीज़ के बीच से दौड़े और विकेट उसी तरफ हो जिस तरफ उसकी गेंदबाजी करने वाली बाजू है तो वह ओवर द विकेट गेंदबाजी कर रहा है. यदि गेंदबाजी करने वाली बाजू रिटर्न क्रीज़ की ओर हो तो वह राउंड द विकेट गेंदबाजी कर रहा है.

A9.2 **गेंद छोड़ते वक़्त बाजू घुमाना (Delivery swing)** गेंदबाज के गेंदबाजी बाजू की वह चाल (motion) है जिसमें वह सामान्यतः गेंद को छोड़ता है.

A9.3 **गेंदबाजी का अंतिम कदम (Delivery stride)** वह कदम है जिसमें गेंदबाज गेंद छोड़ने के लिए अपनी बाजू घुमाता है भले ही बाद में वह गेंद छोड़े या नहीं. इसकी शुरुआत तब होती है जब गेंदबाज का पिछला पैर (back foot) उस आखिरी कदम के लिए जमीन पर गिरता (lands) है और खत्म तब होती है जब उसी कदम में आगे का पैर (front foot) गिरता (lands) है. अंतिम कदम के बाद का कदम (stride after the delivery stride) वह कदम होता है जब पिछला पैर (back foot) फिर से जमीन पर गिरता (land) है.

A10 **गेंद (The ball)**

A10.1 **गेंद का टकराना/गेंद पर प्रहार (The ball is struck/strikes the ball)** – जब तक कि कुछ और परिभाषित नहीं है, इसका अर्थ यह होगा कि गेंद बल्ले से टकराती है या गेंद पर बल्ले से प्रहार हुआ है.

A10.2 **सीधे टकराना/सीधे लगना (Rebounds directly/strikes directly)** – इसका अर्थ होगा कि गेंद बिना क्षेत्ररक्षक के संपर्क के सीधे लगी है लेकिन इसमें गेंद का ज़मीन से संपर्क शामिल नहीं है.

A10.3 **फुल–पिच (Full-pitch)** गेंदबाज द्वारा फेंकी गई उस गेंद को वर्णित करती है जो जमीन को छूए बगैर स्ट्राइकर तक पहुँच जाए या स्ट्राइकर के पार निकाल जाए. इसे पिच न होने वाली (non pitching) गेंद भी कहा जाता है.

A11 **रन (Runs)**

A11.1 **अस्वीकार किया जाने वाला रन (run to be disallowed)** वह रन है जिसे नियमों के अनुसार लिया नहीं जाना था. इसे न केवल रद्द (cancel) किया जाना होता है बल्कि बल्लेबाजों को अपने मूल छोर पर लौटाया भी जाता है.

A11.2 **स्कोर नहीं किया जाने वाला रन (run not to be scored)** वह रन है जो अवैधानिक तो नहीं है लेकिन इसे उचित तरीके से पूरा किया गया रन नहीं माना जाता. यह रन बना ही नहीं तो उसे रद्द (cancel) करने का सवाल ही नहीं उठता है. प्रयास किए गए ऐसे रन का नुकसान, अस्वीकार किया जाना (disallowance) नहीं होगा और इस वजह से बल्लेबाज अपने मूल छोर पर नहीं लौटेंगे.

A12 **शरीर (The person)**

A12.1 **शरीर (Person);** खिलाड़ी का शरीर (person) उसका भौतिक शरीर (बदन और खून) है और साथ ही कोई कपड़े या वैधानिक बाहरी सुरक्षा उपकरण जो उसने पहना हो. बल्लेबाज के मामले में इसमें उसका बल्ला शामिल नहीं होगा.

हाथ जिसमें दस्ताने (gloves) पहने हुए हों या नहीं पहने हुए हो, अगर बल्ले को पकड़े हुए नहीं है, वो बल्लेबाज के शरीर का हिस्सा हैं.

परिधान या उपकरण की कोई भी वस्तु (items of clothing or equipment) शरीर नहीं है, यदि वह उसके साथ जुड़ी नहीं है.

बल्लेबाज के लिए, हाथ में पकड़ा हुआ दस्ताना (glove) अगर पहना हुआ नहीं है तो वह उसके शरीर का भाग है.

क्षेत्ररक्षक के परिधान या उपकरण की कोई वस्तु यदि उसने हाथ में पकड़ रखी हो, तो उसके शरीर का हिस्सा नहीं है.

A12.2 परिधान (Clothing) - खिलाड़ी ने जो भी पहना हो, जैसे चश्मा या आभूषण जिसे बाहरी सुरक्षा उपकरण की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता को परिधान कहा जाएगा भले ही उसने सुरक्षा के लिए ऐसी कोई वस्तु पहन रखी हो जो बाहर से दिखाई नहीं देती. बल्लेबाज द्वारा पकड़ा गया बल्ला इस परिभाषा में नहीं आएगा.

A12.3 हाथ (Hand) विकेट–कीपर और बल्लेबाज के लिए हाथ में दोनों हाथ और उसमें पहने गए दस्ताने (gloves) शामिल होंगे.

A13 ऑफ साइड/ऑन साइड; पॉपिंग क्रीज़ के आगे/पीछे (off side/on side; in front of/behind the popping crease)

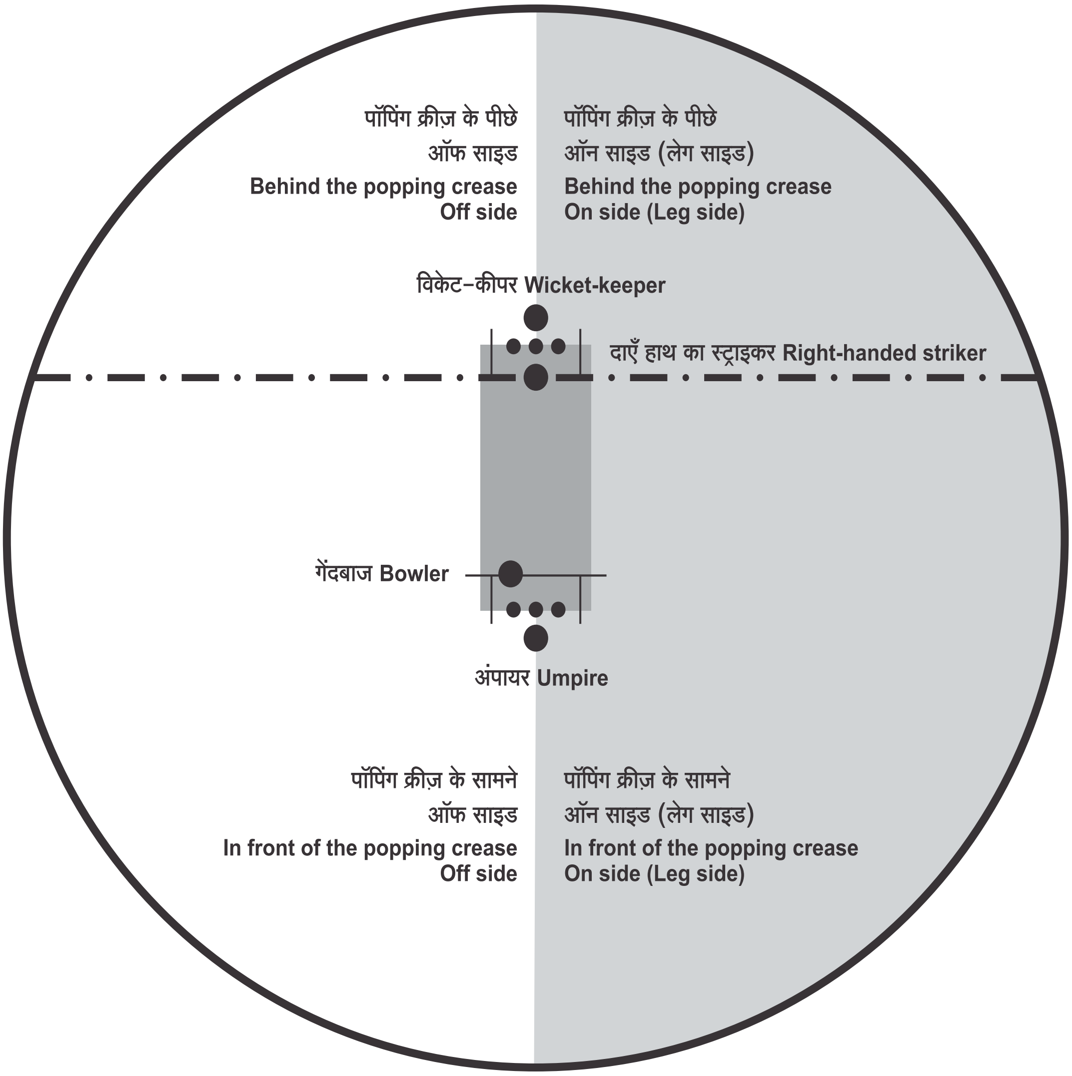

परिशिष्ट B (Appendix B)
द बैट (नियम 5)

B.1. सामान्य दिशा निर्देश (General guidance)

B.1.1. माप (Measurements) – B.2 से B.6 के सभी प्रावधान नियमों और इस परिशिष्ट में दिये गए माप और बंधनों के अधीन होंगें.

B.1.2. गोंद (Adhesives) – हमेशा गोंद का उपयोग तभी किया जाएगा जब आवश्यक हो और वो भी न्यूनतम मात्रा में.

B.1.3. बल्ले की श्रेणियाँ (Categories of bat) – नीचे दिये गए विनिर्देश टाइप A, B, C और D बल्ले से संबंधित है जब तक कि अलग से कहा न गया हो.

B.2. हैंडल (दस्ते) के लिए विनिर्देश (Specifications)

B.2.1. हैंडल का एक सिरा, ब्लेड़ के ऊपरी सिरे में फिट किया जाता है, जिससे कि दोनों आपस में जुड़े रहे.

यह निचला सिरा केवल हैंडल और ब्लेड़ को जोड़ने के लिए उपयोग में लाया जाता है. यह ब्लेड़ का हिस्सा नहीं होता है लेकिन केवल नीचे दिये गए B.3 और B.4 की व्याख्या के लिए उस सिरे को भी ब्लेड़ का ही हिस्सा माना जाएगा.

B.2.2 हैंडल को आवश्यकतानुसार गोंद के उपयोग से चिपकाया जा सकता है और उसके ऊपरी हिस्से को धागे (twine) से लपेट कर मजबूत किया जा सकता है.

इस शर्त पर कि नियम 5.5 का उल्लंघन न हो, हैंडल के ऊपरी हिस्से को किसी ऐसी वस्तु से ढका (cover) जा सकता है जो पकड़ (grip) के लिए उचित हो. ऐसी वस्तु (covering) अलग मानी जाएगी और केवल नियम 5.6 के संदर्भ के अलावा बल्ले का हिस्सा नहीं मानी जाएगी. इस पकड़ (grip) का निचला हिस्सा B.2.4 में बताए बिन्दु से नीचे नहीं फैलना चाहिए.

धागे का बंधन और उसे ढकने वाली पकड़, हैंडल के ऊपरी और निचले हिस्से तक फैल (extend) सकती है और B.3.1 की परिभाषा के अनुसार बल्ले के कंधों (shoulders) तक जा सकती है.

हैंडल के निचले हिस्से में ऊपर बताए अलावा, कोई भी पदार्थ रखा या फंसाया नहीं जा सकता. न्यूनतम गोंद और चिपकाने वाली टेप केवल इन्हें जोड़े रखने के लिए इस्तेमाल की जाएगी या हैंडल को ब्लेड से जोड़ने के लिए प्रयुक्त की जाएगी.

B.2.3 हैंडल में लगाए जाने वाले पदार्थ (Materials in handle) – हैंडल के कुल फैलाव (volume) में से बेंत, लकड़ी और धागा छोड़कर किसी अन्य पदार्थ का फैलाव अनुपात के लिहाज से टाइप A और B बल्ले में दसवें हिस्से से अधिक और टाइप C और D बल्ले में पांचवें हिस्से से अधिक नहीं होना चाहिए. ऐसे कोई पदार्थ हैंडल के निचले हिस्से में 3.25 इंच/8.26 से.मी. से ज्यादा फैले नहीं होना चाहिए

B.2.4 हैंडल की जिल्दबंदी और आवरण (Binding and covering of handle) – हैंडल के ऊपरी और निचले हिस्से में स्वीकृत फैलाव (extend) निम्न अनुसार अधिकतम लंबाई तक सीमित रहेगा.

धागे द्वारा जिल्दबंदी (Binding) – 2.5 इंच (6.35 से.मी.)

आवरण पकड़ (Covering grip) – 2.75 इंच (6.99 से.मी.)

B.3 ब्लेड़ के लिए विनिर्देश

B.3.1 ब्लेड़ में एक अग्र भाग (face), पिछला भाग (a back), निचला सिरा (a toe), बगल (sides) और कंधें (shoulders) होते हैं.

B.3.1.1 ब्लेड का अग्र भाग, प्रहार करने वाली मुख्य सतह होती है. यह सतह सपाट होना चाहिए या परंपरागत बनावट तकनीकों के कारण दबाव के फलस्वरूप थोड़ा सा उत्तल (बीच से दबा हुआ) (slight convex curve) हो सकती है. उसका पिछला भाग अग्र भाग की विपरीत सतह होती है.

B.3.1.2 अग्र भाग और पिछले भाग को अलग करने वाली बाकी सतह –निचली सतह, बगल और कंधा होता है.

B.3.1.3 हैंडल के दोनों तरफ एक एक कंधा होता है. ये हैंडल के पहले प्रवेश बिन्दु से लेकर वहाँ तक रहता है जहां ब्लेड अपने अधिकतम चौड़ाई पर होता है.

B.3.1.4 निचला भाग (toe), संयुक्त रूप से लिए गए दोनों कंधों के ठीक विपरीत होता है.

B.3.1.5 निचले भाग और कंधों के बीच में बल्ले के दोनों तरफ बगल होती है.

B.3.2 B.2.4, B.3.3, और नियम 5.4 में स्वीकृत न्यूनतम गोंद, चिपकाने वाली टेप जो केवल इसी काम के लिए प्रयोग में लाये जाते हैं या हैंडल को ब्लेड से चिपकाने के लिए प्रयोग में लाये जाते हैं, के अलावा ब्लेड के ऊपर कोई भी पदार्थ रखा या फंसाया नहीं जा सकता.

B.3.3 **ब्लेड का आवरण (Covering the blade)** नियम 5.4 में दी गई स्वीकृति के अलावा टाइप A और टाइप B बल्लों में किसी प्रकार का आवरण (covering) नहीं होगा. टाइप C और टाइप D बल्लों में कपड़े का आवरण हो सकता है. इसमें B.4.1 में दिये अनुसार उपचार (treated) किया जा सकता है

टाइप C और टाइप D बल्लों पर स्वीकृत कपड़े का आवरण, B.4.1 में स्वीकृत उपचार के पहले 0.012 इंच/0.3 मिलीमीटर से ज्यादा नहीं होगा.

ऊपर दिया गया कोई भी पदार्थ जैसा नियम 5.4 और B.4 में बताया गया है, बल्ले का भाग माना जाएगा और इसको लगाए जाने के बाद भी बल्ला B.8 में दिये गए पैमाने (gauge) में से निकलना चाहिए.

B.4 सुरक्षा और सुधार (Protection and repair)

B.4.1 ब्लेड की सतह का किसी गैर ठोस पदार्थ से उपचार किया जा सकता जिससे बल्ले को नमी के प्रवेश (moisture penetration) से बचाया जा सके और लकड़ी में दिखने वाली बारीक बारीक स्वाभाविक कमियाँ (blemishes) छिपाई जा सके. ब्लेड की दिखावट में एकरूपता लाने और स्वाभाविक कमियाँ छुपाने के अलावा ऐसे उपचार से ब्लेड के रंग में ज्यादा परिवर्तन नहीं होना चाहिए.

B.4.2 सुरक्षा और सुधार के लिए नियम 5.4 में बताए अनुसार पदार्थ प्रयुक्त हो सकते हैं और वे ब्लेड के अतिरिक्त रहेंगे. लेकिन नियम 5.6 देखें.

ऐसा कोई भी पदार्थ ब्लेड के पिछले हिस्से तक नहीं खींचा (extend) जाएगा – केवल नियम 5.4.1 की स्थिति के अलावा. उसमें भी उसे क्षतिग्रस्त स्थान पर लगातार इस तरह लपेटा (wrapping) जाएगा, कि वह एक जैसा दिखें.

सुधारने वाला पदार्थ (repair material) क्षतिग्रस्त क्षेत्र से दोनों तरफ 0.79 इंच/2.0 से.मी. से ज्यादा आगे नहीं जाना चाहिए. जब उसे लगातार लपेटा जाए तब उसकी कुल मोटाई 0.04 इंच/0.1 से.मी. से अधिक नहीं होना चाहिए.

गैर ठोस पदार्थ, जो सूखने के बाद 0.004 इंच/0.1 से.मी. से अधिक की परत बना ले, के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी.

इसके अतिरिक्त, टाइप B, C, और D बल्लों में क्षति से सुरक्षा के लिए बल्ले के निचले हिस्से (toe) में कोई पदार्थ डाला (inserted) जा सकता है जो ब्लेड के बगल और सतह पर उसके समानान्तर (parallel) लगा हो.

B.4.3 स्वीकृत आवरण, सुधारने के पदार्थ और टो गार्ड्स (toe guards), जिन्हें उल्लेखित मोटाई से अधिक नहीं होना चाहिए, उपरोक्त आयामों (dimensions) के लिए अतिरिक्त हो सकते हैं लेकिन बल्ले को फिर भी B.8 में वर्णित पैमाने (gauge) में से निकलना चाहिए.

B.5 **निचले भाग और बगल में डाले जाने वाले पदार्थ (Toe and side inserts)** – प्रयोग की गई लकड़ी की मोटाई 0.35 इंच/0.89 से.मी. से ज्यादा नहीं होनी चाहिए.

निचले भाग में लगाया जाने वाला पदार्थ (toe insert) उसके कोने से किसी भी बिन्दु पर ब्लेड के ऊपर 2.5 इंच/6.35 से.मी. से अधिक चढ़ना (extend) नहीं चाहिए.

बगल में लगाया जाने वाले पदार्थ (side inserts) में से कोई भी उसके कोने से किसी भी बिन्दु पर ब्लेड के ऊपर 1 इंच/2.54 से.मी. से अधिक चढ़ना (extend) नहीं चाहिए.

B.6 **व्यावसायिक पहचान चिन्ह (commercial identifications)** पहचान चिन्ह मोटाई में 0.008 इंच/0.02 से.मी. से अधिक नहीं होना चाहिए. ब्लेड के पिछले हिस्से में ऐसे चिन्ह को पूरी सतह के पचास प्रतिशत से अधिक की जगह नहीं घेरना चाहिए. ब्लेड के अग्र भाग में चिन्ह के लिए ऊपर के 9 इंच/22.86 से.मी. निर्धारित रहेंगे. यह नपाई (measurement) उस स्थान से शुरू होगा जहां पर ग्रिप (जैसा B.2.2 और B.2.4 में वर्णित है) खत्म होगी.

B.7 **टाइप D बल्ले (Type D Bats)**

टाइप D बल्ले जैसा कि परिभाषित है, नियम 5 और इस परिशिष्ट में दिये गए विनिर्देशों (specifications) और बंधनों (restrictions) का अनुपालन करेंगे. इसके अतिरिक्त ब्लेड

B.7.1 परतों में हो सकता है लेकिन लकड़ी का होना चाहिए और तीन से अधिक परतें नहीं होना चाहिए.

B.7.2 रंगीन हो सकता है बशर्ते नियम 5.5 का उल्लंघन न हो.

B.8 **बल्ले का पैमाना (Bat Gauge)**

समस्त बल्ले जो क्रिकेट के नियमों के अनुरूप हों, को नियम 5.7 में दिये गए विनिर्देशों (specification) के अनुसार होना चाहिए. इसके साथ ही नियम 5.4 में स्वीकृति अनुसार लगाए गए सुरक्षा आवरण के साथ या उसके बगैर बल्ले को, बल्ले के पैमाने (bat gauge), जिसके आयाम और आकार (dimensions and shapes) नीचे की आकृति (diagram) में दिये गए हैं, में से गुजरने योग्य होना चाहिए.

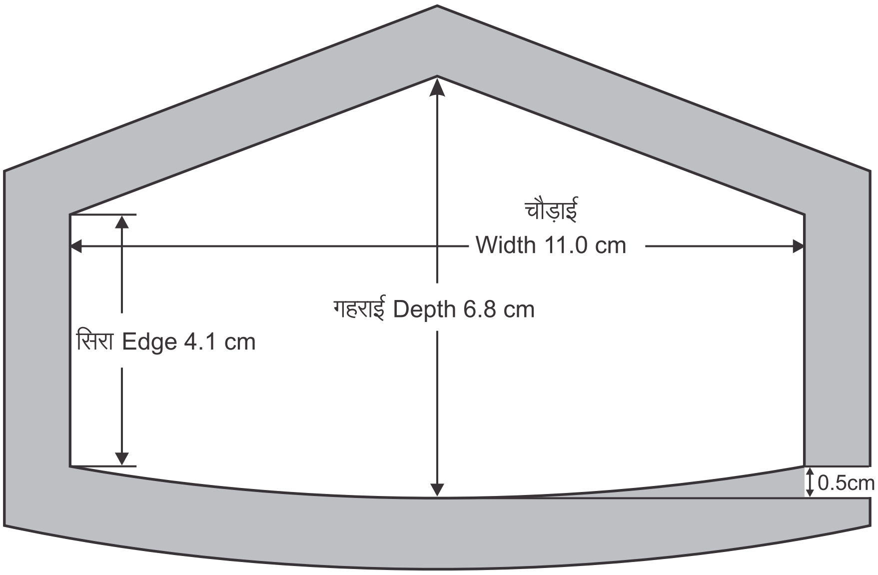

झिरी के माप Dimension of aperture

कुल गहराई	Total depth	:	2.68 inch/6.8 cm
चौड़ाई	Width	:	4.33 inch/11.0 cm
सिरे	Edge	:	1.61 inch/4.1 cm
घुमाव	Curve	:	0.20 inch/0.5 cm.

नोट : झिरी के निचले सिरे का घुमाव एक 12.0 इंच/30.5 से.मी. अर्ध व्यास का वृत्त होता है जिसका मध्य झिरी की खड़ी मध्य रेखा पर होगा.

Note : The curve of the lower edge of the aperture is an arc of a circle of radius 12.0 inch/30.5 cm whose centre is on the vertical centre line of the aperture.

परिशिष्ट C (Appendix C)
नियम 6 (द पिच) और 7 (द क्रीज़ेस)

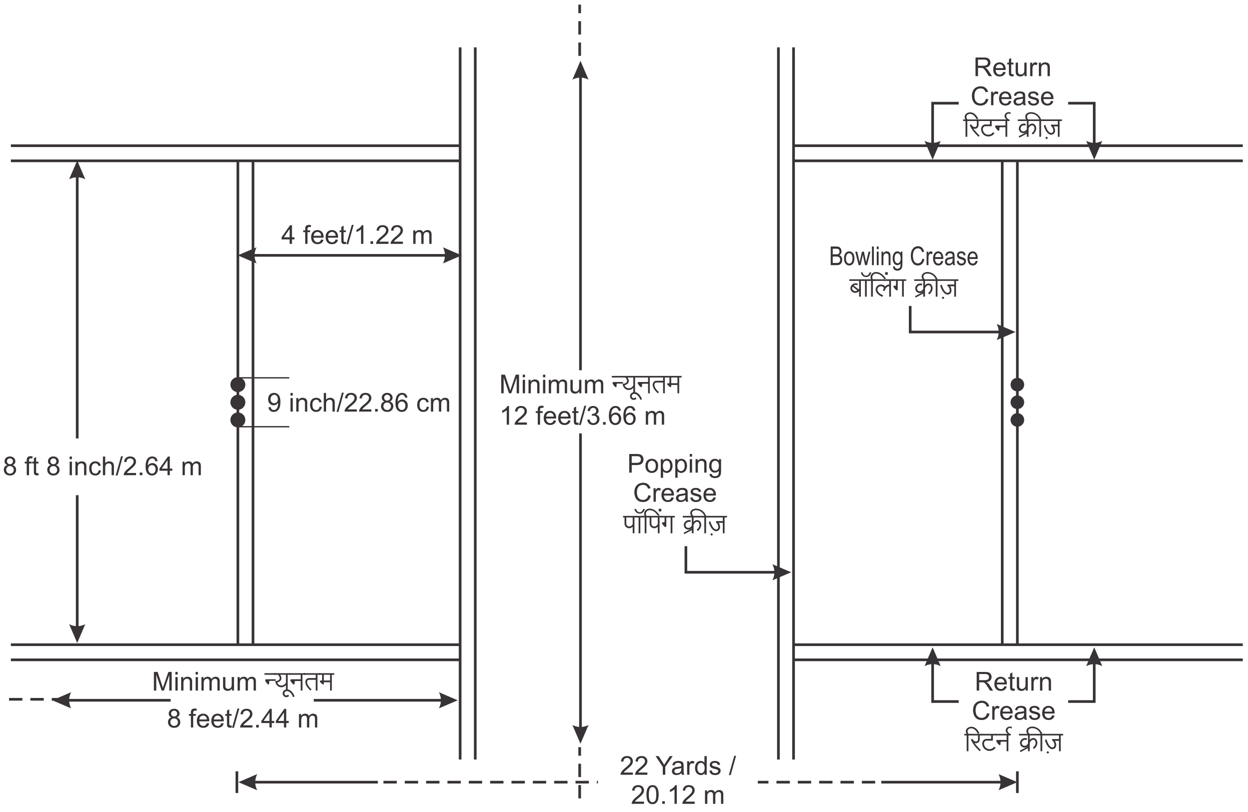

परिशिष्ट D (Appendix D)
नियम 8 (द विकेट्स)

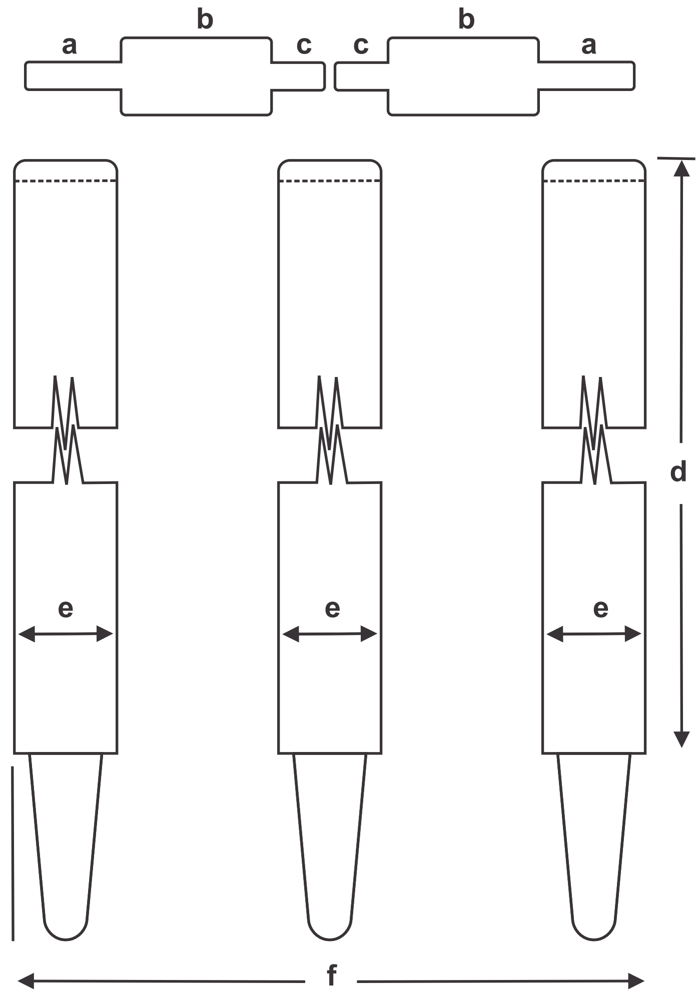

Bails बेल्स

For senior cricket सीनियर क्रिकेट के लिए

Overall कुल : 4.31 in/10.95 cm

(a) 1.38 in/3.50 cm

(b) 2.13 in/5.40 cm

(c) 0.81 in/2.06 cm

Stumps स्टंप्स

For Senior cricket सीनियर क्रिकेट के लिए

(d) Height ऊंचाई 28 inch/71.1 cm

(e) Diameter व्यास:

Max. अधिकतम – 1.5 inch/3.81 cm

Min. न्यूनतम – 1.38 inch/3.50 cm

Overall width of the wicket विकेट की कुल चौड़ाई

(f) 9 inch/22.86 cm

परिशिष्ट E (Appendix E)
विकेट–कीपर के दस्ताने

ये चित्र बताते है कि दस्ताने में

- ✻ उँगलियों को जोड़ने वाली बद्धी (webbing) का न होना.
- ✻ अंगूठे और तर्जनी की उंगली के बीच वाले हिस्से में मजबूती प्रदान करने के लगाई गई बद्धी (webbing) बगैर खिंचाव (non stretch) के एक ही टुकड़े से बनी होगी.
- ✻ बद्धी (webbing) का ऊपरी हिस्सा, तर्जनी और अंगूठे के ऊपरी हिस्से को जोड़ने वाली सीधी रेखा से बाहर नहीं निकलेगा और जब दस्ताना पहना गया हो, तो अंगूठे को पूरी तरह बाहर लंबा खींचने के बाद कसा हुआ होगा.

अनुक्रमणिका (Index)

आमुख

प्रस्तावना – क्रिकेट की भावना (The Preamble – The Spirit of Cricket)

नियम 1 – खिलाड़ी (The Players)

1.1 खिलाड़ियों की संख्या
1.2 खिलाड़ियों का नामांकन और बदलाव
1.3 कप्तान
1.4 कप्तानों की जिम्मेदारी

नियम 2 – द अंपायर्स (The Umpires)

2.1 नियुक्ति और उपस्थिति
2.2 अंपायर का बदलना
2.3 कप्तानों के साथ परामर्श
2.4 विकेट्स, क्रीज़ेस और बाउंड्रीज़
2.5 मैच का संचालन, सामग्री और उपकरण
2.6 उचित और अनुचित खेल
2.7 खेल के लिए अनुकूलता
2.8 खतरनाक और अतर्कसंगत परिस्थितियों में खेल को स्थगित करना
2.9 अंपायरों का स्थान
2.10 अंपायरों द्वारा छोर बदलना
2.11 मतभेद और विवाद
2.12 अंपायर का निर्णय
2.13 संकेत
2.14 अंपायरों को सूचित करना
2.15 स्कोर्स का सही होना

नियम 3 – द स्कोरर्स (The Scorers)

3.1 स्कोरर्स की नियुक्ति
3.2 स्कोर्स का सही होना
3.3 संकेतो को स्वीकार करना

नियम 4 – द बॉल (The Ball)

4.1 वज़न और माप
4.2 गेंदों का अनुमोदन (approval) और नियंत्रण
4.3 नई गेंद
4.4 एक दिन से अधिक अवधि के मैच में नई गेंद
4.5 गेंद का गुम हो जाना या खेल के लिए अनुपयुक्त हो जाना
4.6 विनिर्देश (Specifications)

नियम 5 – द बैट (The Bat)

5.1 द बैट
5.2 द हैंडल
5.3 द ब्लेड
5.4 बचाव और मरम्मत (Protection and repair)
5.5 गेंद को नुकसान
5.6 गेंद से संपर्क
5.7 बल्ले के माप की सीमा (limit)
5.8 बल्लों के वर्ग (categories)

नियम 6 – द पिच (The Pitch)

6.1 पिच का क्षेत्र
6.2 खेल के लिए पिच की अनुकूलता (Fitness)
6.3 चयन और निर्मिति
6.4 पिच को बदलना
6.5 घास रहित (non turf) पिच

नियम 7 – द क्रीज़ेस (The Creases)

7.1 द क्रीज़ेस
7.2 द बॉलिंग क्रीज़
7.3 द पॉपिंग क्रीज़
7.4 द रिटर्न क्रीज़

नियम 8 – द विकेट्स (The Wickets)

8.1 विवरण, चौड़ाई और पिचिंग
8.2 स्टंप्स का माप
8.3 द बेल्स
8.4 जूनियर क्रिकेट
8.5 बेल्स के बगैर खेलना

नियम 9 – खेल क्षेत्र की निर्मिति और रख रखाव (Preparation and maintenance of playing area)

9.1 रोलिंग
9.2 पिच के ऊपर के मलबे (debris) को हटाना
9.3 मोइंग (घास की कटाई)
9.4 पिच पर पानी डालना (watering)
9.5 क्रीज़ की रिमार्किंग
9.6 पैरों से बने गड्ढों (footholes) का रख रखाव
9.7 पैर रखने की जगह (footholds) को सुधारना और पिच का रख रखाव
9.8 घास रहित (non turf) पिच

नियम 10 – कवरिंग द पिच (Covering the Pitch)

10.1 मैच के पूर्व

10.2 मैच के दौरान

10.3 कवर को हटाना

नियम 11 – अंतराल (Intervals)

11.1 अंतराल

11.2 अंतराल की अवधि

11.3 पारी के बीच के अंतराल के लिए अनुमतियाँ (allowances)

11.4 अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

11.5 भोजन के अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

11.6 चाय के अंतराल के सहमत (agreed) समय को बदलना

11.7 भोजन या चाय का अंतराल – 9 विकेट गिरे होना

11.8 ड्रिंक्स का अंतराल

11.9 अंतराल रद्द करने के लिए सहमति

11.10 स्कोरर्स को सूचना देना

नियम 12 – खेल की शुरुआत ; खेल का अंत (Start of Play; Cessation of Play)

12.1 प्ले की पुकार

12.2 टाइम की पुकार

12.3 बेल्स को हटाना

12.4 नए ओवर की शुरुआत

12.5 किसी ओवर को पूरा करना

12.6 मैच का आखिरी घंटा – ओवर्स की संख्या

12.7 मैच का आखिरी घंटा – खेल में व्यवधान

12.8 मैच का आखिरी घंटा – पारियों के बीच का अंतराल

12.9 मैच की समाप्ति

12.10 मैच का आखिरी ओवर पूर्ण करना

12.11 मैच के आखिरी घंटे में किसी गेंदबाज द्वारा ओवर पूरा नहीं कर पाना

नियम 13 – पारी (Innings)

13.1 पारियों की संख्या

13.2 बारी–बारी से पारी लेना

13.3 पूर्ण पारी

13.4 द टॉस

13.5 निर्णय की सूचना देना

नियम 14 – द फॉलो–ऑन (The Follow-On)

14.1 पहली पारी की बढ़त

14.2 सूचित करना

14.3 पहले दिन का खेल नहीं हो पाना

नियम 15 – पारी घोषित करना और छोड़ना (Declaration and Forfeiture)

15.1 पारी घोषित करने का समय

15.2 पारी को छोड़ना

15.3 सूचित करना

नियम 16 – द रिज़ल्ट (The Result)

16.1 जीत – दो पारी का मैच

16.2 जीत – एक पारी का मैच

16.3 अंपायरों द्वारा मैच प्रदान (award) करना

16.4 मैच जिनमें नियम 13.1.2 के तहत कोई समझौता हुआ है

16.5 सभी अन्य मैच – टाई या ड्रॉ

16.6 जीत दिलाने वाली हिट या अतिरिक्त रन (Extras)

16.7 परिणाम का उल्लेख (Statement of Result)

16.8 परिणाम का सही होना

16.9 स्कोरिंग में गलतियाँ

16.10 परिणाम का बदला नहीं जाना

नियम 17 – द ओवर (The Over)

17.1 गेंदों की संख्या

17.2 ओवर की शुरुआत

17.3 गेंदों की वैधता

17.4 ओवर की पुकार

17.5 अंपायर द्वारा गलत गणना

17.6 गेंदबाज द्वारा छोर बदलना

17.7 ओवर को ख़त्म करना

17.8 ओवर के दौरान गेंदबाज का असमर्थ (incapacitated) या निलंबित (suspend) होना

नियम 18 – रन बनाना (Scoring Runs)

18.1 रन

18.2 रनों को अस्वीकार करना (disallowed)

18.3 शॉर्ट रन

18.4 अनजाने में (unintentional) लिए गए शॉर्ट रन

18.5 जानबूझकर लिए गए शॉर्ट रन

18.6 पेनल्टी के लिए प्रदान किए जाने वाले रन

18.7 बाउंड्री के लिए बने रन
18.8 बल्लेबाज के आउट होने पर बनने वाले रन
18.9 विकेट न गिरने पर भी गेंद के डेड होने पर बनने वाले रन
18.10 स्कोर किए गए रन का श्रेय (credit)
18.11 बल्लेबाज का मूल छोर पर लौटना
18.12 अपने द्वारा छोड़े गए विकेट पर बल्लेबाज का लौटना

नियम 19 – बाउंड्रीज़ (Boundaries)

19.1 खेल के मैदान की सीमा (बाउंड्री) निश्चित करना
19.2 बाउंड्री को पहचानना और चिन्हित करना
19.3 बाउंड्री को अपने स्थान पर लौटाना
19.4 गेंद का बाउंड्री के पार ज़मीनी सम्पर्क
19.5 क्षेत्ररक्षक का बाउंड्री के पार ज़मीनी संपर्क
19.6 बाउंड्री के भत्ते (allowances)
19.7 बाउंड्री से बनने वाले रन
19.8 ओवरथ्रो या क्षेत्ररक्षक द्वारा स्वेच्छा से की गई करतूत

नियम 20 – डेड बॉल (Dead Ball)

20.1 गेंद डेड (निश्चल) होगी
20.2 गेंद का अंतिम रूप से स्थाई (settle) होना
20.3 ओवर या टाइम की पुकार
20.4 अंपायर द्वारा डेड बॉल की पुकार और संकेत
20.5 गेंद के डेड (निश्चल) होने की समाप्ति (Ball ceases to be dead)
20.6 डेड बॉल; गेंद का ओवर में गिना जाना

नियम 21 – नो बॉल (No Ball)

21.1 गेंद फेंकने की शैली (Mode of delivery)
21.2 उचित गेंद – बाजू
21.3 'थ्रो' की गई या अंडरआर्म फेंकी गई गेंद – अंपायर द्वारा कार्रवाई
21.4 गेंदबाज द्वारा गेंद फेंकने से पहले स्ट्राइकर की ओर 'थ्रो' करना
21.5 उचित गेंदबाजी – पैर (feet)
21.6 गेंद फेंकते वक्त गेंदबाज द्वारा विकेट गिराना
21.7 गेंद का एक से ज्यादा बार टप्पा खाना, ज़मीन पर लुढ़कना या पिच के बाहर गिरना.
21.8 स्ट्राइकर के विकेट के सामने आकर गेंद का स्थिर होना
21.9 क्षेत्ररक्षक द्वारा गेंद को बीच में ही रोक देना
21.10 गेंद का स्ट्राइकर के सिर की ऊंचाई से ऊपर उछाल लेना
21.11 अन्य नियमों के उल्लंघन के लिए नो बॉल की पुकार लगाना
21.12 नो बॉल की पुकार को वापिस लेना (revoke)
21.13 नो बॉल का वाइड से पहले गिना जाना (over-ride)
21.14 गेंद का डेड नहीं होना
21.15 नो बॉल के लिए पेनल्टी
21.16 नो बॉल के फलस्वरूप बने रन – कैसे स्कोर होंगे
21.17 नो बॉल का नहीं गिना जाना
21.18 नो बॉल पर आउट होना

नियम 22 – वाइड बॉल (Wide Ball)

22.1 वाइड को परखना
22.2 वाइड बॉल की पुकार और संकेत
22.3 वाइड बॉल की पुकार को वापिस लेना (Revoke)
22.4 गेंद का वाइड न होना
22.5 गेंद का डेड नहीं होना
22.6 वाइड की पेनल्टी
22.7 वाइड के फलस्वरूप बने रन – कैसे स्कोर होंगे
22.8 वाइड का नहीं गिना जाना
22.9 वाइड पर आउट होना

नियम 23 – बाय और लेग बाय (Bye and Leg bye)

23.1 बाईज़
23.2 लेग बाईज़
23.3 लेग बाईज़ प्रदान नहीं की जाना

नियम 24 – क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति; स्थानापन्न (Fielder's Absence; Substitutes)

24.1 स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक
24.2 क्षेत्ररक्षक की अनुपस्थिति या मैदान छोड़ना
24.3 पेनल्टी टाइम का न जुड़ना
24.4 खिलाड़ी का बगैर इजाजत लौटना

नियम 25 – बल्लेबाज की पारी; रनर (Batsman's Innings; Runners)

25.1 बल्लेबाज या रनर के रूप में भूमिका निभाने के लिए पात्रता
25.2 बल्लेबाज की पारी का शुरू होना
25.3 बल्लेबाज द्वारा पारी शुरू करने पर बंधन
25.4 बल्लेबाज का रिटायर होना
25.5 रनर्स
25.6 बल्लेबाज और उसके रनर का विदा (dismissal) होना और आचरण (conduct)
25.7 स्ट्राइकर के रनर पर बंधन (restriction)

नियम 26 – मैदान पर अभ्यास (Practice on the field)

26.1 पिच पर या स्क्वेयर के शेष हिस्से पर अभ्यास

26.2 आउटफील्ड पर अभ्यास

26.3 ट्रायल रन–अप

26.4 अवहेलना की सज़ा (Penalties)

नियम 27 – द विकेट–कीपर (The Wicket-keeper)

27.1 सुरक्षा उपकरण

27.2 दस्ताने (Gloves)

27.3 विकेट–कीपर का स्थान

27.4 विकेट–कीपर द्वारा हलचल (Movement)

27.5 विकेट–कीपर की क्रियाओं (actions) पर बंधन (restriction)

27.6 स्ट्राइकर द्वारा विकेट–कीपर से हस्तक्षेप

नियम 28 – द फील्डर (The Fielder)

28.1 सुरक्षा उपकरण

28.2 फील्डिंग द बॉल

28.3 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के सुरक्षा हेलमेट

28.4 ऑन साइड क्षेत्ररक्षकों की संख्या की सीमितता

28.5 क्षेत्ररक्षकों द्वारा पिच पर अतिक्रमण नहीं करना

28.6 विकेट–कीपर के अलावा किसी अन्य क्षेत्ररक्षक की हलचल (Movement)

नियम 29 – द विकेट इज़ डाउन (The wicket is down)

29.1 विकेट का गिराया जाना (Wicket put down)

29.2 एक बेल का गिरा होना

29.3 विकेट को फिर से बनाना (Remaking wicket)

29.4 बेल्स के बगैर खेलना

नियम 30 – बल्लेबाज का उसके मैदान से बाहर होना (Batsman Out Of His/Her Ground)

30.1 कब मैदान से बाहर होगा/होगी

30.2 बल्लेबाज का मैदान (Ground) कौन सा है

30.3 नॉन–स्ट्राइकर कि स्थिति

नियम 31 – अपील्स (Appeals)

31.1 बिना अपील के अंपायर बल्लेबाज को आउट नहीं देगा

31.2 बल्लेबाज का विदा (Dismiss) होना

31.3 अपील की समय सीमा

31.4 अपील 'हाउ इस देट' (How's That)

31.5 अपील का उत्तर देना

31.6 अंपायरों के बीच परामर्श (Consultation)

31.7 बल्लेबाज द्वारा गलत फहमी में विकेट छोड़ना

31.8 अपील का वापिस लिया जाना

नियम 32 – बोल्ड (Bowled)

32.1 आउट बोल्ड

32.2 बोल्ड को वरीयता (Precedence) मिलेगी

नियम 33 – कॉट (Caught)

33.1 आउट कॉट

33.2 उचित कैच

33.3 कैच का रचा जाना (Making a catch)

33.4 कोई रन स्कोर नहीं होगा

33.5 कॉट को वरीयता (Precedence) मिलेगी

नियम 34 – हिट द बॉल ट्वाइस (Hit the ball twice)

34.1 आउट हिट द बॉल ट्वाइस

34.2 नॉट आउट हिट द बॉल ट्वाइस

34.3 गेंद पर वैधानिक तौर से एक से अधिक प्रहार करना

34.4 वैधानिक तरीके से एक से ज्यादा बार खेली गई गेंद पर स्वीकृत रन

34.5 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

नियम 35 – हिट विकेट (Hit Wicket)

35.1 आउट हिट विकेट

35.2 नॉट आउट हिट विकेट

नियम 36 – पगबाधा (Leg Before Wicket)

36.1 आउट पगबाधा (LBW)

36.2 गेंद का अवरोध (Interception)

36.3 विकेट का ऑफ साइड

नियम 37 – आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड (Obstructing the field)

37.1 आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड

37.2 नॉट आउट आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड

37.3 गेंद को कैच किए जाने में बाधा पहुँचाना (Obstructing the ball from being caught)

37.4 क्षेत्ररक्षक को गेंद लौटाना

37.5 रन जो स्कोर होंगे

37.6 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

नियम 38 – रन आउट (Run Out)

38.1 आउट रन आउट

38.2 बल्लेबाज नॉट आउट रन आउट

38.3 कौन सा बल्लेबाज आउट होगा

38.4 रन जो स्कोर होंगे

38.5 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

नियम 39 – स्टंप्ड (Stumped)

39.1 आउट स्टंप्ड

39.2 विकेट–कीपर के शरीर से गेंद का लौटना (Rebound)

39.3 नॉट आउट स्टंप्ड

नियम 40 – टाइम्ड आउट (Timed Out)

40.1 आउट टाइम्ड आउट

40.2 गेंदबाज को श्रेय नहीं मिलेगा

नियम 41 – अनुचित खेल (Unfair play)

41.1 उचित और अनुचित खेल – कप्तानों की ज़िम्मेदारी

41.2 अनुचित कृत्य

41.3 मैच बॉल – उसकी दशा (condition) बदलना

41.4 जानबूझकर स्ट्राइकर का ध्यान भंग करने का प्रयास

41.5 जानबूझकर बल्लेबाज का ध्यान भंग करना, छल करना या बाधा पहुँचाना

41.6 खतरनाक और अनुचित शॉर्ट पिच गेंदें फेंकना

41.7 खतरनाक और अनुचित पिच न होने वाली गेंदें फेंकना

41.8 जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकना

41.9 क्षेत्ररक्षण कर रही टीम द्वारा समय की बर्बादी

41.10 बल्लेबाज द्वारा समय की बर्बादी

41.11 सुरक्षित क्षेत्र

41.12 क्षेत्ररक्षक द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना

41.13 गेंदबाज का सुरक्षित क्षेत्र में दौड़ना

41.14 बल्लेबाज द्वारा पिच को नुकसान पहुँचाना

41.15 स्ट्राइकर का सुरक्षित क्षेत्र में दौड़ना

41.16 नॉन– स्ट्राइकर द्वारा अपना मैदान (Ground) समय से पूर्व छोड़ना

41.17 बल्लेबाज द्वारा रन चुराना

41.18 पेनल्टी रन

नियम 42 – खिलाड़ियों का आचरण (Players' Conduct)

42.1 अस्वीकार्य व्यवहार

42.2 लेवल 1 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.3 लेवल 2 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.4 लेवल 3 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.5 लेवल 4 उल्लंघन और अंपायरों द्वारा कार्रवाई

42.6 कप्तान द्वारा किसी खिलाड़ी को मैदान से हटाने से इंकार करना

42.7 लेवल 3 और लेवल 4 उल्लंघन से संबंधित अतिरिक्त बिन्दु

परिशिष्ट A (Appendix A) : पाठ में अपरिभाषित शब्द या वाक्यांश की परिभाषाएँ और व्याख्या (Definitions and explanations of words and phrases not defined in the text)

A. 1. द मैच (The Match)

A. 2. सामग्री और उपकरण (Implements and equipment)

A. 3. खेल का क्षेत्र (The Playing area)

A. 4. स्थिति निर्धारण (Positioning)

A. 5. अंपायर (Umpires)

A. 6. बल्लेबाजों (Batsmen)

A. 7. क्षेत्ररक्षक (Fielders)

A. 8. स्थानापन्न, प्रतिस्थापित और रनर्स (Substitutes, Replacements and Runners)

A. 9. गेंदबाज (Bowlers)

A.10. गेंद (The ball)

A.11. रन (Runs)

A.12. शरीर (The person)

A.13. ऑफ साइड/ऑन साइड; पॉपिंग क्रीज़ के आगे/पीछे (off side/on side; in front of/behind the popping crease)

परिशिष्ट B (Appendix B) : बल्ला (The bat) (नियम 5)

B. 1 सामान्य दिशा निर्देश (General guidance)

B. 2 हैंडल (दस्ते) के लिए विनिर्देश (Specifications)

B. 3 ब्लेड़ के लिए विनिर्देश

B. 4 सुरक्षा और सुधार (Protection and repair)

B. 5 निचले भाग और बगल में डाले जाने वाले पदार्थ (Toe and side inserts)

B. 6 व्यावसायिक पहचान चिन्ह (commercial identifications)

B.7 टाइप D बल्ले (Type D Bats)

B.8 बल्ले का पैमाना (Bat Gauge)

परिशिष्ट C (Appendix C) : नियम 6 (The pitch) और 7 (The creases)

परिशिष्ट D (Appendix D) : नियम 8 (The wickets)

परिशिष्ट E (Appendix E) : विकेट–कीपर के दस्ताने (Wicket-keeping gloves)